2023-24

वार्षिक रिपोर्ट

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान

(दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली का स्वायत्त निकाय),

के. सी. मार्ग, बांद्रा रिक्लेमेशन, बांद्रा (प.), मुंबई - 400 050

फोन: 022-26422638/26400215/0226, ई-मेल: ayjnihh-mum@nic.in, वेबसाइट: https://ayjnishd.nic.in

आईएस/आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित संस्थान

वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2023-24

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान

(दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकर)

पंजी. सं. एस/12840, 1982 (दिल्ली)

आईएस/आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित संस्थान

किशनचंद मार्ग, बांद्रा रिक्लेमेशन

बांद्रा (पश्चिम), मुंबई 400 050.

दूरभाष : 91-22-26422638. ईपीएबीएक्स : 022-26400215/226

ई-मेल : ayjnihh-mum@nic.in

वेबसाइट : www.ayjnihh.nic.in, www.adipcochlearimplant.in

विषय सूची

		पृष्ठ सं.
01.	संक्षेपण	01-05
02.	संगठनात्मक संचित्र	06
03.	संस्थान, इसके केंद्र और गतिविधियां	07-10
04.	परस्पर संबंधित स्वास्थ्य संकट: मधुमेह, श्रवण ह्रास और एकीकृत देखभाल की आवश्यकता	11-13
05.	मानव संसाधन विकास	14-17
06.	अनुसंधान एवं प्रकाशन	18-29
07.	सेवाएं	30-37
08.	एडिप (ADIP) योजना का कार्यान्वयन	38-49
09.	उत्तर-पूर्व की गतिविधियां	50-52
10.	राजभाषा कार्यान्वयन	53-56
11.	अन्य गतिविधियां	57-59
12.	समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, भोपाल	60-65
13.	समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, अहमदाबाद	66-71
14.	समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, नागपुर	72-77
15.	समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, छतरपुर	78-81
16.	वित्तीय वर्ष 2022-24 का समेकित वार्षिक लेखा	82-117
	परिशिष्ट I- दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम	118-121
	परिशिष्ट II- अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम	122-131
	परिशिष्ट III- नैदानिक सेवाएं	132
	परिशिष्ट IV- महापरिषद् सदस्य	133-136
	परिशिष्ट V- कार्यकारिणी परिषद् सदस्य	137-138
	परिशिष्ट VI- शैक्षिक समिति सदस्य	139
	परिशिष्ट VII- कार्मिकों की संख्या	140
	परिशिष्ट VIII- क्षेत्रीय केंद्रों और सीआरसी के पते	141

1. संक्षेपण

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संसथान, सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 (अधिनियम XXX1860) के तहत पंजीकृत सोसाइटी है। संस्थान की स्थापना 9 अगस्त, 1983 में की गई। यह दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है। अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, इसके क्षेत्रीय केंद्र (आरसी) और समेकित क्षेत्रीय केंद्रों (सीआरसी) द्वारा वर्ष 2023-24 के दौरान कार्य निष्पादित महत्वपूर्ण गतिविधियों और उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है।

- संस्थान और इसके आरसी ने अपने क्लीनिकों और आउटरीच और विस्तार सेवाओं के माध्यम से 29285 नए ग्राहकों और 90353 अनुवर्ती ग्राहकों को सेवा प्रदान की। नए और अनुवर्ती ग्राहकों को दी जाने वाली सहायता सेवाओं की संख्या 404763 रही।

- संस्थान और इसके आरसी ने एडिप (ADIP) योजना के तहत 5109 लाभार्थियों को 8355 सहायक यंत्र और उपकरण वितरित किए, जिनमें 3110 पुरुष, 1999 महिलाएं, 2497 बच्चे और 60 वर्ष से अधिक आयु के 838 व्यक्ति शामिल थे। संस्थान ने वर्ष 2023-24 के दौरान एडिप (ADIP) योजना के तहत 50 शिविर आयोजित किए (विवरण अध्याय-8 में दिया गया है)।

- प्रतिवेदन वर्ष 2023-24 के दौरान एडिप (ADIP) के तहत 1394 और सीएसआर निधि के तहत 50 सहित श्रवण दिव्यांग 1444 बच्चों को कॉक्लिअर इम्प्लांटेशन से लाभान्वित किया गया है। देश भर में कॉक्लिअर इम्प्लांट सर्जरी के लिए कुल 151 अस्पताल सूचीबद्ध हैं।

- प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, क्रॉस डिसेबिलिटी अर्ली आइडेंटिफिकेशन एंड इंटरवेंशन सेंटर (CDEIC) ने श्रवण ह्रास, बौद्धिक दिव्यांगता, स्वलीनता, निम्न दृष्टि, बहु दिव्यांगता और प्रमस्तिष्क घात से पीड़ित 151 बच्चों की सेवा की और 106188 सहायता सेवाएं प्रदान की गईं।

- महाराष्ट्र सरकार ने अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई को अगस्त, 2016 से श्रवण दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए मंजूरी दी है। इस वर्ष के दौरान, 241 व्यक्तियों को श्रवण दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किए गए।

- संस्थान ने वर्ष 2023-24 के दौरान निरमाया स्वास्थ्य बीमा योजना - हेल्प डेस्क/नामांकन केंद्र शुरू किया। कुल 23 दिव्यांगजनों ने योजना के तहत नामांकन किया।

- दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत, संस्थान और इसके आरसी ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में 427 उम्मीदवारों को नामांकित किया और अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों/वेबिनार के तहत, संस्थान ने 7283 लाभार्थियों के लिए 110 कार्यक्रम आयोजित किए।

- दिव्यांगजनों के लिए कौशल प्रशिक्षण - दिव्यांगजनों के लिए डाटा एंट्री ऑपरेटर कोर्स का उद्घाटन 15 फरवरी, 2024 को मुख्यालय, मुंबई में किया गया। इस कोर्स के लिए पीएम-दक्ष डीईपीडब्ल्यूडी पोर्टल के माध्यम से कुल

16 दिव्यांगजन पंजीकृत हैं। यह कोर्स पांच महीने की अवधि का है और दिव्यांगजन कौशल परिषद द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

- संस्थान द्वारा दिव्यांगता सूचना लाइन (डीआईएल) स्थापित की गई है जिसे सर्वर-आधारित सिस्टम द्वारा संचालित किया जाता है। इस सूचना लाइन को 10 अंकों के टोल-फ्री नंबर से अपग्रेड करके 5 अंकों '14456' से विस्थापित किया गया और यह भारत की पहली क्लाउड-आधारित राष्ट्रीय दिव्यांगता सूचना हेल्पलाइन (एनडीआईएचएस) है। यह उन्नत सूचना सेवा 21 प्रकार की दिव्यांगताओं पर 24x7 व्यापक जानकारी प्रदान करती है जो कि अब कम अंकों वाले हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से आसानी से सुलभ है।
- संस्थान ने हिंदी में 2585 और अंग्रेजी में 2413 पत्र जारी किए। राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत कुल 196 दस्तावेज द्विभाषी रूप में जारी किए गए।
- अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई में स्थित केंद्रीय वातानुकूलित पुस्तकालय के अपने संग्रह में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पुस्तकें और पत्रिकाएं शामिल है। इसमें 2032 हिंदी पुस्तकें, पत्रिकाओं के पुराने संस्करणों के 1385 जिल्दबंद अंकों सहित 18015 पठन सामग्री उपलब्ध है।
- इस वर्ष के दौरान, समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास और दिव्यांगजन सशक्तिकरण, भोपाल ने कार्यालय में और शिविरों के माध्यम से 1509 नए ग्राहकों, 13108 अनुवर्ती ग्राहकों और 46314 सहायता सेवाएं प्रदान की। केंद्र ने 672 लाभार्थियों को 1094 सहायता उपकरण और यंत्र वितरित किए/लगाए।
- समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, अहमदाबाद ने 4129 नए ग्राहकों, 10937 अनुवर्ती ग्राहकों को सेवा प्रदान की तथा कार्यालय में और शिविरों के माध्यम से 179792 सहायता सेवाएं प्रदान की। केंद्र ने 03 वितरण शिविर आयोजित किए, जिनमें 461 व्यक्ति लाभान्वित हुए। केंद्र और पीएमडीके ने 2099 लाभार्थियों को 4007 सहायक उपकरण और यंत्र वितरित किए/लगाए।
- प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, नागपुर ने 14255 नए ग्राहकों, 16721 अनुवर्ती ग्राहकों को सेवा प्रदान की तथा कार्यालय में और शिविरों के माध्यम से 49450 सहायता सेवाएं प्रदान की गई। केंद्र ने विभिन्न शिविरों और केंद्रों में 641 लाभार्थियों को 894 सहायक उपकरण/यंत्र वितरित किए/लगाए।
- प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास और दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, छतरपुर ने कार्यालय में और शिविरों के माध्यम से 1246 नए ग्राहकों, 1431 अनुवर्ती ग्राहकों और 13215 सहायता सेवाएं प्रदान कीं।
- माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने श्री राजेश अग्रवाल, सचिव, सा. न्या. और अधि. मंत्रालय, भारत सरकार, के साथ 8 अप्रैल, 2023 को सीआरसी, छतरपुर, मध्य प्रदेश का उद्घाटन किया, जो कि अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत्त है।

- माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 13.08.2023 को समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), अहमदाबाद के नए भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री ए. नारायणस्वामी, सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री, माननीय सांसद श्री विनोद चावड़ा, कच्छ, गुजरात और श्री राजेश अग्रवाल, सचिव, सा. न्या. और अधि. मंत्रालय, भारत सरकार, सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

- दिनांक 6 अक्टूबर, 2023 को माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के करकमलों द्वारा सीआरसी, छतरपुर, मध्य प्रदेश नए कार्यालय भवन का शिलान्यास किया गया।

- संस्थान ने मंत्रालय के मार्गदर्शन के अनुसार गोवा में एक एक्सटेंशन काउंटर शुरू करने की पहल की है।

- माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री रामदास अठावले, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने 8 जनवरी, 2024 को के राज्य दिव्यांगजन आयुक्त, गोवा, समाज कल्याण निदेशालय, गोवा सरकार और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट, गोवा-2024 में संस्थान द्वारा विकसित दिव्यांगता सूचना लाइन (डीआईएल) के लिए उन्नत क्लाउड आधारित परिवर्तनकारी इंटरैक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस) लॉन्च किया।

- संस्थान द्वारा, राज्य दिव्यांगजन आयुक्त, गोवा, समाज कल्याण निदेशालय, गोवा सरकार और दिव्यांगन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 8 से 13 जनवरी, 2024 के मध्य आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट, गोवा-2024 में भाग लिया। संस्थान ने वहां चार स्टॉल लगाए: संस्थान सूचना स्टॉल, चुनौतीपूर्ण गतिविधि-आधारित संवेदीकरण कार्यक्रम, श्रवण जांच शिविर और एक मिनी सीडीईआईसी सेटअप। उपस्थित दर्शकों को विभिन्न योजनाओं, सेवाओं और वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजनों (पीडब्लूएसएचआई) के समक्ष आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सहयोग देने के लिए क्षेत्रीय केंद्रों (आरसी) और समेकित क्षेत्रीय केंद्रों (सीआरसी) के कार्मिक भी मौजूद थे।

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान द्वारा प्रदान की गई सेवाओं का आलेखिए (ग्राफ्रिकल) प्रस्तुति

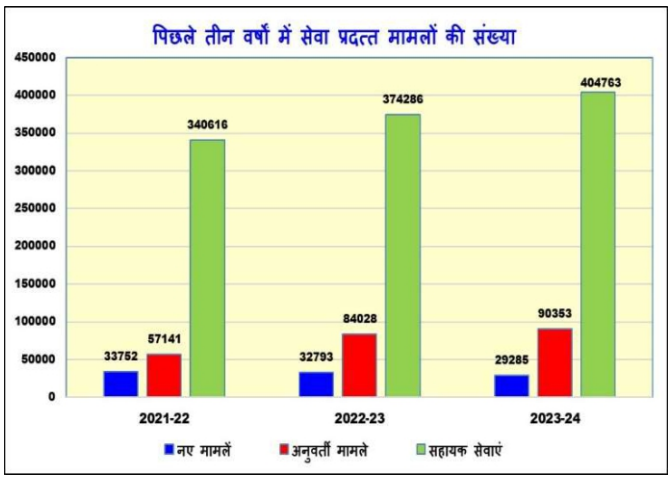

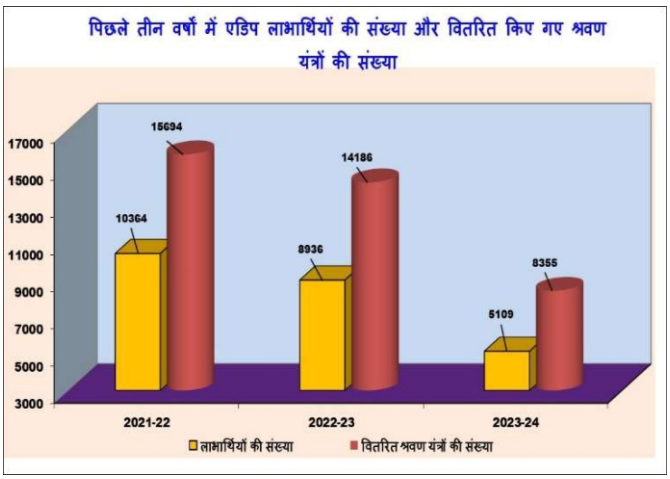

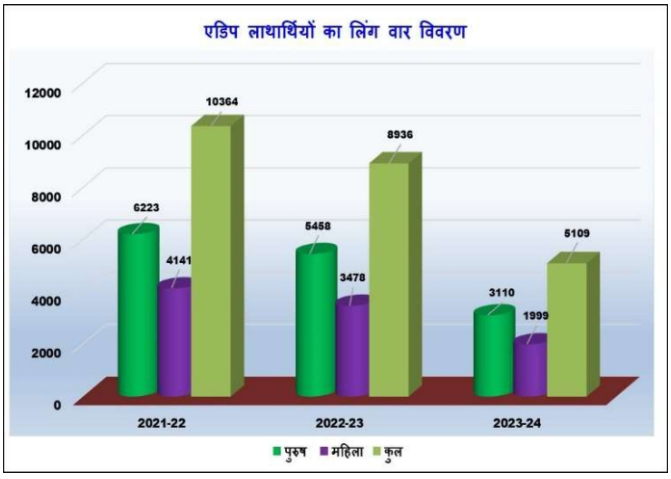

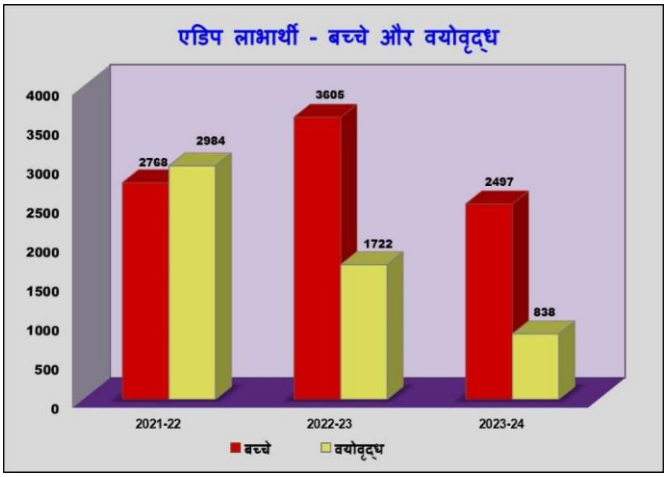

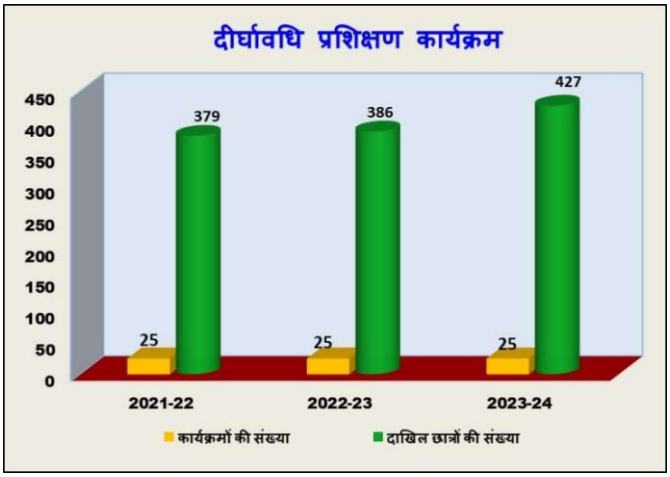

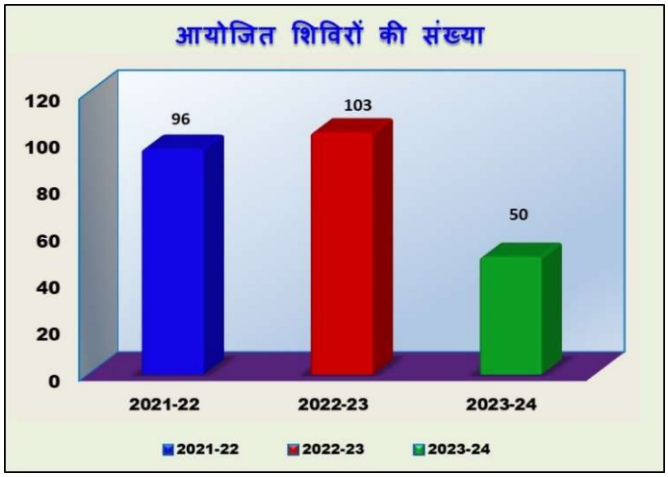

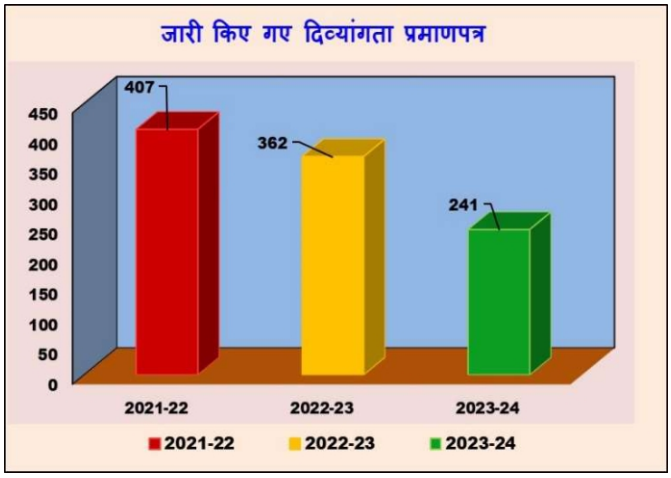
जारी किए गए दिव्यांगता प्रमाणपत्र
407
362
241
2021-22
2022-23
2023-24

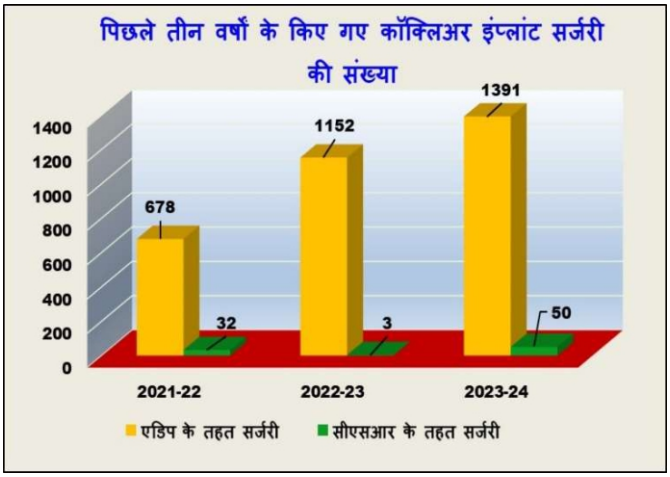
पिछले तीन वर्षों के किए गए कॉक्लिअर इंप्लांट सर्जरी की संख्या
678
32
1152
3
1391
50
2021-22
2022-23
2023-24
एडिप के तहत सर्जरी
सीएसआर के तहत सर्जरी

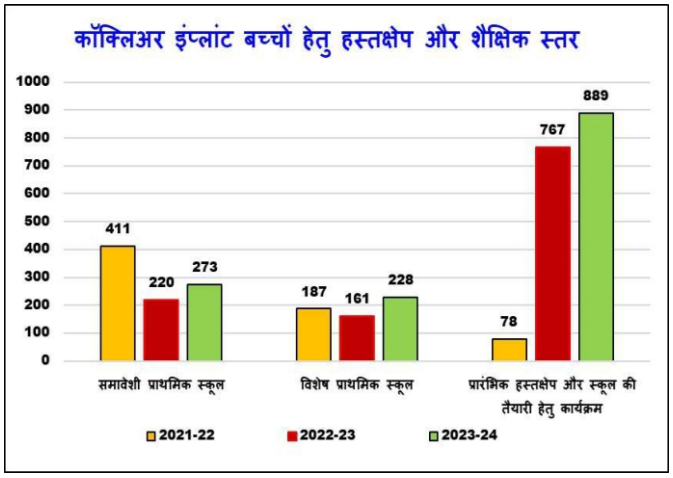
कॉक्लिअर इंप्लांट बच्चों हेतु हस्तक्षेप और शैक्षिक स्तर
411
220
273
187
161
228
78
767
889
समावेशी प्राथमिक स्कूल
विशेष प्राथमिक स्कूल
प्रारंभिक हस्तक्षेप और स्कूल की तैयारी हेतु कार्यक्रम
2021-22
2022-23
2023-24

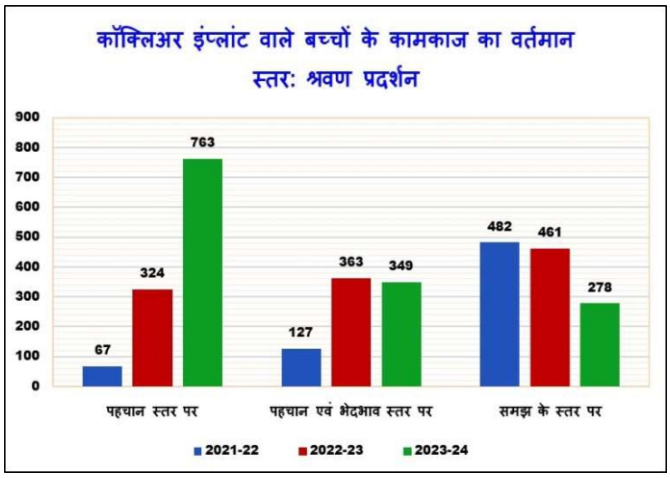
कॉक्लिअर इंप्लांट वाले बच्चों के कामकाज का वर्तमान स्तर: श्रवण प्रदर्शन
67
324
763
127
363
349
482
461
278
पहचान स्तर पर
पहचान एवं भेदभाव स्तर पर
समझ के स्तर पर
2021-22
2022-23
2023-24

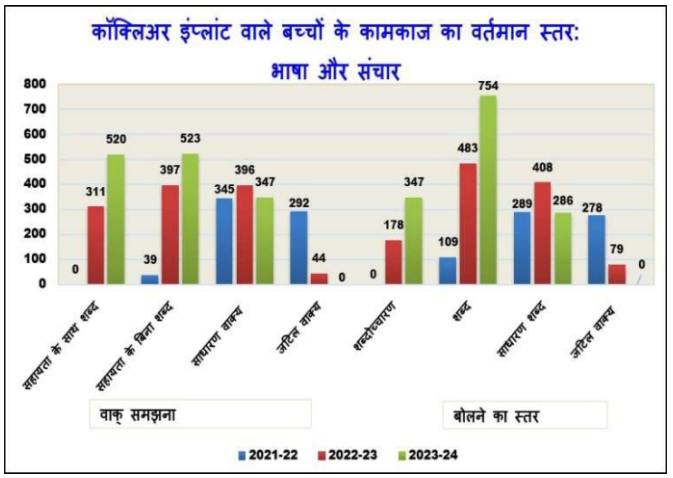
कॉक्लिअर इंप्लांट वाले बच्चों के कामकाज का वर्तमान स्तर: भाषा और संचार
0
311
520
39
397
523
345
396
347
292
44
0
0
178
347
109
483
754
289
408
286
278
79
0
सहायता के साथ शब्द
सहायता के बिना शब्द
साधारण वाक्य
जटिल वाक्य
शब्दोच्चारण
शब्द
साधारण शब्द
जटिल वाक्य
वाक् समझना
बोलने का स्तर
2021-22
2022-23
2023-24

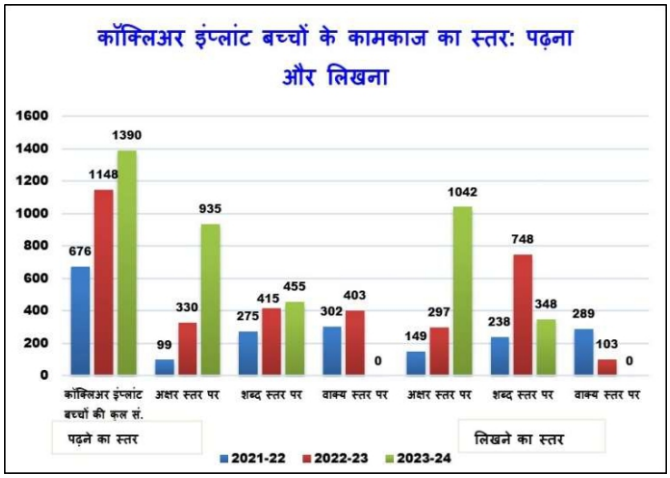
कॉक्लिअर इंप्लांट बच्चों के कामकाज का स्तर: पढ़ना और लिखना
676
1148
1390
99
330
935
275
415
455
302
403
0
149
297
1042
238
748
348
289
103
0
कॉक्लिअर इंप्लांट बच्चों की कुल सं.
अक्षर स्तर पर
शब्द स्तर पर
वाक्य स्तर पर
अक्षर स्तर पर
शब्द स्तर पर
वाक्य स्तर पर
पढ़ने का स्तर
लिखने का स्तर
2021-22
2022-23
2023-24

2. अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान का संगठनात्मक संचित्र

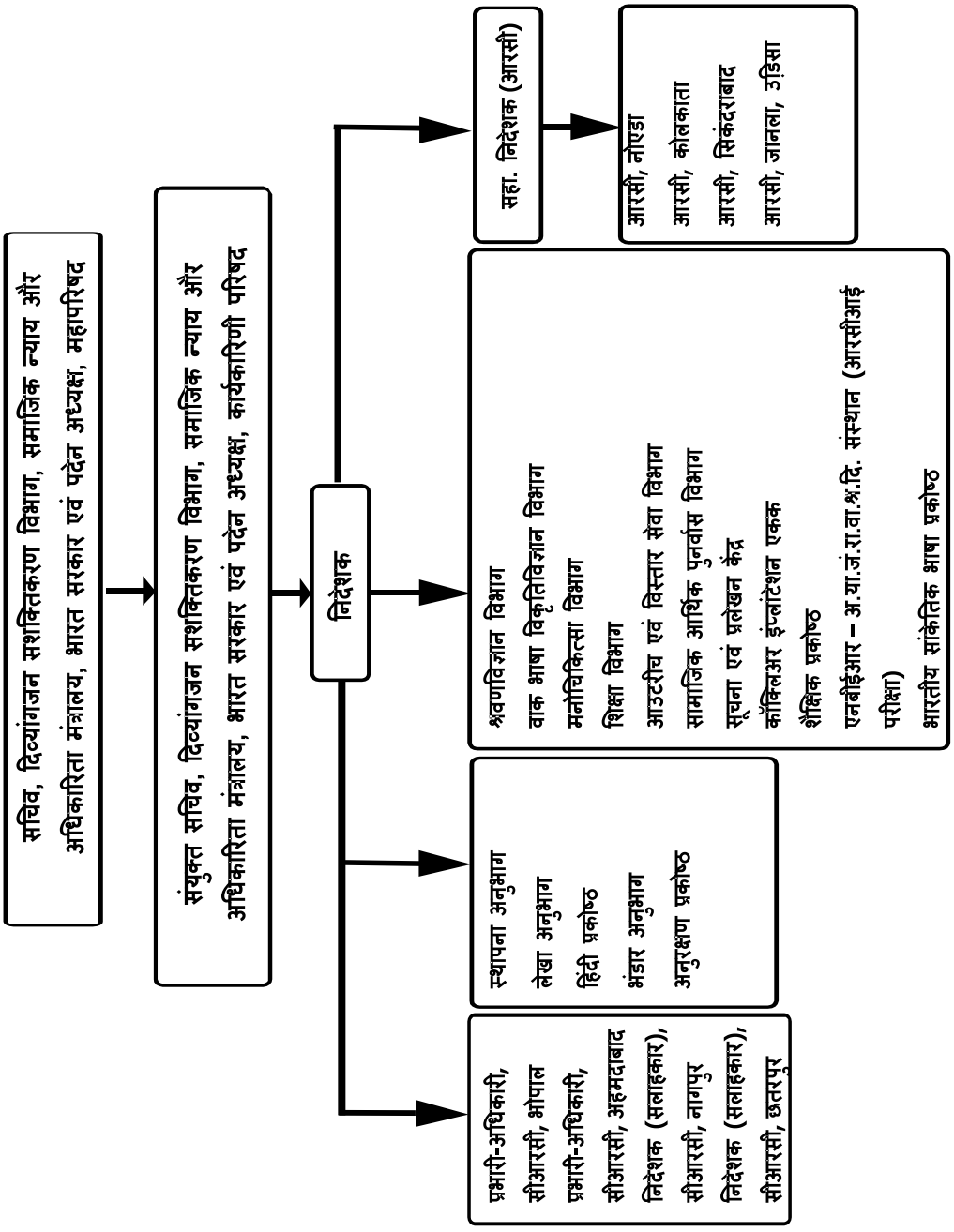

3. संस्थान, इसके केंद्र और गतिविधियां

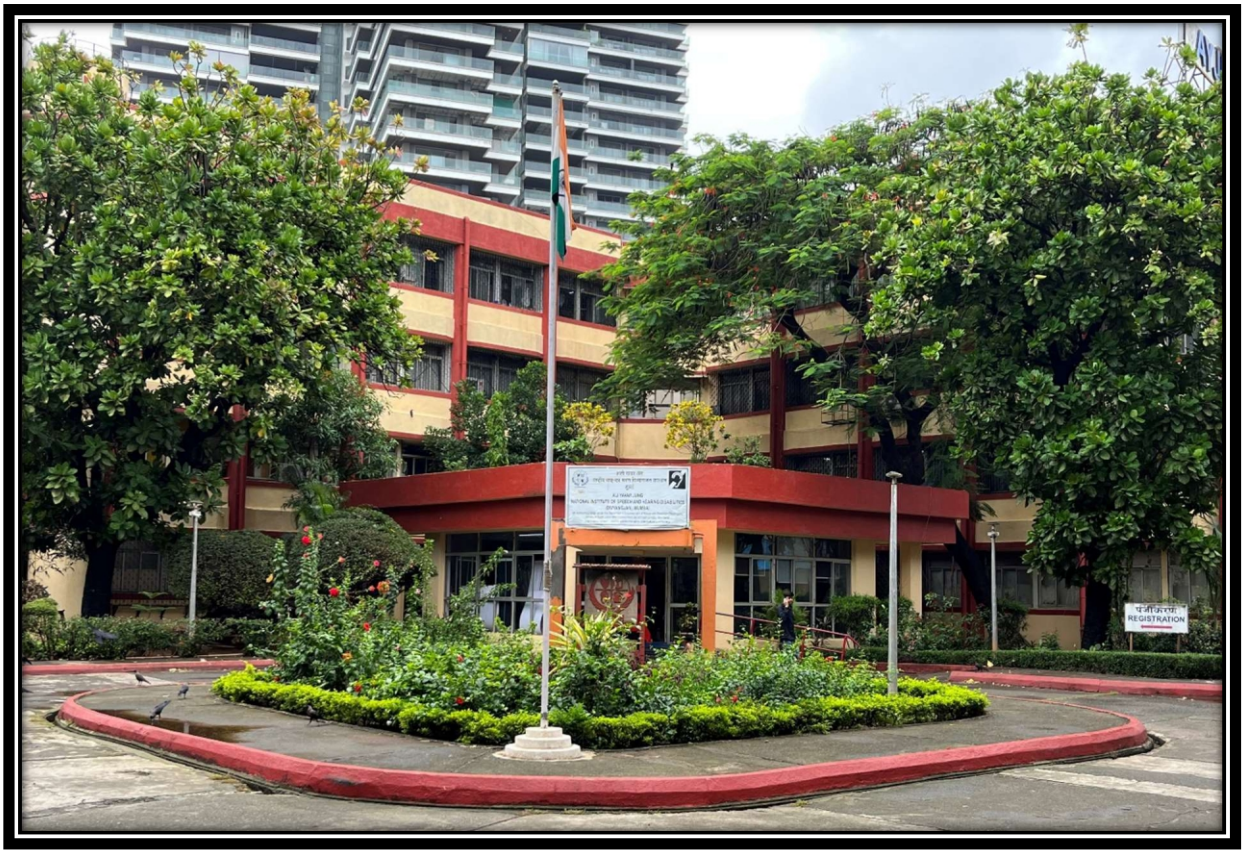

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 (अधिनियम XXX 1860) के तहत पंजीकृत सोसाइटी है। संस्थान की स्थापना 9 अगस्त, 1983 को की गई। यह दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है। यह संस्थान के. सी. मार्ग, बांद्रा रेक्लमेशन, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई- 400050 में 19324 वर्ग मी. और प्लिंथ एरिया 6624 वर्ग मी. के भूक्षेत्र पर स्थित है।

3.1 मिशन

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान के संगठन ज्ञापन के अनुसार इसके लक्ष्य एवं उद्देश्य निम्नलिखित है:

- श्रवण दिव्यांगजनों की शिक्षा एवं पुनर्वास से जुड़े सभी पहलुओं पर अनुदानित अनुसंधान, प्रायोजन, समन्वय एवं इनके लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना।

- सहायक साधन-सामग्री के प्रभावी मूल्यांकन अथवा उपयुक्त शल्य या चिकित्सा विधि अथवा नई साधन-सामग्री के विकास हेतु जैव-चिकित्सा अभियांत्रिकी में शोध कार्य का आयोजन, प्रायोजन, समन्वय एवं आर्थिक सहायता प्रदान करना।
- श्रवण दिव्यांगजनों की शिक्षा, प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के उन्नयन के लिए प्रशिक्षणार्थी, शिक्षक, रोज़गार अधिकारी, मनोवैज्ञानिक, व्यावसायिक सलाहकार एवं ऐसे अन्य कर्मचारियों के लिए जिन्हें संस्थान आवश्यक समझता है, उनके प्रशिक्षण का आयोजन एवं प्रायोजन करना।
- श्रवण दिव्यांगजनों की शिक्षा, पुनर्वास एवं चिकित्सा के किसी भी पहलू से संबंधित किसी या सभी तरह की साधन-सामग्री के प्रारूप का विकास एवं उनका उन्नयन, वितरण एवं आर्थिक सहायता प्रदान करना।

3.2 लक्ष्य क्षेत्र

संस्थान के मिशन को साकार करने के लिए, निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों में गतिविधियाँ शुरू की गई हैं:

i. मानव संसाधन विकास
ii. अनुसंधान
iii. नैदानिक और चिकित्सीय सेवाएं
iv. आउटरीच एवं विस्तार सेवाएं
v. सामाजिक एवं आर्थिक पुनर्वास सेवाएं
vi. सामग्री विकास
vii. सूचनाओं का संकलन, प्रलेखन एवं प्रसारण

संस्थान का नेतृत्व डॉ. राजू आराख, निदेशक (स्थानापन्न) कर रहें हैं और संस्थान की गतिविधियों को आरंभ और निष्पादित करने के लिए निम्नलिखित विभाग प्रमुखों/वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है:

1.	श्रवणविज्ञान विभाग	-	डॉ. राजीव जलवी, रीडर
2.	वाक् भाषा विकृतिविज्ञान विभाग	-	डॉ. साधना रेलेकर, व्याख्याता (31.5.2023 तक), डॉ रवली माथूर, व्याख्याता (1.6.2023 से 7.3.2024 तक), डॉ. सुमन कुमार, रीडर (8.3.2024 से आगे)
3.	नैदानिक मनोविज्ञान विभाग	-	डॉ. सूनि मैथ्यू, व्याख्याता (7.3.2024 तक), डॉ गायत्री आहूजा, रीडर (8.3.2024 से आगे)
4.	शिक्षा विभाग	-	डॉ. सूनि मैथ्यू, व्याख्याता (7.3.2024 तक), डॉ. गायत्री आहूजा, रीडर (8.3.2024 से आगे)
5.	आउटरीच एवं विस्तार सेवा विभाग	-	डॉ. राजू आराख, निदेशक (स्था.) (14.3.2024 तक), सुश्री छांदसी अनारसे, ईएसओ (15.3.2024 से आगे)

6.	सामाजिक आर्थिक पुनर्वास विभाग	-	श्री नवनाथ जगदाले, व्यवसायिक सलाहकार
7.	सूचना एवं प्रलेखन केंद्र	-	श्री बी. गौड़ा, पुस्तकालयाध्यक्ष (12.4.2024 तक), डॉ. मैथ्यू मार्टिन पी.जे. ईएसए (एमएम) (13.4.2023 से 78.3.2024 तक), श्री जय थोराट, आईडीओ (8.3.2024 से आगे)
8.	एडिप सीआई (पुनर्वास पश्चात) प्रकोष्ठ	-	डॉ. रवली माथुर, व्याख्याता
9.	दिव्यांगताओं की शीघ्र पहचान सह हस्तक्षेप केंद्र और प्रिपेटरी स्कूल	-	डॉ. सूनि मैथ्यू, व्याख्याता
10.	शैक्षिक प्रकोष्ठ	-	डॉ. राजीव जलवी, रीडर/विभागाध्यक्ष, श्रवणविज्ञान
11.	लेखा अनुभाग	-	श्री सत्यभानू थूम्बा, प्रभारी लेखा अधिकारी
12.	हिंदी प्रकोष्ठ	-	श्री दीपक भगत, हिंदी अधिकारी
14.	भंडार अनुभाग	-	श्री सत्यभानू थूम्बा, प्रभारी लेखा अधिकारी
15.	अनुरक्षण प्रकोष्ठ	-	श्री हर्षवर्धन मालवदे, कनि. अभियंता

3.3 क्षेत्रीय केंद्र और समेकित क्षेत्रीय केंद्र

कौशल विकास, पुनर्वास और दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु संस्थान के चार क्षेत्रीय केंद्र और चार समेकित क्षेत्रीय केंद्र निम्नलिखित है:-

1. क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता की स्थापना, 1984 में की गई। यह केंद्र, स्वयं के भवन में एनआईएलडी परिसर, बी.टी. रोड, बोन हुगली, कोलकाता-700090 में स्थित है ।
2. क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा की स्थापना 1986 में की गई। यह केंद्र एनआइईपीआइडी भवन, प्लॉट क्र. 44-ए, ब्लॉक-सी, सेक्टर 40, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा-201301 में स्थित है ।
3. क्षेत्रीय केंद्र, सिकंदराबाद की स्थापना 1986 में की गई। यह केंद्र एनआइईपीआइडी कैम्पस के निकट स्वयं के भवन में मनोविकास नगर, बोवनपल्ली, सिकंदराबाद-500009 में स्थित है ।
4. क्षेत्रीय केंद्र, जानला की स्थापना 1986 में उड़ीसा सरकार के सहयोग से की गई। यह केंद्र स्वयं के भवन में जानला, जिला-खोरधा, उडीसा-752054 में स्थित है ।
5. समेकित क्षेत्रीय केंद्र, सीआरसी-भोपाल दिव्यांगजनों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण हेतु सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एवं सर्विस मॉडल है। इसकी स्थापना 14 अगस्त, 2000 में की गई थी। यह केंद्र अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई के प्रशासनिक नियंत्रण में फरवरी, 2006 से कार्यरत्त है। यह केंद्र स्वयं के भवन में पुनर्वास भवन, खजुरी कलां मार्ग, पोस्ट, पिपलानी, भोपाल-462021 में स्थित है।
6. समेकित क्षेत्रीय केंद्र, सीआरसी-अहमदाबाद दिव्यांगजनों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण हेतु 16 अगस्त, 2011 में आरंभ किया गया था और यह सीआरसी भी अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत्त है। यह केंद्र गुजरात सरकार द्वारा आबंटित भवन, भिक्षुक गृह परिसर, जी.आइ.डी.सी. ओधव, अहमदाबाद-382415 में स्थित है।

7. समेकित क्षेत्रीय केंद्र, सीआरसी-नागपुर दिव्यांगजनों के कौशल विकास, पुनर्वास और अधिकारिता हेतु 13 अक्टूबर, 2015 में आरंभ किया गया था और दिनांक 1 मई, 2020 से यह सीआरसी भी अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत्त है। यह केंद्र क्रिडा प्रबोधिनी हॉल, यशवंत स्टेडियम, धंतोली, नागपुर-440012 में स्थित है।
8. समेकित क्षेत्रीय केंद्र, सीआरसी-छतरपुर दिव्यांगजनों के कौशल विकास, पुनर्वास और अधिकारिता हेतु 8 अप्रैल, 2023 में आरंभ किया गया था। यह सीआरसी भी अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत्त है। यह केंद्र पुराना तहसील भवन, महल गेट, छतरपुर-471001 में स्थित है।

निम्नलिखित पदाधिकारी इन केंद्रों के प्रमुख है:

1. क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता - श्री नागेश्वर राव, विस्तार सेवा अधिकारी (विशेष शिक्षा)/प्रभारी सहा. निदेशक
2. क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा - श्री सुमन कुमार, व्याख्याता/प्रभारी सहा. निदेशक (24/4/2023 तक), श्री शिशिर कुमार यादव, व्याख्याता/प्रभारी सहा. निदेशक (25/4/2023 से आगे)
3. क्षेत्रीय केंद्र, सिकंदराबाद - श्री बी. श्रीनिवासा राव, व्याख्याता/प्रभारी सहा. निदेशक
4. क्षेत्रीय केंद्र, जानला, उड़ीसा - श्री लानू वानबाय अेइमोल, व्याख्याता/प्रभारी सहा. निदेशक
5. सीआरसी, भोपाल - डॉ. गणेश अरुण जोशी, सहा. प्रोफेसर, (पीएमआर/एमई) एवं प्रभारी अधिकारी (17/11/2023 तक) और डॉ. आई.बी. कुमार, सहा. प्रो. (नैदानिक मनोविज्ञान) एवं प्रभारी अधिकारी (18/11/2023 से आगे)
6. सीआरसी, अहमदाबाद - डॉ. अजीत कुमार, सहा प्रोफेसर (विशेष शिक्षा) एवं प्रभारी अधिकारी
7. सीआरसी, नागपुर - श्री प्रफुल्ल शिंदे, निदेशक (सलाहकार)
8. सीआरसी, छतरपुर - डॉ. राजमणि पाल, निदेशक (सलाहकार)

4. परस्पर संबंधित स्वास्थ्य संकट: मधुमेह, श्रवण ह्रास और एकीकृत देखभाल की आवश्यकता

मधुमेह दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली सबसे बड़ी वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। हाल ही में, भारत इस ख़तरनाक बीमारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ है और दुनिया में मधुमेह के मामलों में दूसरा सबसे बड़ी संख्या वाला देश बन गया है। किसी भी अन्य बीमारी की तरह, मधुमेह भी एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय है और उदाहरण के लिए भारत में, अनुमानित 77 मिलियन वयस्क टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित हैं और अन्य 25 मिलियन प्री-डायबिटिक हैं (डब्ल्यूएचओ, 2024)। आईसीएमआर द्वारा कमीशन की गई 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की लगभग 11% आबादी मधुमेह से पीड़ित है, जिसमें से शहरों में 16.4% और गांवों में 8.9% शामिल हैं। शहरी आबादी का 15.4% और ग्रामीण आबादी का 15.2% प्री-डायबिटिक है। वर्ष 2021 के दौरान, 74 मिलियन से अधिक भारतीय मधुमेह से पीड़ित थे और 2045 में यह संख्या बढ़कर 124 मिलियन से अधिक हो जाने की उम्मीद जताई जा रही है। भारत में सभी प्रकार की मधुमेह में टाइप 2 मधुमेह का योगदान 90% से अधिक है। यह स्थिति तब होती है जब अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं करता है, या जब शरीर उत्पादित इंसुलिन का उपयोग करने में असमर्थ होता है, जिससे रक्त में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है। अनियंत्रित मधुमेह का प्रभाव अंततः विनाशकारी होता है क्योंकि अधिकांश महत्वपूर्ण अंग, शरीर का चयापचय प्रभावित होता है जिससे पूरे शरीर की प्रणाली को अंतिम नुकसान होता है। ज्ञात मधुमेह रोगियों में से आधे से अधिक लोग यह नहीं जानते कि वे मधुमेह से पीड़ित हैं। हालाँकि, यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा करता है जिन्हें अगर समय रहते पता चल जाता और इलाज किया जाता तो टाला जा सकता था (डब्ल्यूएचओ, 2024)।

अंजना एट अल. (2017) ने भारतीय वयस्कों के एक नमूने में मधुमेह और मधुमेह के शुरूआती लक्षणों का आकलन किया और अध्ययन में पाया गया कि नमूनों के अनुसार 11.8% लोगों में मधुमेह पाया गया, जबकि मानकीकृत मानदंडों के अनुसार 15.6% आबादी में मधुमेह के शुरूआती लक्षण पाए गए जिनके मुख्य कारण वृद्धावस्था, मोटापा और शारीरिक गतिविधि की कमी थे। ये परिणाम प्राधिकरणों की ओर से कार्रवाई की मांग करते हैं और भारत में मधुमेह की रोकथाम और इसके प्रबंधन की आवश्यकता पर बल देते हैं। यह स्पष्ट है कि मधुमेह के कारण अस्थमा का प्रभाव बढ़ता है जो कम रक्त प्रवाह और मधुमेह के उच्च स्तर के कारण दिल के दौरे और स्ट्रोक जैसी हृदय संबंधी घटनाओं के जोखिम को बढ़ाता है। एक चरम स्थिति जिसे न्यूरोपैथी के रूप में जाना जाता है, आमतौर पर पैरों में नसों को खराब कर देती है जिससे अल्सर और संक्रमण की संभावना अधिक हो जाती है जिससे अंग विच्छेदन भी हो सकता है। इसके अलावा, मधुमेह को डायबिटिक रेटिनोपैथी के माध्यम से दृष्टि खो देने के अंतर्निहित कारणों में से एक माना जाता है, जो रेटिना में छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। इससे आगे चलकर अंतिम चरण की गुर्दे की बीमारी (ईएसआरडी) की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे उपरोक्त गंभीर बीमारियों को रोकने के लिए शीघ्र पहचान और उचित उपचार की आवश्यकता पर बल दिया जाना चाहिए।

टाइप 2 मधुमेह के संदर्भ में श्रवण हानि एक ऐसा क्षेत्र है जिसे काफी हद तक कम आंका गया है। पिछले शोधों से पता चला है कि टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में परिधीय संवहनी रोग या तंत्रिका क्षति के कारण श्रवण हानि की अधिक घटना हो सकती है। दुर्भाग्यपूर्ण, संचार क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और उनके जीवन की गुणवत्ता कम हो जाती है। डेटा विश्लेषण से पता चलता है कि श्रवण हानि के उच्च स्तर हैं। टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में 68.2%, जिनमें से 70.4% पर विचार किया जाता है जबकि शेष का मूल्यांकन पहले से रिपोर्ट किए गए परिणामों के आधार पर किया जाता है। 152 रोगियों में से, बैरेटो एट अल ने पाया कि संवेदी तंत्रिका श्रवण हानि (एसएनएचएल) पुरुषों की तुलना में महिलाओं (74.7%) में काफी अधिक थी। अधिकांश रोगी हल्के एसएनएचएल से पीड़ित थे। आश्चर्यजनक रूप से, यहां तक कि मधुमेह के रोगियों में भी जिन्होंने कहा कि उन्हें सुनने की कोई समस्या नहीं है, 25% में अभी भी हल्के एसएनएचएल का पाया गया, जिसका अर्थ है कि उन व्यक्तियों को यह एहसास ही नहीं हो रहा है कि वे अपनी सुनने की क्षमता खो रहे हैं। ऐसी गैर-लक्षणात्मक अवस्थाओं में और रोगनिरोधी उद्देश्यों हेतु मधुमेह के रोगियों के लिए श्रवण परीक्षण की आवश्यकता को उजागर करता है (मिश्रा एट अल, 2024)। मधुमेह मेलिटस अन्य स्वास्थ्य स्थितियों की प्रगति या विकास में भी शामिल है, लेकिन आंतरिक कान में अभिव्यक्तियों, श्रवण हानि (एचएल), टिनिटस, वर्टिगो और मधुमेह के बीच पैथोफिज़ियोलॉजिकल संबंध अभी भी अस्पष्ट हैं। 240 मधुमेह रोगियों के एक अध्ययन में, कान से संबंधित समस्याएं निर्धारित की गईं: 148 (उनमें से 61.67%) रोगियों में एचएल, 70 (उनमें से 29.17%) रोगियों में टिनिटस और 17 (उनमें से 70.8%) रोगियों में वर्टिगिनस इको की समस्याए विद्यामान थी (पधी, 2014)।

मधुमेह के मरीजों ने मुख्य रूप से चक्कर आने का कारण न्यूरोपैथी को बताया और साथ ही यह भी कहा कि परिधीय न्यूरोपैथी का संबंध गिरने के बढ़ते जोखिम से है। अग्रवाल (2024) द्वारा इंगित की गई उच्च आवृत्ति वाले वेस्टिबुलर डिसफंक्शन इस बात पर जोर देती है कि चिकित्सकों को संतुलन की समस्याओं के संदर्भ में वेस्टिबुलर और न्यूरोजेनिक पहलुओं का मूल्यांकन करना चाहिए। यह निस्संदेह है कि डायबिटीज और वेस्टिबुलर फंक्शन के बीच संबंध, साथ ही गिरने के जोखिम, बहुआयामी हैं। डायबिटीज से उत्पन्न विभिन्न समस्याओं में, न्यूरोपैथी सबसे संवेदनशील या तार्किक मानी जा सकती है, जो पैरों की संवेदनाओं को प्रभावित करती है और इसके परिणामस्वरूप समन्वय में कमी आती है। डायबिटीज में रेटिनोपैथी जैसी स्थितियां भी दृष्टि को नुकसान पहुँचाती हैं, जो कि स्थिति प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। वेस्टिबुलर डिसफंक्शन जैसी जटिलताएं, जहां आंतरिक कान के भागों जिनका व्यक्ति की ओरिएंटेशन और संतुलन में महत्वपूर्ण योगदान होता है, और अधिक समस्याएं उत्पन्न करती हैं। मधुमेह के प्रभावों के साथ जैसे कि पॉलीफार्मेसी के दवाओं के दुष्प्रभावों के संयोजन में, जब गिरना लगभग अपरिहार्य हो जाता है, तो डायबिटीज में गिरने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। ऐसे गतिशील इंटरैक्शन यह दर्शाते हैं कि मधुमेह के मरीजों के कार्यात्मक गतिशीलता को ध्यान में रखते हुए गिरने की घटनाओं को कम करने के लिए रणनीतियों की आवश्यकता है। हालांकि, इसके बावजूद, टाइप 2 मधुमहे मेलिटस के मरीजों में गिरने की घटनाएं अभी भी सामान्य हैं।

टाइप 2 मधुमेह वाले लोगों में गिरने का जोखिम उनकी स्थिति के एक जटिलता के रूप में अधिक होता है, लेकिन अक्सर, डायबिटीज से संबंधित बीमारियां इन गिरने की घटनाओं में मुख्य रूप से योगदान देती हैं, साथ ही उनके जांच संबंधी विवरण भी। डायबिटिक न्यूरोपैथिक परिवर्तन के कारण प्रॉप्रीओसेप्शन (शरीर की

स्थिति की जागरूकता) ही वह कारण है जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों में गिरने की घटनाएं होती हैं। यह वही तत्व है जो जागरूकता बढ़ाता है ताकि स्वास्थ्यकर्मी प्रतिक्रिया दे सकें, न कि केवल लागत पर विचार करें।

बीमारी के लिए प्रोफिलैक्सिस उपायों को अपनाना आवश्यक है, खासकर अब-जब मधुमेह की जांच को इस बढ़ती महामारी और स्वास्थ्य खतरे से निपटने में महत्वपूर्ण माना गया है, जिससे इसकी जटिलताओं की घटनाओं को कम किया जा सके। इसके परिणामस्वरूप, विशेष रूप से मधुमेह वाले लोगों के बीच नियमित श्रवण परीक्षणों को करने की आवश्यकता पर भी जोर देना चाहिए, जो प्रबंधन और बाद के उपचार में सहायता कर सकते हैं। इसमें मधुमेह के मरीजों की नियमित देखभाल भी शामिल होनी चाहिए, जिसमें वेस्टिबुलर थेरापी और मूल्यांकन शामिल हो, ताकि इन गंभीर जटिलताओं को कम किया जा सके। मधुमेह के प्रबंधन के भीतर श्रवण देखभाल का समन्वय करना इन मरीजों के लिए उपचार को काफी सुधार सकता है।

5. मानव संसाधन विकास

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई और इसके क्षेत्रीय केंद्रों जैसे कोलकाता, सिकंदराबाद, नोएडा और जनला, उड़ीसा, दिव्यांगजनों हेतु पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन विकसित करने के लिए डॉक्टोरल, स्नातकोत्तर, स्नातक, अंडरग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट स्तर के पाठ्यक्रम संचालित करता है। दिव्यांगजन के पुनर्वास के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास कार्यक्रम भारत सरकार के पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली और/या विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रमों के विवरण नीचे दिए गए हैं। पाठ्यक्रम अनुसार छात्रों की संख्या का विवरण परिशिष्ट-I में दर्शाया गया है।

5.1. दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

1. पीएचडी पाठ्यक्रम: अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, को श्रवणविज्ञान एवं वाक् भाषा विकृतिविज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम संचालित करने के लिए महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठ, नाशिक द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त है। वर्तमान में इन विषयों में कुल 13 शोधार्थी पीएचडी कर रहे हैं, जिसमें 07 शोधार्थी विशेष शिक्षा और 06 शोधार्थी श्रवणविज्ञान और वाक् भाषा विकृतिविज्ञान के हैं।

2. विज्ञान स्नातकोत्तर (श्रवणविज्ञान): यह दो वर्ष का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठ, नाशिक से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 10 छात्रों ने दाखिला लिया है।

3. शिक्षा में स्नातकोत्तर- विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता): यह दो वर्ष अवधि का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, मुंबई विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 07 छात्रों ने दाखिला लिया है।

4. श्रवणविज्ञान एवं वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान स्नातक: यह चार वर्ष अवधि का सनातक स्तरीय पाठ्यक्रम महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठ, नाशिक से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 40 छात्रों ने दाखिला लिया है।

5. शिक्षा स्नातक- विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता): यह दो वर्ष अवधि का स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम मुंबई विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान इस पाठ्यक्रम में 08 छात्रों ने दाखिला लिया है।

6. सांकेतिक भाषा दुभाषिया डिप्लोमा पाठ्यक्रम: यह दो वर्ष अवधि का पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई), नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 05 छात्रों ने दाखिला लिया है।

7. कंप्यूटर सॉफ्टवेयर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (केवल श्रवण दिव्यांगजनों के लिए): यह दो वर्ष अवधि का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम महाराष्ट्र राज्य व्यावसायिक शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड, मुंबई से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान इस पाठ्यक्रम में 10 छात्रों ने दाखिला लिया है।

8. ऑडिटरी वर्बल थेरपी स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम: यह एक वर्ष अवधि का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम मुंबई विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में किसी भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया है।

9. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआइओएस) पाठ्यक्रम: अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, को दिव्यांगजनों की शिक्षा के लिए विशेष प्राधिकृत संस्थान (एसएआइईडी) केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है और ऐसे श्रवण दिव्यांगजन छात्रों को निरंतर शिक्षा प्रदान करता है जो या तो मुख्यधारा से वंचित हैं या विशेष स्कूल बीच में ही छोड़ दी है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 143 छात्रों ने एनआइओएस की माध्यमिक शिक्षा में दाखिला लिया और 49 छात्र एनआइओएस माध्यमिक शिक्षा में उत्तीर्ण हुए।

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

1. विज्ञान स्नातकोत्तर (वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान) पाठ्यक्रम : यह दो वर्ष अवधि का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 15 छात्रों ने दाखिला लिया है।

2. शिक्षा स्नातक- विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता) पाठ्यक्रम: यह दो वर्ष अवधि का स्नातक पाठ्यक्रम पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, कोलकाता से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 17 छात्रों ने दाखिला लिया है।

3. शिक्षा स्नातक- विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता-दूरस्थ मोड) पाठ्यक्रम: यह दो वर्ष अवधि का स्नातक पाठ्यक्रम नेताजी मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 50 छात्रों ने दाखिला लिया है।

4. श्रवणविज्ञान एवं वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान स्नातक पाठ्यक्रम: यह चार वर्ष अवधि का पूर्व-स्नातक पाठ्यक्रम पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकात से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 32 छात्रों ने दाखिला लिया है।

5. शिक्षा डिप्लोमा (विशेष शिक्षा- श्रवण बाधिता): यह दो वर्ष अवधि का पाठ्यक्रम आरसीआई, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 11 छात्रों ने दाखिला लिया है।

6. भारतीय सांकेतिक भाषा दुभाषिया डिप्लोमा पाठ्यक्रम: यह दो वर्ष अवधि का पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 02 छात्रों ने दाखिला लिया है।

7. कंप्यूटर एप्लिकेशन डिप्लोमा पाठ्यक्रम: श्रवण दिव्यांगजनों के लिए यह एक वर्ष अवधि का डिप्लोमा पाठ्यक्रम डब्ल्यूबीइएल इनफोरमेटिक्स लिमिटेड से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान इस पाठ्यक्रम में 20 छात्रों ने दाखिला लिया है।

क्षेत्रीय केंद्र, सिकंदराबाद द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

1. विज्ञान स्नातकोत्तर (श्रवणविज्ञान) पाठ्यक्रम: यह दो वर्ष का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उस्मानिया विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 13 छात्रों ने दाखिला लिया है।

2. श्रवणविज्ञान एवं वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान स्नातक पाठ्यक्रम: यह चार वर्ष अवधि का स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम उस्मानिया विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 32 छात्रों ने दाखिला लिया है।

3. शिक्षा स्नातक- विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता): यह दो वर्ष अवधि का स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम उस्मानिया विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान इस पाठ्यक्रम में 17 छात्रों ने दाखिला लिया है।

4. शिक्षा डिप्लोमा- विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता): यह दो वर्ष अवधि का पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान इस पाठ्यक्रम में 09 छात्र ने दाखिला लिया।

क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

1. श्रवणविज्ञान एवं वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान स्नातक पाठ्यक्रम: यह चार वर्ष अवधि का स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम जी.जी. इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष में इस पाठ्यक्रम में 22 छात्रों ने दाखिला लिया है।

2. शिक्षा डिप्लोमा- विशषे शिक्षा (श्रवण बाधिता) पाठ्यक्रम: यह दो वर्ष अवधि का पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई), नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान इस पाठ्यक्रम में 38 छात्रों ने दाखिला लिया है।

3. श्रवण दिव्यांगजनों के लिए कंप्यूटर एप्लिकेशन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम: यह एक वर्ष अवधि का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान इस पाठ्यक्रम में 02 छात्रों ने दाखिला लिया है।

क्षेत्रीय केंद्र, जानला (उड़ीसा) द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

1. शिक्षा स्नातक- विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता) पाठ्यक्रम: यह दो वर्ष अवधि का स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम उत्कल विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान इस पाठ्यक्रम में 19 छात्रों ने दाखिला लिया है।

2. शिक्षा डिप्लोमा- विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता) पाठ्यक्रम: यह दो वर्ष अवधि का स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई), नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान इस पाठ्यक्रम में 32 छात्रों ने दाखिला लिया है।

3. श्रवण, वाक् एवं भाषा डिप्लोमा पाठ्यक्रम: यह एक वर्ष अवधि का पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई), नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान इस पाठ्यक्रम में 16 छात्रों ने दाखिला लिया है।

5.2. अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम/वेबिनार

दीर्घावधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के अलावा संस्थान द्वारा दिव्यांगता पुनर्वास के क्षेत्र में कार्यरत्त पेशेवरों, शैक्षिक कार्मिकों, श्रवण दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों, मीडिया पेशेवरों, सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों आदि के लिए भी अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान विभिन्न लक्ष्य समूहों के लिए संस्थान तथा इसके क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा कुल 110 अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम/वेबिनार आयोजित किए गए जिसमें 7283 लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया जबकि वर्ष 2022-23 में आयोजित 101 कार्यक्रमों में 10938 लाभार्थी थे।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान आयोजित अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों से संबंधी विवरण परिशिष्ट-II में दर्शाया गया है।

6. अनुसंधान और प्रकाशन

सेवा मॉड्यूल और नैदानिक परीक्षण विकसित करके पुनर्वास सेवाओं की गुणवत्त बढ़ाने के लक्ष्य के साथ अनुसंधान परियोजनाएं तैयार की गई हैं जिन्हें अन्य संगठनों द्वारा अपनाया या दोहराया जा सकता है।

संस्थान के उपनियमों के अनुसार, शैक्षिक समिति की स्थापना की जाती है और इसके सदस्यों को कार्यकारी परिषद द्वारा विधिवत मंजूरी दी जाती है। शैक्षिक समिति पूर्ण परियोजना रिपोर्टों के मूल्यांकन सहित संस्थान की सभी परियोजनाओं और शैक्षिणक पहलों की समीक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

6.1 जारी परियोजनाएं

i) वयस्कों के लिए अप्रैक्सिया बैटरी का अनुकूलन

प्रधान अन्वेषक	-	डॉ गौरी शंकर पाटिल
परियोजना की अवधि	-	12 माह
संस्वीकृति की तिथि	-	1 फरवरी, 2021
बजटीए प्रावधान	-	₹ 4,55,000/-

परियोजना का उद्देश्य- मस्तिष्क क्षति वाले हिंदी और तेलुगू भाषा भाषियों में वाक् अप्राक्सिया का निदान हेतु उपकरण विकसित करना और विकसित उपकरण का उपयोग करके वाक् अप्राक्सिया की गंभीरता का निर्धारण करना।

परियोजना की प्रगति - साहित्य की समीक्षा पूरी हो चुकी है। हिंदी में डेटा संग्रह का कार्य जारी है। तेलुगु टूल का सत्यापन किया जा रहा है।

iii) अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान के छात्रों की प्रोफाइलिंग

प्रधान अन्वेषक	-	डॉ राजीव जल्वी
सह-अन्वेषक	-	डॉ राजू आराख
		डॉ गायत्री आहूजा
परियोजना की अवधि	-	6 माह
संस्वीकृति की तिथि	-	2022
बजटीए प्रावधान	-	₹ 25,000/-

परियोजना का उद्देश्य– (1) अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान के पिछले पांच शैक्षणिक वर्षों (2015-2020) में उत्तीर्ण पुनर्वास पेशेवरों के जीवनी विवरण को प्रोफाइल करना, (2) पिछले पांच शैक्षणिक वर्षों में उत्तीर्ण पुनर्वास पेशेवरों की रोजगार स्थिति को प्रोफाइल करना (2015-2020) और (3) पुनर्वास पेशेवरों द्वारा की जा रही व्यावसायिक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करना।

परियोजना की प्रगति - : 90% कार्य पूर्ण हो चुका है। अंतिम सूची तैयार की जा रही है।

iii) दाएं ओर के गोलार्ध विकारों के लिए बांग्ला में संचार भाषाई मूल्यांकन प्रोटोकॉल का विकास

प्रधान अन्वेषक	-	डॉ सुमन कुमार
सह-अन्वेषक	-	श्रीमती पियाली कुंडू
परियोजना की अवधि	-	1 वर्ष
संस्वीकृति की तिथि	-	6 फरवरी, 2023
बजटीए प्रावधान	-	₹ 6,27,000/-

परियोजना के उद्देश्य - (1) भाषा विकारों की समस्याओं के लिए दाएं ओर के गोलार्ध क्षतिग्रस्त ग्राहकों का आकलन करने के लिए एक परीक्षण बैटरी तैयार करना और ii) यह देखना कि उनका प्रदर्शन सामान्य नियंत्रण विषयों के प्रदर्शन से कैसे भिन्न होता है।

परियोजना की प्रगति: परियोजना सहायक ने अगस्त, 2023 में कार्यभार संभाला। चरण I पूरा हुआ: बांग्ला में दाएं ओर के गोलार्ध में विकार वाले ग्राहकों के आकलन के लिए परीक्षण बैटरी विकसित की गई। परीक्षण बैटरी की सामग्री वैधता और परिचितता रेटिंग तीन भाषाविदों और तीन एसएलपी द्वारा पूरी की गई। खरीदे गए उपकरण: लैपटॉप, प्रिंटर, परीक्षण सामग्री के लिए स्पायरिल बाइंडिंग मशीन। 80 मानकों सहित परीक्षण बैटरी का चरण II पूरा हो गया। पुनर्वास पेशेवरों के जीवनी संबंधी विवरणों को प्रोफाइल करने के लिए परीक्षण बैटरी के सत्यापन की प्रक्रिया के तहत चरण III जारी है।

iv) आईसीएफ का उपयोग करने वाले वयस्कों और कटे होंठ या तालु वाले रोगियों में समग्र प्रभाव आकलन उपकरण।

प्रधान अन्वेषक	-	डॉ सुजॉय कुमार माकर
सह-अन्वेषक	-	श्रीमती पामेला एस. सरदार श्रीमती मीता सरकार
परियोजना की अवधि	-	1 वर्ष
संस्वीकृति की तिथि	-	फरवरी, 2023
बजटीए प्रावधान	-	₹ 2,50,000/-

परियोजना के उद्देश्य - (1) कटे होंठ या तालु वाले रोगियों के लिए एक समग्र मूल्यांकन उपकरण विकसित करना।

परियोजना की प्रगति: अ.या.जं.रा.वा.श्र. दि. संस्थान, आरसी, कोलकाता के श्रवण विज्ञान और वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान विभाग से 150 रोगियों का डेटा एकत्र किया गया है। डेटा संग्रह से पहले उनसे लिखित सहमति प्राप्त की गई। सांख्यिकीय विश्लेषण पूरा हो चुका है और परियोजना को पूर्ण करने के क्रम में अंतिम तकनीकी रिपोर्ट की तैयारी जारी है।

6.2 पूर्ण की गई परियोजनाएं

i) बहु-मॉडल संचार दृष्टिकोण का उपयोग करके पर्यावरण विज्ञान में बुनियादी अवधारणाओं पर सुलभ ई-सामग्री का विकास

प्रधान अन्वेषक	-	डॉ गायत्री आहूजा
सह-अन्वेषक	-	डॉ मैथ्यू मार्टिन
परियोजना की अवधि	-	13 माह
संस्वीकृति की तिथि	-	जुलाई, 2022
बजटीए प्रावधान	-	₹ 9,00,000/-

परियोजना के उद्देश्य- परियोजना का उद्देश्य ई-लर्निंग सामग्री तैयार करना है जो सुलभ और शैक्षणिक दोनों रूप से उपयुक्त हो। इस सामग्री से श्रवण बाधित छात्रों में पर्यावरण संबंधी अवधारणाओं की समझ को बढ़ाने की अपेक्षा है, जिसमें मल्टीमॉडल संचार दृष्टिकोण का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

परियोजना का परिणाम- सुलभ प्रारूप में वीडियो को अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई के यूट्यूब चेनल पर अपलोड किया गया है।

ii) श्रवण बाधित बच्चों के पुनर्वास के लिए माता-पिता को सशक्त बनाने हेतु मॉड्यूल का विकास

प्रधान अन्वेषक	-	डॉ साधना रेलेकर
सह-अन्वेषक	-	डॉ अपर्णा नंदूरकर श्रीमती गौरी तेलंग
परियोजना की अवधि	-	12 माह
संस्वीकृति की तिथि	-	6 मार्च, 2020
बजटीए प्रावधान	-	₹ 1,30,000/-

परियोजना के उद्देश्य - माता-पिता के ज्ञानवर्धन हेतु एक मॉड्यूल विकसित करना - (ए) श्रवण ह्रास के प्रकार और डिग्री को समझने के लिए बुनियादी अवधारणाएं और उनके बच्चे के वाक् और भाषा विकास, शिक्षा, मनोसामाजिक विकास पर इसका प्रभाव। श्रवण ह्रास वाले अपने बच्चे के समग्र विकास में माता-पिता की भूमिका को समक्षना (बी) श्रवण यंत्र और प्रवर्धन में प्रगति (सी) पीडब्ल्यूएचआई के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाएं और सुविधाएं (डी) श्रवण-मौखिक चिकित्सा क्या है, श्रवण प्रशिक्षण तथा वाक् और भाषा विकास के लिए गतिविधियों की योजना कैसे बनाई जाए।

परियोजना का परिणाम– मॉड्यूल संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

6.3 शोध निबंध

प्रतिवर्ष श्रवण विज्ञान में एम.एस.सी., वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान (एसएलपी) में एम.एस.सी. और विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता) में एम.एड. करने वाले छात्र/छात्राएं अपने पाठ्यक्रम के अनिवार्य घटक के रूप में शोध भी शामिल हैं। वे श्रवण विज्ञान, वाक्-भाषा विकृति विज्ञान और विशेष शिक्षा के क्षेत्रों में शोध कार्य करते हैं। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा कुल 40 शोध प्रबंध प्रस्तुत किए गए और छात्रों और उनके संबंधित मार्गदर्शकों के नाम के साथ इनके शोध प्रबंधों के शीर्शक नीचे दिए गए है।

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई में एम.एससी. (श्रवण विज्ञान)

1. वेस्टिबुलर विकार वाले व्यक्तियों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता का आकलन - एक सर्वेक्षण
   छात्रा का नाम : सुश्री कुमारी सालगी हेम्ब्रम
   गाइड का नाम : डॉ राजीव जलवी

2. विभिन्न आयु समूहों के वयस्कों के लिए श्रवण प्रसंस्करण की स्क्रीनिंग चेकलिस्ट (एससीएपी-ए) का हिंदी और मराठी भाषा में अनुकूलन और सत्यापन
   छात्रा का नाम : सुश्री जान्हवी पवार
   गाइड का नाम : डॉ राजीव जलवी

3. स्वस्थ लोगों में मैसेटर-वेस्टिबुलर प्रेरित मायोजेनिक क्षमता में टोन बर्स्ट बनाम आवृत्ति विशिष्ट चिरप उत्तेजना की तुलना
   छात्र का नाम : श्री रियाज बाशा
   गाइड का नाम : डॉ राजीव जलवी

4. सक्रिय सैन्य आबादी के जीवन की गुणवत्ता पर शोर के कारण श्रवण ह्रास के प्रभाव - एक सर्वेक्षण
   छात्र का नाम : श्री आकाश चौहान
   गाइड का नाम : डॉ राजीव जलवी

5. गोवा में प्री-स्कूल और स्कूल शिक्षकों के बीच श्रवण और वाक् विकार और उनके प्रबंधन के बारे में जागरूकता
   छात्रा का नाम : सुश्री श्रुतिका पालकर
   गाइड का नाम : डॉ रवली माथूर

6. कॉक्लिअर इम्प्लांट की अवधि के आधार पर बच्चों में श्रवण प्रसंस्करण के परिणाम
   छात्रा का नाम : सुश्री स्वाती रॉय
   गाइड का नाम : डॉ रवली माथूर

7. चक्कर बाधा सूची (डीएचआई) का हिंदी में अनुवाद और सत्यापन
   छात्र का नाम : श्री सुशील राज महतो
   गाइड का नाम : डॉ रवली माथूर

8. बच्चों में श्रवण प्रदर्शन पर ओटिटिस मीडिया का प्रभाव

छात्रा का नाम : सुश्री स्वेछा ताम्रकर
गाइड का नाम : डॉ रवली माथूर

9. दैनिक जीवन में वेस्टिबुलर विकार गतिविधियों का मराठी भाषा में अनुवाद और सत्यापन

छात्र का नाम : श्री मनुराज भाटी
गाइड का नाम : डॉ रवली माथूर

10. भारतीय वयस्कों में श्रवण विलंबित प्रतिक्रिया: न्यूरोसॉफ्ट इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल उपकरण के लिए मानदंड

छात्र का नाम : सुश्री नेहा सिंह
गाइड का नाम : मो. शमीम अंसारी

11. मध्यम रूप से गंभीर श्रवण ह्रास वाले वयस्कों में व्यवहारिक और श्रवण स्थिर अवस्था मापी गई श्रवण सीमा की तुलना

छात्र का नाम : श्री वैभव पटेल
गाइड का नाम : मो. शमीम अंसारी

12. वयस्कों के लिए श्रवण दिव्यांग सूची-स्क्रीनिंग संस्करण (HHIA-S) का उड़िया भाषा में अनुवाद और सत्यापन

छात्रा का नाम : सुश्री एंजिल लाकरा
गाइड का नाम : मो. शमीम अंसारी

13. भारतीय वयस्कों में श्रवण मस्तिष्क स्टेम प्रतिक्रिया माप: एक्लिप्स संस्करण 1.5 और न्यूरोसॉफ्ट संस्करण 1.0.104.1 उपकरणों के मानदंडों की तुलना

छात्रा का नाम : सुश्री दीर्घा लावन्या
गाइड का नाम : मो. शमीम अंसारी

14. भारतीय वयस्कों में श्रवण मध्य विलंबता प्रतिक्रिया: न्यूरोसॉफ्ट इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल उपकरण के लिए मानदंड

छात्र का नाम : श्री अमय परब
गाइड का नाम : मो. शमीम अंसारी

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई में एम.एड. विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता)

15. सोशल नेटवर्किंग की लत और श्रवण बाधिता वाले या बिना श्रवण बाधिता वाले माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन

छात्रा का नाम : सुश्री मधुस्मिता महाकुंड
गाइड का नाम : डॉ सूनि मैथ्यू

16. श्रवण बाधिता वाले और बिना श्रवण बाधिता वाले कक्षा-2 के छात्रों में लेखन में आधारभूत कौशल की उपलब्धि

छात्रा का नाम : सुश्री के. सासमिता

गाइड का नाम : डॉ सूनि मैथ्यू

17. विशेष विद्यालयों में श्रवण बाधित बच्चों के आधारभूत स्तर के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे के कार्यान्वयन की तैयारी
    छात्र का नाम : श्री सीकन कुमार सामंतरी
    गाइड का नाम : डॉ राजू आराख

18. विशेष और मुख्यधारा कक्षाओं में शिक्षण-अधिगम के लिए डिजिटल शिक्षण प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में शिक्षकों की तैयारी
    छात्रा का नाम : सुश्री निधि रानी
    गाइड का नाम : डॉ गायत्री आहूजा

19. विशेष स्कूल में श्रवण बाधित बच्चों के एटियोलॉजी और ऑडियोलॉजिकल प्रोफाइल का सर्वेक्षण
    छात्र का नाम : श्री अभिषेक कुमार
    गाइड का नाम : मो. शमीम अंसारी

क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता में एम.एससी. (वाक्-भाषा विकृति विज्ञान)

20. लिंग पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान वाक् और आवाज के पहलुओं की तुलना के साथ बंगाली में ट्रांस महिला आवाज प्रश्नावली का ट्रांसएडेप्टेशन (टीडब्ल्यूवीक्यू-बी)
    छात्रा का नाम : सुश्री श्रेया सामंता
    गाइड का नाम : श्री इंद्रनील चैर्टजी

21. टिनिटस मास्किंग थेरेपी के संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान का अनुमान
    छात्र का नाम : श्री रोबिन सिंह
    गाइड का नाम : श्री इंद्रनील चैर्टजी

22. गायक के वोकोमेट्रिक प्रोफ़ाइल प्रश्नावली का विकास और मानकीकरण
    छात्रा का नाम : सुश्री प्राग्ना घोष
    गाइड का नाम : श्री इंद्रनील चैर्टजी

23. न्यूरोजेनिक ऑरोफरीन्जियल डिस्फेगिया के प्रबंधन के लिए इक्लेक्टिक डिस्फेगिया प्रबंधन कार्यक्रम का विकास: एक प्रारंभिक अध्ययन
    छात्रा का नाम : सुश्री निकिता चैर्टजी
    गाइड का नाम : श्री इंद्रनील चैर्टजी
    सह-गाइड का नाम : डॉ बिस्वरूप मुखर्जी

24. पूर्व विद्यालय भाषा पैमाने के हिंदी संस्करण का विकास
    छात्रा का नाम : सुश्री नेहा कुमारी
    गाइड का नाम : डॉ सुमन कुमार

25. सरवाइकल वेस्टिबुलर इवोक्ड मायोजेनिक पोटेंशिअल्स (सीवीईएमपी) के अंतर-आवृत्ति आयाम अनुपात (आईएफएआर) पर मधुमेह मेलेटस का प्रभाव
    छात्र का नाम : श्री मरूफ होसेन मॉलिक

गाइड का नाम : श्री इंद्रनील चैर्टजी
सह-गाइड का नाम : श्री पलाश दत्ता

26. प्री स्कूल भाषा पैमाने के बांग्ला संस्करण का विकास
छात्रा का नाम : सुश्री करीना अफरोज़
गाइड का नाम : डॉ सुमन कुमार

27. भारतीय महिलाओं पर भोजन के समय का कंठ ग्रसनी भाटा और आवाज पर प्रभाव
छात्रा का नाम : सुश्री कमोलिका सरकार
गाइड का नाम : डॉ सुमन कुमार

28. पश्चिमी वाचाघात बैटरी-उड़िया भाषा में संशोधित (डब्ल्यूएबी-आर)...
छात्र का नाम : श्री हरप्रसाद बेहूरा
गाइड का नाम : डॉ सुमन कुमार

29. खासी में वाक् बोध परीक्षण सामग्री का विकास और मानकीकरण (एसपीटीएम-के)
छात्रा का नाम : सुश्री ऐबामेमन डायमंड लैटम
गाइड का नाम : श्री इंद्रनील चैर्टजी

30. ओटोस्क्लेरोसिस और सामान्य मध्य कान की कार्यप्रणाली वाले व्यक्तियों के बीच आवृत्ति विशिष्ट टिम्पेनोमेट्रिक आर्कटन (θ) का तुलनात्मक अध्ययन
छात्रा का नाम : सुश्री अर्पिता विश्वास
गाइड का नाम : श्री इंद्रनील चैटर्जी
सह-गाइड का नाम : श्री पलाश दत्ता

31. ध्वनि विश्लेषण का उपयोग करके धूम्रपान करने वालों का वर्गीकरण
छात्रा का नाम : सुश्री अंबिका बोस
गाइड का नाम : श्री इंद्रनील चैटर्जी

32. श्रवण बाधित व्यक्तियों में बंगाली वाक्य पहचान परीक्षण पर आँख बंद करने का प्रभाव
छात्रा का नाम : सुश्री अर्घ्य पौलिक
गाइड का नाम : श्री इंद्रनील चैटर्जी
गाइड का नाम : श्री पलाश दत्ता

क्षेत्रीय कार्यालय, सिकंदराबाद में एम.एससी. (श्रवण विज्ञान)

33. द्विपक्षीय और एकतरफा कॉक्लिअर इंप्लांट वाले बच्चों में श्रवण कार्यशील स्मृति
छात्रा का नाम : सुश्री शेरिन मनोज
गाइड का नाम : डॉ गौरी शंकर पाटिल
सह-गाइड का नाम : सुश्री सुपर्णा के. राव

34. विभिन्न प्रवर्धन उपकरणों का उपयोग करने वाले किशोरों में जीवन की गुणवत्ता: एक तुलनात्मक अध्ययन

छात्र का नाम : श्री पी. विनोद कुमार
गाइड का नाम : श्री बी. श्रीनिवासा राव
सह-गाइड का नाम : सुश्री सुपर्णा के. राव

35. कॉक्लिअर इंप्लांट वाले बच्चों में श्रवण बोध और वाक् बोध।
छात्रा का नाम : सुश्री सिरिशा
गाइड का नाम : डॉ गौरी शंकर पाटिल
सह-गाइड का नाम : सुश्री लक्ष्मी प्रसन्ना

36. वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के निवासियों में शोर से उत्पन्न परेशानी का आकलन।
छात्रा का नाम : सुश्री ए. रिचिता
गाइड का नाम : श्री बी. श्रीनिवासा राव
सह-गाइड का नाम : सुश्री सुपर्णा के. राव

37. चावल मिल श्रमिकों के बीच व्यावसायिक शोर के प्रभाव के बारे में जागरूकता।
छात्रा का नाम : सुश्री वाई. शिवानी
गाइड का नाम : श्री बी. श्रीनिवासा राव
सह-गाइड का नाम : डॉ अपर्णा रविचंद्रन

38. टिनिटस रिलीफ मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके ध्वनि चिकित्सा के दैनिक उपयोग की अवधि की प्रभावशीलता: एक तुलनात्मक अध्ययन।
छात्रा का नाम : सुश्री जी. श्रव्या
गाइड का नाम : श्री बी. श्रीनिवासा राव
सह-गाइड का नाम : डॉ अपर्णा रविचंद्रन

39. "श्रवण ह्रास की ओर रुझान" प्रश्नावली का तेलुगु में रूपांतरण और "श्रवण ह्रास वाले वृद्धों का श्रवण सहायता के प्रति रुझान" प्रश्नावली का तेलुगु में रूपांतरण।
छात्रा का नाम : सुश्री ए. शिवानी
गाइड का नाम : श्री बी. श्रीनिवासा राव
सह-गाइड का नाम : डॉ के. श्रीविद्या

40. प्रिंटिंग प्रेस श्रमिकों में ऑडियोमेट्रिक निष्कर्ष
छात्रा का नाम : सुश्री संध्या
गाइड का नाम : श्री बी. श्रीनिवासा राव
सह-गाइड का नाम : डॉ के. श्रीविद्या

41. श्रवण सहायता प्रोग्रामिंग में वास्तविक कान माप लाभ का मूल्यांकन।
छात्र का नाम : श्री अभिजीत कृष्नन एस.
गाइड का नाम : डॉ गौरी शंकर पाटिल
सह-गाइड का नाम : डॉ के. श्रीविद्या

42. भारतीय शास्त्रीय नर्तकों में श्रवण लौकिक अनुक्रम धारणा।
छात्रा का नाम : सुश्री शीतल

गाइड का नाम	:	डॉ गौरी शंकर पाटिल
सह-गाइड का नाम	:	डॉ के. श्रीविद्या

43. प्रशिक्षित कर्नाटक और हिंदुस्तानी गायन कलाकारों में स्वर अनुक्रम की धारणा।

छात्रा का नाम	:	सुश्री श्रेया आर.
गाइड का नाम	:	डॉ गौरी शंकर पाटिल
सह-गाइड का नाम	:	डॉ अपर्णा रविचंद्रन

44. व्यवहारिक रूप से निर्धारित मानचित्रों में शाब्दिक पहचान बनाम ईएसआरटी आधारित मानचित्र

छात्रा का नाम	:	सुश्री शम्पा बेरा
गाइड का नाम	:	डॉ गौरी शंकर पाटिल
सह-गाइड का नाम	:	डॉ अपर्णा रविचंद्रन

6.4 प्रकाशन

1. आहूजा, जी. (2023). विशेष विद्यालय की कक्षा में अध्ययन की सुगमता के प्रति श्रवण छात्रों की राय। इंटरनेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च जर्नल, 9(2)। https://doi.org/10.12345/2454-9916 (इआईएसएसएन नंबर 2454-9916).

2. आहूजा, जी. (2024)। ओपिनियर ऑफ़ चिल्ड्रेन विथ हियरिंग इंपेअरमेंट टुवर्ड्स कम्युनिकेशन एक्सेसिबिलिटी इन स्पेशल स्कूल्स. जर्नल ऑफ़ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट. (आईएसएसएन नंबर 2269-7195).

3. आहूजा, जी. (2024, फरवरी)। पैरेंटल रिस्पांस तो इंटरवेंशन ऑन पोस्ट-ऑपरेटिव रिहैबिलिटेशन सर्विसेज फॉर चिल्ड्रेन विथ कॉकलियर इंप्लांट. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन। (आईएसएसएन नंबर 2708-3578)

4. आहूजा, जी. (2023-2024 जारी है)। PaDELs इंटरनेशनल हैंडबुक प्रोजेक्ट: थे पालग्रेव हैंडबुक ऑफ़ डिकॉलोनाइज़िंग थे लैंग्वेज एंड एजुकेशनल सर्विस (असिस्टेंट एडिटर)। पैलग्रेव मैकमिलन।

5. सौम्यकृष्ण, एम., पोरिका, आर. के., और शंकर, जी. (2023)। डेवलपमेंट एंड ट्रांस एडेप्टेशन ऑफ़ द मल्टीपल एक्टिविटी स्केल फॉर हाइपरक्यूसिस (मैश) इनटू थे तेलुगू लैंग्वेज. इंडियन जर्नल ऑफ ऑडियोलॉजी, 8(2), 9-16.

6. उत्ला, टी.के., पोरिका, आर.के. और चाको, जी. (2023)। स्क्रीनिंग ऑडिटरी प्रोसेसिंग डिफिकल्टीज इन चिरल्ड्रेन विथ ऑटिजम स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर्स यूजिंग थे चिल्ड्रेन'एस ऑडिटरी परफॉरमेंस स्केल. इंडियन जर्नल ऑफ ऑडियोलॉजी, 8(2), 31-38।

7. पोरिका, आर.के., प्रसन्ना, एल. और सेरेला, एस. (2024)। ए रिव्यू स्टडी ऑन थे टिनिटस हैंडीकैप इन्वेंटरी क्वेश्चनेयर एंड इट्स इफेक्टिवनेस इन थे इवैल्यूएशन ऑफ़ टिनिटस. *इंटरनेशनल सिम्पोजियम फॉर ऑडियोलॉजिकल मेडिसिन-* इंडियन जर्नल ऑफ ऑडियोलॉजी, 11(1), 30-33।

8. प्रसन्ना, एल. और पोरिका, आर. के. (एन.डी.)। बेंचमैक्स फॉर स्पीकर आइडेंटिफिकेशन इन थे तेलुगू लैंग्वेज. *इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन साइंसेज,* 3(1), 48-50।

9. पोरिका, आर.के., राजेंद्र कुमार, पी., यूसुफुद्दीन, एम., तेज किरण, यू., शेख आरिफ, नागेंद्र कांकीपति, और खान, आई.आर. (2023)। टिनिटस इवैल्यूएशन एंड मैनेजमेंट प्रोटोकॉल फ़ॉलोवेड बाय प्रैक्टिसिंग क्लिनिकल ऑडियोलॉजिएस्ट. *इंडियन जर्नल ऑफ ऑडियोलॉजी - इंटरनेशनल सिम्पोजियम फॉर ऑडियोलॉजिकल मेडिसिन,* 8(1), 163-170।

10. नरेंद्र, के., राजेंद्र कुमार, पी., और नवीद अहमद, एम. (2023)। इफ़ेक्ट ऑफ़ आगे एंड जेंडर ऑन वॉवेल ड्यूरेशन इन टिपिकली डेवलपिंग कन्नड़-स्पीकिंग चिल्ड्रेन. *इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन साइंसेज*, 2(1), 57-64।

11. चटर्जी, एन., कुमार, एस., और कुंडू, पी. (2023)। स्टेटस ऑफ़ आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ कम्युनिकेशन डिसऑर्डर्स इन चिल्ड्रेन इन थे करंट सिनेरियो: ए सर्वे फ्रॉम वेस्ट बंगाल. *इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलरींगोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी*, 76, 712-719।

12. दास, के., कुमार, एस., मुखर्जी, आर., वैश, डी., भाटिया, डी., और नोंग्रुम, एच.बी. (2023)। डेवलपमेंट एंड स्टैंडरडाइज़ेशन ऑफ़ असमिया फोटो आर्टिकुलेशन टेस्ट. *जर्नल ऑफ चाइल्ड लैंग्वेज एक्विजिशन एंड डेवलपमेंट.*11(2), 776-793।

13. चटर्जी, आई., अता, एस., शतपथी, पी., कुमार, एस., सम्मदार, पी., मक्कर, एस. के., दत्ता, पी., सामंत, एस., मुखर्जी, एस., बर्मन, डी., और अरेफिन, एस. एम. (2023)। मल्टीस्टेज स्टैंडरडाइज़ेशन ऑफ़ बरफोन एंड ओईए ऑन नियोनेट्स. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओटोरहिनोलैरिंजोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी, 9(8), 613-619।

14. गोस्वामी, डी., चटर्जी, आई., समद्दर, पी., नारायणन, एस., साहा, एस., और बसु, टी. (2023, मई)।ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ थे वोकल पैरामीटर्स बिटवीन हाइपोफ़ंक्शनल एंड हाइपरफ़क्शनल डिस्फोनिया यूजिंग पर्सेप्चुअल एंड सेपस्ट्रल स्पेक्ट्रल इंडेक्स ऑफ़ डिस्फोनिया मेजर्स। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी*, 9(5), 390-396

15. त्यागी, वाई., और चटर्जी, आई. (2023, जून)। द इफ़ेक्ट ऑफ़ कॉक्लिअर इम्प्लांट आगे एंड ड्यूरेशन ऑफ़ इंटरवेंशन ऑन इएसआरटी इन चिल्ड्रेन विथ कॉक्लिअर इम्प्लांट्स. वाले बच्चों में ईएसआरटी पर कोक्लियर इम्प्लांट की उम्र और हस्तक्षेप की अवधि का प्रभाव। *कॉक्लिअर इम्प्लांट्स इंटरनेशनल। टेलर एंड फ्रांसिस।* https://doi.org/10.1080/14670100.2023.2221048

16. सिंह, आर., शतपथी, पी., चटर्जी, आई., और मकर, एस. के. (2023)। डेवलपमेंट एंड वैलिडेशन ऑफ़ 'टिन्नी-टूल': ऐन इडिजनस एंड्राइड एप्लीकेशन फॉर टिनिटस मास्किंग. *जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी इमेजिंग एंड टेक्निक्स*, 9(1), 539-546।

17. कुशाली, एस., चटर्जी, आई., शतपथी, पी., और कुमार, एस. (2024)। ए स्टडी ऑन सर्वाइकल एंड ऑक्यूलर वेस्टिबुलर एवोकेड मायोजेनिक पोटेंशियल मेजर्स इन जगलर्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च*, 14(1), 82-86।

18. मकर, एस. के. (2024)। टिनिटस ट्रीटमेंट: ऐन एक्सपेरिमेंटल स्टडी. *द इजिप्टियन जर्नल ऑफ ओटोलरिंगोलॉजी*, 40(1), 38।

19. राव, बी. एन. (2023)। योग बेनिफ़िट्स फॉर चिल्ड्रेन विथ स्पेशल नीड्स. *एडु क्रिएटर रिसर्च जर्नल*, 10(3), 149-155।

20. राव, बी. एन. (2023)। असेसमेंट ऑफ़ 'टीचर्स इंक्लूसिव प्रैक्टिस स्केल' (टिप्स) फॉर इंवेस्टिगेटिंग थे इंक्लूसिव प्रैक्टिसेज ऑफ़ टीचर्स वर्किंग इन इंक्लूसिव स्कूल्स. *अरिहंत मल्टीडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल एजुकेशन रिसर्च जर्नल (एएमआईईआरजे)*, 12(4), 43-48. ISSN 2278-5655. DOI इंडेक्सिंग जर्नल.

21. राव, बी. एन. (2023). यूटिलाइजेशन ऑफ़ इनोवेटिव टेक्निक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी इन एजुकेशन फॉर थे डिसेबल्ड. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च* (IJMER), 12(8), 188-193.

22. राव, बी. एन. (2023). इंक्लूसिव एजुकेशन थ्रू ओपन एंड बिस्टेंस लर्निंग फॉर इंडिविड्युअल्स विथ डिसएबिलिटीज इन इंडिया. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स* (आईजेसीआरटी), 11(9), 1648-1654. ISSN 2320-

23. पूथुलिल, मार्टिन एम. (2023)। डिजिटल इंक्लूज़न एंड एक्सेसिबिलिटी: असेसिंग थे क्वालिटी ऑफ़ हायर एजुकेशन वेबसाइट्स इन इंडिया इन लाइट ऑफ़ यूएनसीआरपीडी गाइडलाइंस एंड आरपीडबल्यूडी एक्ट 2016 संभाषण: पीयर-रिव्यूड इंटरडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ थे यूनिवर्सिटी ऑफ़ मुंबई, 3(3), 195-207। आईएसएसएन 2583-1496।

24. पूथुलिल मार्टिन, एम. (2024)। डिजिटल मीडिया इंटीग्रेशन एंड हाइब्रिड एडवरटाइजिंग। इन ऑनलाइन ब्रांड मैनेजमेंट (यूनिट 11, पृष्ठ 108-208)। इग्नू। आईएसबीएन 978-93-6106-925-3।

पुस्तकों में पुस्तकें/लेख

25. प्रकाश, एस. एस. (2024)। इंट्रोडक्शन तो सेंसरी डिसएबिलिटीज़. नील कमल प्रकाशन। आईएसबीएन 978-9395368872।

26. राव, बी. एन. (2023)। ऐन एप्रोच फॉर प्रमोटिंग इंक्लूसिव एजुकेशन. इन किरण (एड.), ए रिसोर्स बुक- को-टीचिंग: प्रेजेंट एंड फ्यूचर प्रॉस्पेक्टस (पृष्ठ 112-117)। इंदु बुक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड आईएसबीएन 978-81-952023-6-2।

27. राव, बी. एन. (2023)। नेशनल एजुकेशन पालिसी 2020: रिफ़ॉर्मिंग एजुकेशन तो बी मोर इंक्लूसिव फॉर चिल्ड्रेन विथ स्पेशल नीड्स. एम. यास्मीन (सं.), ए लेंस फॉर मल्टीफ़ेसेटेड सोसाइटी (पृष्ठ 87-92)। दक्षिण एशियाई ऐकडेमिक पब्लिकेशंस। आईएसबीएन 978-9392153-26-6।

28. चौधरी, के., कुमार, एस., और दलवी, यू. ए. (2023)। करिकुलम ट्रांजेक्शन एंड क्लिनिकल टीचिंग ऑफ़ ऑडियोलॉजी एंड स्पीच-लैंग्वेज पैथोलॉजी कोर्स ड्यूरिंग द पैंडेमिक इन इंडिया: जुमिंग इन फ्रॉम ऐन ऐकडेमिक पर्सपेक्टिव. एस. उन्नी, आर. बावस्कर, के.वी.एस. शर्मा, और एस.डी. पंडित (संपादक), कोविड-19 एंड द फ्यूचर ऑफ़ हायर एजुकेशन इन इंडिया (पृष्ठ 75-90)। पैलग्रेव मैकमिलन।

29. मजूमदार, पी. (2023)। एजुकेशनल डेवलपमेंट ऑफ़ चिल्ड्रेन विथ डेफ़नेस एंड पैरेंटल अवेयरनेस (सितंबर पब्लिकेशन)। नई दिल्ली प्रकाशक। आईएसबीएन 978-81-19006-40-3।

7. सेवाएं

संस्थान वाक् और/या श्रवण दिव्यांगजनों को व्यापक नैदानिक, चिकित्सीए, शैक्षिक ओर व्यावसायिक सेवाएं प्रदान करता है। एक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान के रूप में ग्रामीण और शहरी दोनों प्रकार के ग्राहकों की जरूरत को पूरा करने के लिए हर संथव तरीके से सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान की जाती हैं। ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच-लैंग्वेज तैथेलॉजिस्ट, विशेष शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यावसायिक परामर्शदाता, ईएनटी विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ और न्यूरोलॉजिस्ट की एक अंत:विषयी टीम निम्नलिखित पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए एकजुट होकर कार्य करती है।

* श्रवण, वाक् एवं भाषा दिव्यांगता को मूल्यांकन एवं निदान
* श्रवण यंत्रों एवं कर्णसांचों का चयन और फिटिंग
* मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन
* शैक्षिक मूल्यांकन सेवाएं
* मनोचिकित्सा एवं व्यवहारिक थेरपी
* अभिभावक मार्गदर्शन एवं परामर्श
* कॉक्लिअर इंप्लांट सेवाएं
* रेफरल और अनुवर्ती सेवाएं
* आऊटरीर एवं विस्तार सेवाएं
* अभिभावक-शिशु कार्यक्रम
* व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट
* वाक् और भाषा चिकित्सा
* प्री-स्कूल
* क्रॉस दिव्यांगता प्रारंभिक पहचार और हस्तक्षेप सेवाएं

संस्थान सूचना और प्रलेखन सुविधाएं प्रदान करता है और रोकथाम, शीघ्र पहचान, शीघ्र हस्तक्षेप, अभिभावक प्रशिक्षण और श्रवण सहायता आदि के क्षेत्रों में सार्वजनिक शिक्षा सामग्री वितरित करता है। प्रतिवेदन

वर्ष के दौरान, संस्थान ने इसके मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्रों (आरसी) और शिविरों के माध्यम से 29285 नए मामले और 90353 अनुवर्ती मामलों पर कार्रवाई की। जबकि वर्ष 2022-23 के दौरान यह 32793 नए और 84028 अनुवर्ती मामले थे। विवरण परिशिष्ट-III में दर्शाया गया है।

7.1 श्रवण मूल्यांकन एवं श्रवण यंत्र फिटिंग

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता श्रवण मूल्यांकन और श्रवण सहायक यंत्र फिटिंग के प्रति हमारे दृष्टिकोण में स्पष्ट दिखाई देती है। सटीक मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए हम अत्याधुनिक उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करते हैं। हमारी सेवाएं नवजात शिशुओं और छोटे बच्चों सहित विभिन्न आयु समूहों के व्यक्तियों को प्रदान की जाती हैं, क्योंकि हम उनकी श्रवण क्षमता का सावधानीपूर्वक और सटीकता से आकलन करते हैं। इसके अलावा, हम पात्र व्यक्तिओं को कान के पीछे लघु श्रवण यंत्रों के लिए संपूर्ण परीक्षण और फिटिंग सेवाएं प्रदान करते हैं। जरुरतमंद लोगों की सहायता करने के हमारे मिशन के एक हिस्से के रूप में संस्थान, भारत सरकार की दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों और यंत्रों की खरीद/फिटिंग के लिए सहायता योजना (एडिप) को सक्रिय रूप से लागू करता है। इस पहल के माध्यम से हम पात्र व्यक्तियों को बिना किसी लागत के श्रवण यंत्र और कस्टम-निर्मित कर्णसांचें प्रदान करते हैं, जिससे उन लोगों के लिए आवश्यक सहायक उपकरणों और यंत्रों तक पहुंच सुनिश्चित होती है जिन्हें उनकी सबसे अधिका आवश्यकता होती है।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 31459 व्यक्तियों का ऑडियोलॉजिकल मूल्यांकन किया गया जबकि वर्ष 2022-23 में यह संख्या 36195 थी। इसके अलावा वर्ष 2023-24 के दौरान 8355 श्रवण यंत्र लगाए गए और 2849 कर्णसांचें तैयार किए गए, जबकि वर्ष 2022-23 के दौरान 14186 श्रवण यंत्र और 5849 कर्णसांचे तैयार किए गए (परिशिष्–III में विवरण दिया गया है)।

7.2 श्रवण दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी करना

महाराष्ट्र शासन के आदेश दिनांक 17 जुलाई, 2016 से अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान को दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत केंद्र के रूप में अनुमोदन किया गया। श्रवण दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी करने के लिए मान्यता-प्राप्त बोर्ड सदस्य निम्नलिखित है:-

डॉ. राजू आराख, निदेशक (स्था.), अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं.	- अध्यक्ष
डॉ. कमल परसराम, ईएनटी सलाहकार, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं.	- सदस्य
डॉ. राजीव जलवी, विभागाध्यक्ष (श्रवणविज्ञान), अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं.	- सदस्य सचिव

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा दिव्यांगजनों को 241 श्रवण दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी किए गए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 362 थी।

7.3 वाक् एवं भाषा मूल्यांकन और थैरपी

संस्थान वाक् और श्रवण दिव्यांगजनों की वाणी और भषाई दक्षता का आकलन करने के लिए डिज़ाइन की गई उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित है। हम अपनी सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कंप्यूटर-बेसड् मूल्यांकन और हस्तक्षेप उपकरणों सहित अत्याधुनिक तकनीक को अपनाते हैं। इसके अलावा, हमारे पास होम-बेसड् हस्तक्षेपों और व्यापक अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए समर्पित संसाधन और कार्यक्रम हैं। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान वाक् और भाषा मूल्यांकन के लिए 8501 मामलें दर्ज किए गए हैं और 40614 व्यक्ति भाषाई चिकित्सा सत्रों से लाभान्वित हुए हैं। जबकि पिछले वर्ष 2021-22 के दौरान मूल्यांकन किए गए पंजीकृतीकृत 10748 मामलों और स्पीच थेरपी सत्र प्राप्त करने वाले 31954 व्यक्ति थे। हमारी गतिविधियों और इनके प्रभाव के व्यापक अवलोकन के लिए विस्तृत जानकारी परिशिष्ट-III में दर्शाई गई है।

7.4 मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन एवं थैरपी

संस्थान नैदानिक सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें विकासात्मक मूल्यांकन, बुद्धि परीक्षण, व्यक्तित्व मूल्यांकन, न्यूरोसाइकोलॉजिकल परीक्षण और मानव संसाधन मूल्यांकन शामिल है। इन महत्वपूर्ण मूल्यांकनों के अलावा, हम व्यापक मनोचिकित्सीए सेवाएं प्रदान करते हैं जिसमें विभिन्न मनोचिकित्सा, मार्गदर्शन और परामर्श और मनो-शैक्षणिक हस्तक्षेप शामिल हैं। प्रतिवेदन वर्ष में, हमनें मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, मार्गदर्शन और परामर्श पाने वाले व्यक्तियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, जिसमें 8639 नए मामले हमारी सेवाओं से लाभान्वित हुए। यह पिछले वर्ष 2022-23 में दर्ज 3700 मामलों की तुलना में पर्याप्त वृद्धि दर्शाता है। अधिक विस्तृत आंकड़ों और अंतर्दृष्टि के लिए कृपया परिशिष्ट III देखें।

7.5 शैक्षिक मार्गदर्शन

संस्थान द्वारा प्रतिवेदन वर्ष 2023-24 के दौरान 6658 अभिभावकों को शिक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में मार्गदर्शन सेवाएं प्रदान की गई जबकि पिछले वर्ष 2022-23 में श्रवणबाधित बच्चों के 9171 अभिभावक थे। (विवरण परिशिष्ट III में दिया गया है।)

7.6 सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास सेवाएं

संस्थान अपने सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास विभाग और क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से वाक् और श्रवण दिव्यांगजनों को व्यापक सहायता प्रदान करता है। हमारी समर्पित टीम रोज़गार योग्यता का आकलन करती है, व्यावसायिक परामर्श प्रदान करती है, मूल्यवान कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करती है, और दिव्यांगजनों को नौकरी पाने में सहायता करती है।

अन्य संगठनों के सहयोग से, हम श्रवण बाधित वयस्कों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हैं, जिससे उन्हें मूल्यवान कौशल प्राप्त होते हैं। इसके अलावा, हम व्यावसायिक परामर्शदाताओं, प्लेसमेंट अधिकारियों, कार्मिक अधिकारियों, पुनर्वास अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को श्रवण दिव्यांगजन समुदाय की सहायता करने में उनकी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए उन्मुखीकरण प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। डिजिटल कौशल के महत्व को पहचानते हुए, हम अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई और हमारे क्षेत्रीय केंद्रों में श्रवण दिव्यांग छात्रों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं। डिजिटल युग को अपनाते हुए, संस्थान ने विशेष रूप से उनके लिए आरक्षित रिक्तियों में श्रवण दिव्यांगजनों को रोजगार की सुविधा के लिए ऑनलाइन रेफरल सेवाएं शुरू की हैं। हम श्रवण दिव्यांगजनों को उनके करियर की आकांक्षाओं को प्राप्त करने और पूर्ण जीवन जीने के लिए सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

निरामय स्वास्थ्य बीमा योजना हेल्प डेस्क: संस्थान ने वर्ष 2023-24 के दौरान निरामय स्वास्थ्य बीमा योजना - हेल्प डेस्क/नामांकन केंद्र शुरू किया। इस योजना में कुल 23 दिव्यांगजनों को नामांकित किया गया।

दिव्यांगजनों के लिए कौशल प्रशिक्षण- दिव्यांगजनों के लिए डाटा एंट्री ऑपरेटर पाठ्यक्रम का उद्घाटन 15 फरवरी, 2024 को मुख्यालय, मुंबई में किया गया। इस पाठ्यक्रम के लिए पीएम-दक्ष डीईपीडब्ल्यूडी पोर्टल के माध्यम से कुल 17 दिव्यांगजन पंजीकृत हैं। यह पाठ्यक्रम पांच महीने की अवधि का है और दिव्यांगजनों के लिए कौशल परिषद द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा

रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान 1735 व्यक्तियों को व्यावसायिक परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जबकि वर्ष 2022-23 के दौरान 1939 व्यक्तियों को व्यावसायिक परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया गया (विवरण परिशिष्ट-III में दिया गया है)।

7.7 सूचना एवं प्रलेखन सेवाएं

सूचना और प्रलेखन सेवाएं अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान को उसके प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों लाभार्थियों से जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण पुल के रूप में कार्य करती है। से सेवाएं वाक् और श्रवण हानि की चुनौतियों का समाधान करने के लिए समर्पित व्यक्तियों और संगठनों के लिए जानकारी प्राप्त करने, अपनाने और प्रसारित करने के मुख्य उद्देश्यों से प्रेरित है। सूचना और प्रलेखन केंद्र कई प्रकार की गतिविधियां चलाता है जा इन उद्देश्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

7.7.1 कंप्यूटर अनुभाग

कंप्यूटर अनुभाग संस्थान की गतिविधियों के लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर का विकास, उपयुक्त तैयार सॉफ्टवेयर पैकेजों की पहचान और उनकी सिफारिश, उपयुक्त हार्डवेयर की सिफारिश, इंटरनेट सेवाओं और हार्डवेयर रखरखाव सेवाओं का समन्वय, आवश्यकतानुसार कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करके और डेटा प्रोसेसिंग कार्य में सहायता और समर्थन प्रदान करके कंप्यूटरीकरण प्रक्रिया को सुगम बनाता है। पुस्तकालय, छात्रावास और सभी विभागों में इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराई गई है। एंटीवॉयरस सॉफ्टवेयर भी इस्टॉल किए गए है।

यह अनुभाग संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट www.ayjnihh.nic.in को उद्यतन रखने और उसे व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह वेबसाइट सूचना के व्यापक भंडार के रूप में कार्य करती है, जो संस्थान की सेवाओं और गतिविधियों के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करती है। इसके अलावा, यह पुनर्वास उपायों के साथ-साथ वाक् और श्रवण ह्रास के बारे में जानकारी के लिए एक अमूल्य संसाधन के रूप में कार्य करता है। यह वेबसाइट ज्ञान का खजाना है, जिसमें वाक् और श्रवण दिव्यांगजनों और उनके परिवारों के लिए प्रारंभिक पहचान, रोकथाम, निदान, हस्तक्षेप और सहायता सहित कई विषयों को शामिल किया गया है। अपने हितधारकों को अच्छी तरह से सूचित रखते हुए, हम नियमित रूप से संस्थान से नवीनतम समाचार और कार्यक्रम विवरण के साथ वेबसाइट को अपडेट करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आगंतुकों को सबसे वर्तमान जानकारी प्राप्त हो।

कंप्यूटर अनुभाग बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (बीएएस), ई-ऑफिस का समन्वय करता है और ई-खरीद प्रक्रिया का समर्थन करता है। कॉक्लिअर इम्प्लांट सेवाओं को सहायता प्रदान करने के लिए, संस्थान द्वारा एक वेबसाइट- www.adipcochlearimplant.in का रखरखाव किया जाता है।

7.7.2 पुस्तकालय

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान के केंद्रीय वातानुकूलित पुस्तकालय में साठ पाठकों के बैठने की क्षमता है। मुख्यालय के पुस्तकालय में कुल 18015 पठन सामग्री उपलब्ध है, जिसमें 2032 हिंदी पुस्तकें, 1385 जर्नल के पिछले खंड के बाउंड अंक है। संस्थान ने मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्रों के लिए 18 मल्टी-साइट ऑनलाइन और 155 ओपन एक्सेस जर्नल्स सबस्क्राइब किए हैं। जिससे जर्नल्स का मूल्य और उसकी हार्ड कॉपीज संग्रहित करने के लिए जगह की आवश्यकता कम हो गई। अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान की डिजिटल लाइब्रेरी एक्सेस के लिए स्टाफ और छात्रों को वाईफाई सुविधा उपलब्ध की गई है। जिससे उन्हें अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान की डिजिटल लाइब्रेरी की ई-रिसोर्सेस (एन-लिस्ट) के लिए सुविधा उपलब्ध हो सके। संस्थान के कार्यालयीन समय में कार्मिकों, छात्रों एवं रिसर्च स्कॉलर्स के लिए रिप्रोग्राफी सुविधा उपलब्ध है।

7.7.3 राष्ट्रीय दिव्यांगता सूचना लाइन (एनडीआईएचएस)

माननीय सचिव श्री राजेश अग्रवाल, भा.प्र.से. सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के मार्गदर्शन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, AYJNISHD(D) की दिव्यांगता सूचना लाइन (डीआइएल) को 10 अंकों वाले टोल-फ्री नंबर वाले सर्वर-आधारित सिस्टम से अपग्रेड करके भारत की पहली क्लाउड-आधारित राष्ट्रीय दिव्यांगता सूचना हेल्पलाइन (एनडीआइएचएस) में बदल दिया गया, जिसमें 5 अंकों वाला नंबर '14456' है। यह उन्नत 24x7 सेवा 21 प्रकार की दिव्यांगता के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करती है और यह अब संक्षिप्त हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से आसानी से सुलभ है।

इस सेवा की एक अनोखी विशेषता क्यूआर कोड इंटरफ़ेस है जो कार्य दिवसों में सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) में दुभाषिया सेवाएं प्रदान करता है। यह सेवा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के साथ एक सांकेतिक भाषा सुविधा सहित एक समझौताज्ञापन (MoU) के साथ साझेदारी के माध्यम से संभव हुई है।

5 अंकों वाली राष्ट्रीय दिव्यांगत सूचना हेल्पलाइन का आधिकारिक शुभारंभ 8 जनवरी, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्टिवल, पणजी, गोवा के में डी.बी. ग्राउंड में एक भव्य समारोह के दौरान हुआ। दिव्यांगजनों के उत्सव और सशक्तिकरण को समर्पित यह छह दिवसीय कार्यक्रम, दिव्यांगजन राज्य आयुक्त कार्यालय, गोवा सरकार के तहत समाज कल्याण निदेशालय और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास था। इस महोत्सव का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत जी, गोवा सरकार ने माननीय केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री रामदास आठवले जी के साथ किया

7.8 दिव्यांगताओं की शीघ्र पहचान सह हस्तक्षेप केंद्र और प्रिपेटरी स्कूल

जून 2021 में अपनी स्थापना के बाद से, सीडीईआईसी, मुंबई एक अत्यधिक मान्यता प्राप्त केंद्र बन गया है और कई परिवारों के लिए अपने बच्चों की विभिन्न दिव्यांगताओं की प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप तक पहुँचने का विकल्प बन गया है। अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान का सीडीईआईसी एक ही छत के नीचे विभिन्न दिव्यांगताओं वाले 6 वर्ष और उससे कम उम्र के छोटे बच्चों की देखभाल करता है। सीडीईआईसी का बल इसकी समावेशिता है।

सीडीईआईसी में हर दिव्यांग बच्चे को समान रूप से महत्व दिया जाता है। हमारा केंद्र नामांकित प्रत्येक बच्चे के समग्र विकास का ध्यान रखता है। बहु-विषयक हस्तक्षेप और चिकित्सीय सेवाएं दिव्यांगजनों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की जाती हैं। सहयोगात्मक और सहयोगी प्रथाओं ने इन बच्चों को अतिरिक्त लाभ दिया है। समानांतर रूप से, हम माता-पिता के सशक्तिकरण पर जोर देते हैं कि वे अपने बच्चों को केंद्र के बाहर आने वाली चुनौतियों से उबरने के लिए कैसे निर्बाध अनुवर्ती और सहायता प्रदान कर सकते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 सभी दिव्यांग बच्चों और हितधारकों के लिए समृद्ध अनुभवों से भरा हुआ था। केंद्र ने अभिभावकों और बच्चों दोनों को सशक्त बनाने के लिए अभिनव अभ्यास किए हैं और बच्चों को अलग-अलग और समावेशी दोनों तरह की प्राथमिक शिक्षा के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, केंद्र ने 151 नए मामलों और 3965 अनुवर्ती मामलों में सेवाएं प्रदान की और श्रवण बाधित, बौद्धिक दिव्यांगता, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम दिव्यांगता, कम दृष्टि, बहु दिव्यांगता और मस्तिष्क पक्षाघात से पीड़ित बच्चों के लिए 106188 सहायता सेवाएं प्रदान कीं। केंद्र ने आठ अभिभावक सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 330 अभिभावकों को लाभ मिला।

8. एडिप (ADIP) योजना का कार्यान्वयन

भारत सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयारसत है कि 'दिव्यांगजनों' या नि:शक्तजनों को सस्ती कीमतों पर सहायता और उपकरण उपलब्ध हों। दिव्यांगजनों के सामाजिक, आर्थिक और व्यावसायिक पुनर्वास को सक्षम करने में इन सहायता और उपकरणों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, नि:शक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियमन, 1995, और दिव्यांगजन अधिकार धिनियम, 2016 के लागू होने से इस प्रतिबद्धता को विशेष रूप से गति मिली है।

दिव्यांगताएं किसी व्यक्ति के कार्यात्मक रूप से उत्पादक जीवन जीने के अवसरों को काफ़ी सीमित कर सकती है। इस संदर्भ मं, आधुनिक प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग ने असंख्य सहायता को जन्म दिया है जो दिव्यांगता के प्रभाव को कम कर सकता है और दिव्यांगजनों की आर्थिक क्षमता को उजागर कर सकता है। उदाहरण के लिए, व्हीलचेयर, कृत्रिम अंग, वैसाखी, ब्रेसिज़ और स्पिंलंट शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों की गतिशीलता में काफ़ी सुधार कर सकते हैं। इसी प्रकार, आधुनिक श्रवण यंत्रों में शेष श्रवण क्षमता वाले लोगों को विभिन्न दैनिक गतिविधियां करने में सशक्त बनाने की क्षमता है। इसके अलावा, कॉक्लिअर इंप्लांट श्रवण आधित बच्चों को सुनने और बोलने की क्षमता हासिल करने का उल्लेखनीय अवसर प्रदान करते है। ये प्रति भारत में दिव्यांगजनों के लिए जीवन की गुणवत्ता और अवसरों को बढ़ाने के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

योजन और इसके उद्देश्य

इस योजना का मुख्य उद्देश्य जरुरतमंद दिव्यांगजनों को टिकाऊ, प्रगतिशील एवं वैज्ञानिक तरीकों से बनाए हुए, आधुनिक एवं मानक साधन-सामग्री प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना है, जिससे दिव्यांगता के प्रभाव कम करने, उनके शारीरिक, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक पुनर्वास की वृद्धि करके उनके आर्थिक संभाव्य को बेहतर बनाया जा सके। इस योजना के अंतर्गत संस्थान और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में तथा आउटरीच एवं विस्तार सेवाओं द्वारा आयोजित शिविरों के माध्यम से भी श्रवण यंत्र वितरित किए जाते है। पारदर्शिता और जवाबदेही की भावना से, हम वर्ष 2023-24 के लिए जारी किए गए एडिप (सहायता और उपकरणों की खरीद/फिटिंग के लिए दिव्यांगजनों को सहायता) अनुदान सहायता, व्यय का विवरण और विस्तृत लाभार्थी डेटा के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करते हैं। यह जानकारी यह सुनिश्चित करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है कि दिव्यांगजनों को उनके जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने और उनकी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए आवश्यक सहायता और उपकरणों तक पहुँच हो। वर्ष 2022-23 के दौरान एडिप (ADIP) योजना के लिए दी-गई अनुदान राशि, व्यय तथा लाभार्थियों संबंधी विस्तृत जानकारी नीचे दी गई है-

प्रारंभिक जमा राशि (रु. लाखों में)	प्राप्त अनुदान राशि (रु. लाखों में)	व्यय राशि (रु. लाखों में)
182.91	1988.64	1986.83

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, इसके क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा प्रतिवेदन वर्ष के दौरान एडिप (ADIP) योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों को दिए गए यंत्रों/साधनों का वितरण नीचे दिया गया है-

वितरित यंत्रों/ उपकरणों की संख्या	लाभार्थियों की संख्या	पुरुष	महिलाएं	बच्चें	वृद्धजन
8355	5109	3110	1999	2497	0838

8.1. अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, इसके क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा पूरे भारत में एडिप योजना के तहत आयोजित शिविरों का विवरण।

I. वर्ष 202-23 के दौरान अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, इसके क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा आयोजित नैदानिक और फिटमेंट शिविरें का वितरण

क्र.सं.	स्थान	तिथि	पंजीकृत मामलों की संख्या	लाभार्थियों की संख्या	वितरित किए गए यंत्रों/साधनों की संख्या
1.	कुसुम्बा, जिला धुले	10/04/2023	47	27	54
2.	सोनगिर, जिला. धुले	11/04/2023 से 13/04/2023	141	119	201
3.	रुड़की	04/05/2023	42	42	84
4.	बोरा रथताला, जिला हूगली	16/05/2023	04	04	04
5.	अहमदनगर	20/06/2023	94	42	82
6.	नेवासा, जिला अहमदनगर	21/06/2023	71	28	50
7.	संगमनेर, जिला अहमदनगर	22/06/2023	76	32	56
8.	बिदर	22/06/2023 और 23/06/2023	73	73	140
9.	धारवाड़	03/07/2023 से 05/07/2023	150	119	176
10.	लक्ष्मेश्वर, जिला गडग	06/07/2023	50	45	90
11.	चौहटन, जिला बाड़मेर	18/07/2023	150	11	17

		से 20/07/2023			
12.	शिलांग	27/07/2023 और 28/07/2023	66	66	80
13.	नोएडा	14/08/2023	18	06	12
14.	मयूर विहार, दिल्ली	16/08/2023	20	20	40
15.	तेहट्टा, नदिया	18/08/2023	40	25	48
16.	मिराज, जिला सांगली	22/08/2023 से 24/08/2023	110	85	160
17.	मोहोल, जिला सोलापुर	05/09/2023 से 07/09/2023	70	61	122
18.	कराड, जिला सातारा	12/09/2023 से 14/09/2023	146	104	200
19.	विले पार्ले, मुंबई	16/10/2023 से 17/10/2023	16	10	20
20.	सक्षम, उत्तर त्रिपुरा	01/11/2023 से 03/11/2023	170	30	45
21.	मैसूरू	07/11/2023	140	100	199
22.	मैसूरू	08/11/2023 से 09/11/2023	290	201	382
23.	तासगांव, जिला सांगली	21/11/2023	75	24	37
24.	पलूस, जिला सांगली	22/11/2023	100	47	86
25.	मिराज, जिला सांगली	23/11/2023	100	46	80
26.	धरनगांव, जिला जलगांव	05/12/2023	73	26	51
27.	चालीसगाँव, जिला जलगांव	06/12/2023	70	24	48
28.	पचोरा, जिला जलगांव	07/12/2023	73	28	55

29.	जलगांव	08/12/2023	89	42	84
30.	अक्कलकोट, जिला सोलापुर	19/12/2023 से 20/12/2023	79	48	95
31.	रायबरेली	06/02/2024 से 07/02/2024	82	12	23
32.	लखनऊ	08/02/2024 से 10/02/2024	175	101	201
33.	आईज़ोल	27/02/2024 से 29/02/2024	184	131	146

II. वर्ष 2023-24 के दौरा अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान और इसके क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा आयोजित नैदानिक शिविरों की सूची

क्र.सं.	स्थान	तिथि	पंजीकृत मामलों की संख्या
1.	सौरी बाज़ार, पश्चिम मिदनापुर	29/05/2023	42
2.	चिल्याला, जिला नालगौंड	11/08/2023	122
3.	सिकंदराबाद	16/10/2023	73
4.	लोवर परेल, मुंबई	01/11/2023	35
5.	माटुंगा, मुंबई	02/11/2023	30
6.	मदनपुर, जिला खोरधा	08/01/2024	243
7.	जानला, जिला खोरधा	11/01/2024	209
8.	बनपुर, जिला खोरधा	18/01/2024	108
9.	अंबापुआ, जिला गंजम	30/01/2024	125
10.	चम्फ़ाई, मिजोरम	29/01/2024 और 30/01/2024	185
11.	ह्नाहलान	31/01/2024	67

12.	ज़ोखाव्थर	01/02/2024	37
13.	हैदराबाद	06/02/2024	241
14.	भुबनेश्वर, जिला खोरधा	23/02/2024	147
15.	यादम्मा नगर, सिकंदराबाद	03/03/2024	90
16.	हैदराबाद	05/03/2024	174
17.	सिकंदराबाद	13/03/2024	258

8.2 कॉक्लिअर इंप्लांट: एडिप योजना और सीएसआर पहल के तहत आधुनिक तकनीक का उपयोग करके श्रवण दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई कॉक्लिअर इंप्लांट, 2014 के संशोधित एडिप योजना दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, कॉक्लिअर इंप्लांट (सीआई) सर्जरी के कार्यान्वयन और श्रवण बाधित बच्चों के लिए सर्जरी के बाद के पुनर्वास सेवाओं हेतु नोडल एजेंसी क रूप में कार्य करता है। श्रवण ह्रास का गहरा प्रभाव बच्चे की भाषा और वाणी के विकास पर होने वाले नुकसान को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया जा सकता, खासकर जब यह नुकसान जन्म से ही होता है। गंभीर से गहन श्रवण हानि वाले बच्चों के लिए यहां तक कि सबसे उपयुक्त श्रवण यंत्र भी पर्याप्त नहीं हो सकते हैं, जिससे वे पर्याप्त वाक् और भाषा कौशल विकसित करने में असमर्थ हो जाते हैं।

कॉक्लिअर इंप्लांटेशन एक सटीक सर्जिकल प्रक्रिया है जिसमें एक रिसीवर-उत्तेजक और इलेक्ट्रोड वाले एक आंतरिक उपकरण को खोपड़ी में प्रत्यारोपित किया जाता है, जबकि नाजुक इलेक्ट्रोड केा कोक्लीअ में डाला जाता है। यह जटिल प्रक्रिया अनुभवी ईएनटी सर्जनों द्वारा संचालित की जाती है। सर्जरी के बाद, जिसमें आमतौर पर 10 से 15 दिनों की उपचार अवधि शामिल होती है, इंप्लांट का बाहरी घटक, जिसे प्रोसेसर के रूप में जाना जाता है, सक्रिय हो जाता है। 'स्विच-ऑन' प्रक्रिया आंतरिक इलेक्ट्रोड के साथ बाहरी प्रोसेसर का एक सावधानीपूर्वक सिंक्रनाइज़ेशन है, जो उन्नत कंप्यूटर प्रौद्योगिकी द्वारा सुगम है।

सर्जरी के बाद, प्रशिक्षित पेशेवरों के नेतृत्व में स्पीच-लैंग्वेज थैरपी प्रदान करवाना अनिवार्य हो जाता है, जिसमें स्पीच-लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट, श्रवण बाधित बच्चों में विशेषज्ञता वाले विशेष शिक्षक और श्रवण-मौखिक चिकित्सक शामिल हैं। यह विशेष देखभाल यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि बच्चें सामान्य वाक् और भाषा कौशल विकसित करें, इस धारणा को प्रभावी ढंग से चुनौती दें कि बधिर व्यक्ति मौखिक रूप से संवाद नहीं कर सकते। यह परिवर्तनकारी तकनीक श्रवण बाधित व्यक्तियों को अपने साथियों के बराबर बोलने और संवाद करने का अधिकार देती है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के तहत 2014 में एडिप योजना के माध्यम से कॉक्लिअर इंप्लांटेशन के प्रावधान की शुरुआत की।

इसके बाद, देश भर में 151 अस्पतालों को कॉक्लिअर इंप्लांटेशन के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इंप्लांटेशन सर्जरी, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 1394 सर्जरी की गई, जो दिव्यांगजनों की पुनर्वास यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है। एडिप योजना के तहत आयोजि कॉक्लिअर इंप्लांट सर्जरी की विस्तृत जानकारी के लिए, राज्य-वार सूची नीचे दी गई है।

एडीआईपी के तहत 2023-24 में आयोजित कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी की राज्यवार सूची										
राज्य	पैनल में शामिल अस्पतालों की संख्या	की गई सर्जरी की संख्या	पुरुष	महिला	अ.जा.	अ.जन. जा.	अ.पि. व.	सामान्य	एनटी	एनएम
उत्तर क्षेत्र										
पंजाब	9	36	18	18	8		11	15	1	1
चंडीगढ़	2									
उत्तर प्रदेश	19	613	339	274	107	1	296	186	14	9
हरियाणा	4	28	15	13	5		10	13		
नई दिल्ली	6	19	8	11	2		5	11	1	
जम्मू और कश्मीर	4	28	13	15			1	24	3	
हिमाचल प्रदेश	2	2	1	1			1	1		
उत्तराखंड	4	24	14	10	1	2	7	14		
पश्चिम मध्य क्षेत्र										
गुजरात	8	41	31	10	1	5	9	24	2	
मध्य प्रदेश	10	10	6	4	4		3	3		
महाराष्ट्र	26	175	90	85	20	9	35	86	23	2
राजस्थान	6	67	34	33	7	3	32	24		1
छत्तीसगढ		1	1				1			
गोवा	2	2	1	1			1	1		
दमन एवं दीव										
दादरा और नगर हवेली										
दक्षिणी क्षेत्र										
कर्नाटक	9	36	22	14	6		22	8		
आंध्र प्रदेश	7	34	14	20	8		21	5		
तेलंगाना	7	66	36	30	11	6	46	3		
तमिलनाडु	1	14	10	4	3		1	10		
केरल	5	15	8	7	3		10	2		
पुदुचेरी	1									
लक्षद्वीप										
पूर्वी क्षेत्र										

ओडिशा	2	13	8	5	1		2	10		
पश्चिम बंगाल	5	35	20	15	6		2	26		1
बिहार	2	113	63	50	26	1	55	31		
झारखंड	2	11	5	6			5	6		
अंडमान और निकोबार										
उत्तर पूर्वी क्षेत्र										
नगालैंड										
अरुणाचल प्रदेश										
असम	2	7	4	3	2		2	3		
मणिपुर	2									
मेघालय	1									
मिजोरम	1									
सिक्किम										
त्रिपुरा	2	4	1	3	1			2		1
कुल	**151**	**1394**	**762**	**632**	**222**	**27**	**578**	**508**	**44**	**15**

8.3 कॉक्लिअर इम्पान्ट: सीएसआर पहल

इसके अलावा, ADIP (एडिप) योजना के मानदंडों को पूरा करने वाले लाभार्थियों के लिए कॉर्पोरेट क्षेत्र द्वारा अनुदानित मामलों के लिए कॉक्लिअर इम्प्लांट सर्जरी भी की जाती है। सीएसआर पहल के तहत, रिपोर्टिंग वर्ष में 50 कॉक्लिअर इम्प्लांट सर्जरी की गई हैं, जिनमें से 9 आंध्र प्रदेश राज्य में और 41 तेलंगाना राज्य में की गई हैं।

8.4 कॉक्लिअर इप्लान्ट सेवाओं हेतु वेबसाइट

भारत सरकार की एडिप (ADIP) योजना के तहत प्रत्याशित लाथार्थियों, प्राप्तकर्ताओं (रिसिपन्टस) एवं पैनल में शामिल पेशेवरों को ऑनलाईन सहायता सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु http://adipcochlearimplant.in वेबसाइट विकसित की गई है। वेबसाइट पर निम्नलिखित जानकारी उपलब्ध है:

- एडिप (ADIP) योजना के तहत कॉक्लिअर इम्प्लांट पर सूचना सेवा
- पात्रता मापदंड, आवेदन प्रक्रिया और टेलीफोन पर मार्गदर्शन सेवा के लिए संपर्क विवरण
- पैनलबद्ध अस्पतलों एवं पेशेवरों की सूची

- कॉक्लिअर इम्प्लांट सर्जरी के लिए ऑनलाइन नामांकन और ऑडियोलॉजिस्ट/स्पीच थेरेपिस्ट की सेवाओं को प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करना
- अस्पतालों और पेशेवरों द्वारा पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन की ऑनलाइन प्रस्तुति
- लाभार्थियों की संख्या से संबंधित डेटा

8.5 कॉक्लिअर इम्प्लांट कार्यक्रम की देखरेख निम्न पदाधिकारियों द्वारा की जाती है:

सर्जरी पूर्व पुनर्वास कार्य

क्र.सं.	क्षेत्र	आबंटित कार्य	नोडल अधिकारी
1	अखिल भारतीय	अखिल भारतीय समन्वयक (सर्जरी)	1. डॉ. राजीव जलवी, रीडर एवं विभागाध्यक्ष, श्रवण विज्ञान विभाग, ईमेल-rjalvi@gmail.com, फोन. 022-69102113 एक्सटेंशन 113 2. सुश्री छंदासी अनारसे, विस्तार सेवा अधिकारी एवं प्रमुख, ओईएसडी, ईमेल-chhandasi29@gmail.com
2	अखिल भारतीय	पर्यवेक्षण (मॉनिटरिंग)- सीआई आवेदन का प्रसंस्करण	1. सुश्री केतकी बोरकर, श्रवण विज्ञानी और वाक् भाषा विकृति विज्ञानी, श्रवण विज्ञान विभाग, ईमेल -ketakiborkarsalp@gmail.com फोन 022-69102139 एक्सटेंशन 139 2. सुश्री उर्मि शाह, श्रवण विज्ञानी और वाक् भाषा विकृति विज्ञानी, श्रवण विज्ञान विभाग, ईमेल -shahurmi0201@gmail.com फोन 022-69102139 एक्सटेंशन 139
3	अखिल भारतीय	सीआई सर्जरी समन्वयक(सीएसआर)	सुश्री केतकी बोरकर, श्रवण विज्ञानी और वाक् भाषा विकृति विज्ञानी, श्रवण विज्ञान विभाग, ईमेल -ketakiborkarsalp@gmail.com फोन 022-69102139 एक्सटेंशन 139
4	पूर्व	पूर्वी क्षेत्रीय समन्वयक	1. सुश्री पामेला समद्दर सरदार,

		(बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह)	श्रवण विज्ञानी और वाक् भाषा विकृति विज्ञानी, आरसी, कोलकाता, 2. डॉ. इंद्रनील चटर्जी, व्याख्याता, वाक् एवं श्रवण, आर.सी., कोलकाता, ईमेल -east.adipci@gmail.com
5	उत्तर-पूर्व	उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय समन्वयक (असम, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर और नागालैंड)	डॉ. लानु वानबॉय ऐमोल, व्याख्याता एवं सहायक निदेशक, आरसी, जानला, ईमेल - eastern.adipci@gmail.com
6	उत्तर	उत्तर क्षेत्रीय समन्वयक (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, एनसीटी दिल्ली और चंडीगढ़)	1. डॉ. विभा महाजन, श्रवण विज्ञानी और वाक् भाषा विकृति विज्ञानी 2. डॉ. लानु वानबॉय ऐमोल, व्याख्याता एवं सहायक निदेशक, आरसी, जानला, ईमेल - eastern.adipci@gmail.com
7	पश्चिम मध्य	पश्चिम मध्य क्षेत्रीय समन्वयक (महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गोवा, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली)	1. श्री कुसुम कुमार, सहायक प्रोफेसर एसपी एवं एचजी, सीआरसी, भोपाल, 2. सुश्री अनुरूपा, सहायक प्रोफेसर, एसपी एवं एचजी कंसल्टेंट, सीआरसी, नागपुर 3. श्री शिवशंकर कुमार, सहायक प्रो. वाक् एवं श्रवण, सीआरसी, अहमदाबाद, ईमेल estcentral.adipci@gmail.com
8	दक्षिण	दक्षिण क्षेत्रीय समन्वयक (आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, पांडिचेरी और लक्षद्वीप)	1. श्री बी. श्रीनिवास राव, व्याख्याता एवं प्रभारी सहायक निदेशक, क्षेत्रीय विद्यालय, सिकंदराबाद 2. सुश्री वी.जे. विनीला, श्रवण विज्ञानी और वाक् भाषा विकृति विज्ञानी, आर.सी., सिकंदराबाद ईमेल -south.adipci1@gmail.com

सर्जरी-पश्चात पुनर्वास कार्य

क्र.सं.	आबंटित कार्य	अधिकारी का नाम
1	अखिल भारतीय समन्वयक	डॉ. रावली पी माथुर, व्याख्याता, वाक् भाषा विकृति विज्ञान विभाग, ईमेल- ravali.p@rediffmail.com फोन 022-69102129 एक्सटेंशन नंबर 129
2	क्षेत्रीय समन्वयक - उत्तर पूर्व (एडीआईपी)	सुश्री सीमा सिंह, श्रवण विज्ञानी और वाक् भाषा विकृति विज्ञानी, वाक् भाषा विकृति विज्ञान विभाग, ईमेल - lifetime975@gmail.com फोन: 022-69102102 एक्सटेंशन नंबर 102
3	क्षेत्रीय समन्वयक - पश्चिम मध्य (एडीआईपी एवं सीएसआर) एवं उत्तर पूर्व (सीएसआर)	सुश्री सोनाली करलकर, सलाहकार (कांट्रैक्ट पर), वाक् भाषा विकृति विज्ञान विभाग, ईमेल: sonalikaralkar4@gamil.com फोन 022-69102157/169. एक्सटेंशन नं. 157/169
4	क्षेत्रीय समन्वयक - दक्षिण और पूर्व (एडीआईपी और सीएसआर)	श्री संदेश अहिरे, सलाहकार (कांट्रैक्ट पर), वाक् भाषा विकृति विज्ञान विभाग, ईमेल:sandeshayj18@gmail.com फोन: 022-69102157/169एक्सटेंशन नं. 157/169
5	क्षेत्रीय समन्वयक - उत्तर (एडीआईपी)	सुश्री हिमांगी जोगले, सलाहकार (कांट्रैक्ट पर), वाक् भाषा विकृति विज्ञान विभाग, ईमेल: himangijogle@yahoo.com फोन 022-69102157/169एक्सटेंशन नं. 157/169

8.6 सफलता की कहानियां

मास्टर सौविक दत्ता

मास्टर सौविक दत्ता को द्विपक्षीय गंभीर से लेकर गहन सेंसरिनुरल श्रवण ह्रास का निदान किया गया था। सुनने की हानि ने उनके लिए सुनना या संवाद करना बहुत कठिन बना दिया था। 16.02.2020 को 3 वर्ष 2 महीने की उम्र में उन्होंने एडिप (ADIP) योजना के तहत कॉक्लिअर इम्प्लांट सर्जरी करवाई। उन्होंने एडिप सीआई (ADIP CI) योजना के तहत सूचीबद्ध केंद्र, प्रतीक्षा अस्पताल में नियमित चिकित्सा सत्रों में भाग लिया। वर्तमान में इम्प्लांट के 4 वर्ष 5 महीने बाद, वह स्पष्ट वाक्यों में बोलने में सक्षम हैं। सरल कहानियां सुनाते हैं और कविताएं भी गाते हैं। वह नियमित रूप से प्रयुक्त मौखिक आदेशों को समझते हैं और उनका पालन करते हैं। माता-पिता, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ संवाद करते हैं, सवाल पूछते हैं और सभी के साथ बातचीत करने का प्रयास करते हैं। वर्तमान में डोनी पोलो विद्या निकेतन, पासीघाट, जिला पूर्वी सियांग, अरुणाचल प्रदेश में पहली कक्षा के अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ रहे हैं।

मास्टर लक्ष्मण धारकर

मास्टर लक्ष्मण को द्विपक्षीय गंभीर से लेकर गहन संवेदी श्रवण ह्रास का निदान किया गया था। श्रवण ह्रास ने उन्हें सुनने या संवाद करने में कठिनाई पैदा कर दी थी। 21.11.2021 को 4 वर्ष 2 महीने की आयु में उन्होंने एडिप (ADIP) योजना के तहत कॉक्लिअर इम्प्लांट सर्जरी करवाई। उन्होंने एडिप सीआई (ADIP CI) योजना के तहत सूचीबद्ध केंद्र, देव ईएनटी अस्पताल में नियमित चिकित्सा सत्रों में भाग लिया। वर्तमान में प्रत्यारोपण के 2 वर्ष 8 महीने बाद, वह स्पष्ट रूप से वाक्यों में बोलने, कविताएं गाने में सक्षम हैं। वह नियमित रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले मौखिक आदेशों को समझते है और उनका पालन करते है। माता-पिता, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ संवाद करते है, सवाल पूछते है और सभी के साथ बातचीत करने का प्रयास करते है। वर्तमान में राजस्थान के भीलवाड़ा में हिंदी माध्यम के सरकारी स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ रहा है।

9. पूर्वोत्तर क्षेत्र की गतिविधियां

वर्ष 2023-24 के दौरान देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए निम्नलिखित गतिविधियां की गईं। डॉ. मैथ्यू मार्टिन पी.जे., ईएसए (मास मीडिया) और प्रभारी सूचना एवं प्रलेखन केंद्र पूर्वोत्तर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी थे।

9.1. अल्पवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

9.1.1. कॉक्लिअर इम्प्लांट पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान ने 12 मार्च, 2024 को गुवाहाटी में एडिप (ADIP) योजना के अंतर्गत कॉक्लिअर इम्प्लांट पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में पूर्वोत्तर क्षेत्र के सात राज्यों से 31 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। असम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा से ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट सहित अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम से विशेष शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

यह कार्यक्रम बहुत सार्थक और आवश्यक था। इसने दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की योजना के तहत कॉक्लिअर इम्प्लांट के लिए वित्तीय और सहायक सहायता पर महत्वपूर्ण अद्यतित जानकारी सफलतापूर्वक प्रसारित की। ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट और अस्पताल एडिप (ADIP) के तहत कॉक्लिअर इम्प्लांट के लिए खुद को सूचीबद्ध करने के लिए उत्सुक थे।

9.1.2. राज्य स्तरीय सीआरई कार्यक्रम

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई द्वारा 21 मार्च, 2024 को पुनर्वास पेशेवरों के लिए एक्सेसिबिलिटी डिजिटल टेक्नोलॉजी और ऑडिटरी वर्बल थेरेपी पर राज्य स्तरीय सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) कार्यक्रम एससीईआरटी,

मिजोरम सरकार, चल्तलांग, आइजोल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. पी ज़ोमिंगलियानी, निदेशक, एससीईआरटी, मिजोरम सरकार, चल्तलांग, आइजोल ने किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न डोमेन क्षेत्रों के 57 से अधिक पुनर्वास पेशेवरों के साथ परस्पर संवादात्मक सत्र शामिल थे।

इस एक दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष शिक्षकों, ऑडियोलॉजिस्ट और अन्य पुनर्वास पेशेवरों को आवश्यक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से प्रदान करना था, ताकि वे वाक् और श्रवण दिव्यांगजन छात्रों की सहायता कर सकें। कार्यक्रम में शिक्षा में सुलभता को समझना, शैक्षिक सहायता के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना, श्रवण मौखिक चिकित्सा (AVT) के सिद्धांत और तकनीक, और छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली मनोवैज्ञानिक-सामाजिक चुनौतियों का समाधान करना जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं और क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रदर्शन भी किए गए। उल्लेखनीय सत्रों में 21 प्रकार की दिव्यांगताओं और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPWD), 2016 का अवलोकन, एवीटी के महत्व पर चर्चा और सुलभ मीडिया के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी उपकरणों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल थे। प्रतिभागियों को समावेशी शिक्षण वातावरण बनाने और वाक् और श्रवण दिव्यांगजनों के लिए समावेशी और सहायक शैक्षिक वातावरण बनाने के लिए भावनात्मक कल्याण का समर्थन करने के लिए सहयोगी दृष्टिकोणों में भी शामिल किया गया था।

9.2. डायग्नोस्टिक और फिटमेंट शिविर

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई ने मेघालय के शिलांग, मिजोरम के चम्फाई, ह्नाहलान, जोकावथर और आईज़ोल तथा उत्तरी त्रिपुरा में छह डायग्नोस्टिक और फिटमेंट कैंप आयोजित किए। इन कैंपों से कुल 709 लोगों को लाभ मिला, जिनमें से 227 लोगों को 271 श्रवण यंत्र लगाए गए।

10. राजभाषा कार्यान्वयन

वर्ष 2023-24 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन संबंधित संक्षिप्त विवरण

- प्रतिवेदन वर्ष के दौरान हिंदी और अंग्रेजी में क्रमशः 2585 और 2413 पत्र जारी किए गए। राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत कुल 196 दस्तावेज द्विभाषी रूप में जारी किए गए। इस वर्ष हिंदी और अंग्रेजी में क्रमशः 1073 और 712 पृष्ठों पर टिप्पणियां लिखी गईं।

- प्रतिवेदन वर्ष के दौरान संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें 30.06.2023, 03.10.2023, 29.12.2023 और 15.03.2024 को आयोजित की गईं।

डॉ. राजू आराख, निदेशक (स्थानापन्न) एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई द्वारा विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक पर चर्चा।

- प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 23.06.2023, 25.09.2023, 19.12.2023 और 14.03.2024 को 4 ऑनलाइन/ऑफलाइन हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

- संस्थान की ओर से 31.05.2023 और 11.04.2023 को दो नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें हिंदी अधिकारी और हिंदी अनुवादक ने भाग लिया। नराकास की बैठकें नौवहन महानिदेशालय, कांजुर मार्ग (पूर्व), मुंबई की अध्यक्षता में सम्पन हुई।

- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने संघ के सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने तथा सभी वैधानिक एवं कानूनी प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण

जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इन जिम्मेदारियों के तहत हर साल 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष 'हिंदी दिवस' और तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन 14 और 15 सितंबर, 2023 को पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित किया गया। राजभाषा सम्मेलन में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और स्वायत्त निकायों के लगभग 10000 से अधिक अधिकारीगण/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सम्मेलन में अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई की ओर से हिंदी अधिकारी शामिल हुए।

तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, पुणे महाराष्ट्र

तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, पुणे, महाराष्ट्र का एक दृश्य

- इसके के अलावा, संस्थान के कर्मचारियों द्वारा 14 से 29 सितंबर, 2023 तक उत्साह के साथ 'हिंदी-पखवाड़ा' मनाया गया। पखवाड़े के दौरान हिंदी अनुभाग ने संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के बीच राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं, जैसे हिंदी निबंध लेखन, कविता लेखन, नारा लेखन और हिंदी प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन किया, जिसके बाद पुरस्कार वितरण किया गया।

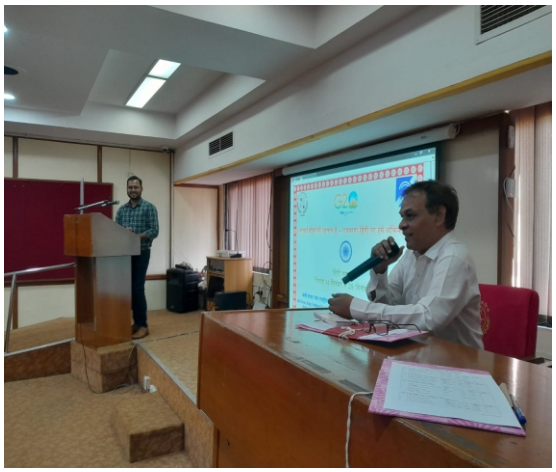
हिंदी पखवाड़ा समारोह की झलक- सितंबर, 2023

हिंदी पखवाड़ा समारोह की झलक- सितंबर, 2023

हिंदी पखवाड़ा समारोह की झलक- सितंबर, 2023

हिंदी पखवाड़ा समारोह की झलक- सितंबर, 2023

- क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान ने 27 फरवरी 2024 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोलकाता-2, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों के लिए "हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता" का आयोजन किया। संस्थान (आरसी, कोलकाता) को इसके आयोजन के लिए प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

श्री बी. नागेश्वर राव, सहायक निदेशक और डॉ. पी. मजूमदार, एसडब्ल्यूओ, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोलकाता-2 द्वारा हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजन के लिए शील्ड प्राप्त करते हुए।

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, में हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए प्रशंसा शील्ड।

- प्रतिवेदन वर्ष के दौरान हिंदी के प्रगामी प्रयोग/राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में 22 विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट प्रस्तुत की गईं जिनमें मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक, की गई कार्रवाई/अनुपालना रिपोर्ट, हिंदी सलाहकार समिति हेतु रिपोर्ट आदि राजभाषा विभाग-गृह मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय-भारत सरकार, क्षेत्रीय कार्यालय, राजभाषा विभाग, नवी मुंबई तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मुंबई-उत्तर को भेजी गई रिपोर्ट शामिल हैं।

- संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए हिंदी का ज्ञान सृजित करने हेतु चार पात्रिकाओं की सदस्यता ली गई हैं।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा निम्नलिखित अनुवाद, टंकण, सुधार/संशोधन एवं प्रूफरीडिंग कार्य निष्पादित किए गए।

विषय वस्तु	पृष्ठों की सं.
वार्षिक रिपोर्ट 2022-23	150
वार्षिक प्रतिवेदन समीक्षा एवं विलंबित रिपोर्ट-2022-23	010
डी एड/बी एड/एम एड आदि प्रवेश/वार्षिक आरसीआई प्रश्न पत्र	097
मानक फॉर्म	010
अन्य हिंदी/मराठी सामग्रियां	105
विविध कार्य	265

संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के संबंध में आरसी और सीआरसी को समय-समय पर दिशानिर्देश जारी किए जाते हैं।

आरसी एवं सीआरसी में राजभाषा कार्यान्वयन गतिविधियों की निगरानी के लिए, हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा नीति के अनुपालन के लिए सभी केन्द्रों को वार्षिक कार्यक्रम, त्रैमासिक रिपोर्ट, सरकारी सहायक दस्तावेज, संदर्भ सामग्री, प्रोत्साहन योजनाएं, विभिन्न पुरस्कार योजनाएं, प्रशासनिक शब्दावली, सरल शब्दावली तथा सहायक पुस्तकें - कार्यालय सहायक आदि उपलब्ध कराई गईं।

11. अन्य गतिविधियं

11.1 आंतरिक शिकायत समिति

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान में यौन उत्पीड़न संबंधी समस्याओं का निवारण करने के उद्देश्य से एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है और डॉ गायत्री आहूजा, रीडर एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, आंतरिक शिकायत समिति (आई सी सी) की अध्यक्षा हैं। इसका प्राथमिक उद्देश्य, संस्थान की महिला अधिकारियों/कर्मचारियों और विद्यार्थियों को कार्य करने और पढ़ने हेतु सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। समिति, महिला स्टाफ और विद्यार्थियों की शिकायतों का समाधान करती है। वर्ष 2022-23 में समिति द्वारा किए गए कार्यों की रिपोर्ट निम्नवत है:-

क्र. सं.	विवरण	मामलों की सं.
01	प्रतिवेदन वर्ष में यौन उत्पीड़न संबंधित प्राप्त शिकायतें	03
02	प्रतिवेदन वर्ष में निवारण की गई शिकायतें	03
03	90 दिन से अधिक दिन तक लम्बित मामलें	शून्य
04	वर्ष के दौरान यौन उत्पीड़न के बारे में जागरुकता हेतु आयोजित की गई कार्यशालाएं	01
05	कार्रवाई की प्रकृति	प्रतिवेदन वर्ष के दौरान सभी मामलों का समाधान किया गया।

11.2 अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान में जब से अनुसूचित जाति/ जनजाति प्रकोष्ठ की स्थापना हुई है तब से इस प्रकोष्ठ में भारत सरकार द्वारा आरक्षण विषय संबंधित मामलों पर समय-समय पर जारी किए गए आदेशों, मानदंडों, दिशा-निर्देशों और अन्य अनुदेशों को कार्यान्वित किया जाता है। प्रतिवेदन वर्ष में कक्ष की गतिविधियों का वर्णन निम्नवत है।

- अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान के सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया में आरक्षण का कार्यान्वयन।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्र एवं छात्राओं को प्राथमिकता के आधार पर छात्रावास में प्रवेश।
- दिव्यांगजनों के लिए रोस्टर को कार्यान्वित किया गया जिसमें संस्थान, उसके क्षेत्रीय केंद्र और समेकित क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमों में प्रवेश भी शामिल है।
- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों/छात्रों के लिए प्रदत्त सुविधाओं को इस संस्थान द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, 2023-24 के दौरान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां भी की गईं।

संस्थान में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान के आवासीय परिसर में रहने वाले सभी अधिकारीगण/कर्मचारीगण उनके परिवार के सदस्य और छात्र तथा शामिल हुए।

- संस्थान में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की पुण्यतिथि को 'महापरिनिर्वाण दिवस' के रूप में आयोजित किया गया तथा महान भारतीय समाजवादी नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संस्थान के सभी कर्मचारी इसमें शामिल हुए।

11.3 सतर्कता प्रकोष्ठ

केंद्रीय सतर्कता अधिनियम (2003) के अनुसार सतर्कता प्रकोष्ठ का सृजन किया गया और मंत्रालय के आदेशानुसार डॉ राजीव जलवी, विभागाध्यक्ष, श्रवणविज्ञान विभाग को सतर्कता अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। संस्थान में सतर्कता सप्ताह मनाया गया। सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने शपथ ली और ने नारा लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया। सतर्कता प्रकोष्ठ सक्रिय रूप से संस्थान, इसके क्षेत्रीय केंद्रों और समेकित क्षेत्रीय केंद्रों के कामगाज की निगरानी करता है।

11.4 लोक शिकायतें

प्रतिवेदन वर्ष 2023-24 के दौरान संस्थान में कुल 29 शिकायतें प्राप्त हुई (28 प्राप्त हुई और एक पर आगे कार्रवाई जारी है।) जिनमें से 26 का समाधान इसी वर्ष के दौरान किया गया।

11.5 नियोजन प्रकोष्ठ

अ.या.ज.रा.वा.श्र.दि. संस्थान के नियोजन प्रकोष्ठ का उद्देश्य रोजगार की दुनिया और प्रशिक्षु छात्रों के बीच एक इंटरफेस बनाना है जिससे छात्रों को पारस्परिक रूप से लाभ हो। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न स्कूलों, संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों तथा रिक्रूटिंग एजेन्सी से 50 रिक्त पदों संबंधी 18 विज्ञापन प्राप्त हुए। इन निवेदनों की सूचना नोटिस बोर्ड और वेबसाइट डिसप्ले के माध्यम से प्रदर्शित की गई है। सुश्री विधि शाह, पुनर्वास अधिकारी (आउटसोर्स) को नियोजन अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

11.6 अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट, गोवा-2024

संस्थान ने 8 से 13 जनवरी, 2024 तक दिव्यांगजन राज्य आयुक्त, गोवा, समाज कल्याण निदेशालय, गोवा सरकार और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा

आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट, गोवा-2024 में भाग लिया।

संस्थान ने वहां चार स्टॉल लगाए- संस्थान सूचना स्टॉल, 'चुनौतीपूर्ण गतिविधियां' आधारित संवेदीकरण कार्यक्रम स्टॉल, श्रवण जांच शिविर और 'मिनी सी.डी.ई.आई.सी.' स्टॉल। लगभग 150 व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं, सेवाओं, दिव्यांगजनों के सामने आने वाली चुनौतियों आदि के बारे में जागरूक किया। इस कार्यक्रम के लिए आरसी और सीआरसी के कर्मचारियों को भी तैनात किया गया था।

11.7 वार्षिक दिवस समारोह

संस्थान ने 9 अगस्त, 2023 को अपना 40वां वार्षिक दिवस पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया, जिसमें पूरे स्टाफ और छात्र समुदाय ने भाग लिया। इस अवसर पर कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसके बाद शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

12. समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, भोपाल

12.1 परिचय

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरु किया गया यह एक सर्विस मॉडल है। सीआरसी, भोपाल की स्थापना 14 अगस्त, 2000 को की गई। यह केंद्र फरवरी, 2006 से अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई के प्रशासानिक नियंत्रण में कार्यरत है। 3.63 एकड़ भूमि पर प्लिंथ एरिया 1675 वर्ग मी. पर बनाया गया इसका भवन बाधा मुक्त है।

सीआरसी, भोपाल की स्थापना सभी उम्र और श्रेणियों के दिव्यांगजनों के प्रशिक्षण और सेवा के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के निमार्ण के उद्देश्य से की गई थी। केंद्र में आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम, 2016 में परिभाषित सभी प्रकार के दिव्यांगजनों हेतु निम्नलिखित सात गतिविधियां निष्पादित करने के लिए चिकित्सा, पैरामेडिकल और पुनर्वास विषयों के पेशेवर उपलब्ध हैं।

i. प्रशिक्षण -दिव्यांगजन पुनर्वास हेतु स्नातकोत्तर डिप्लोमा एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम
ii. अल्पाविधि प्रशिक्षण- अभिविन्यास, पुनश्चर्या, सीआरई और अन्य कार्यक्रम
iii. सेवाएं- बहु/अंतर/ट्रांस विषयक मॉडल पर केंद्र आधारित पुनर्वास कार्यक्रम
iv. अभिभावक और परिवारिक सहायता- अभिभावक प्रशिक्षण, एवं पनुर्वास कार्यक्रम
v. जागरूकता कार्यक्रम- दिव्यांगता, सशक्तिकरण, समुदाय का समर्थन आदि हेतु
vi. आऊटरीच कार्यक्रम- शिविर और समुदाय आधारित पुनर्वास सेवाएं
vii. अनुसंधान एवं विकास- मध्य भारत की संस्कृति और सामाजिक मानदंडों के लिए उपयुक्त

12.2 दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीआरसी, भोपाल द्वारा वर्ष 2023-24 के दौरान संचालित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम यह सभी पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हैं।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	मान्यता	पाठ्यक्रम अवधि	छात्र क्षमता	2023-24 में दाखिल	पात्रता/चयन पद्धति
01	श्रवण, भाषा एवं वाक् में डिप्लोमा - डीएचएलएस	आरसीआई, नई दिल्ली	1 वर्ष	30	29	मेरिट आधारित

02	शिक्षा में डिप्लोमा - विशेष शिक्षा (बौद्धिक विकलांगता) - डी.एड-स्पेशल.एड. (आईडी)	आरसीआई, नई दिल्ली	2 वर्ष	35	19	आरसीआई के मानदंडों के अनुसार मेरिट आधारित
03	पुनर्वास मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीआरपी)	बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल	1 वर्ष	20	18	एमपी ऑनलाइन, उच्च शिक्षा पोर्टल के माध्यम से मेरिट आधारित ई-प्रवेश

12.3 अल्पाविधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

केंद्र ने प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पेशेवरों, सरकारी संगठनों/गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

क्र.सं	कार्यक्रम का शीर्षक	लक्ष्य समूह	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या	स्थान
1.	सिकल सेल रोग का पुनर्वास	चिकित्सक	19.06.2023	34	जीएमसी, भोपाल
2	कार्यात्मक शैक्षणिक धन अवधारणा को बढ़ाना	अभिभावक	28.06.2023	32	सीआरसी, भोपाल
3	तनाव प्रबंधन विश्रांति चिकित्सा और रचनात्मक जीवन शैली	अभिभावक	20.07.2023	25	सीआरसी, भोपाल
4	बाल संरक्षण	अभिभावक	17.08.2023	32	सीआरसी, भोपाल
5	दिव्यांगजनों के लिए सरकारी योजनाएं एवं सुविधाएं	एनजीओ/डीपीओ और माता-पिता	06.09.2023	23	सीआरसी, भोपाल
6	श्रवण बाधित व्यक्ति के लिए सहायक तकनीक	सामान्य और समावेशी स्कूल शिक्षक	15.09.2023	49	आरआईइ, भोपाल

7	सामुदायिक कौशल कैसे सुधारें	अभिभावक	27.09.2023	21	सीआरसी, भोपाल
8	क्रोध प्रबंधन	मनोवैज्ञानिक और अन्य पुनर्वास पेशेवर	10.10.2023	37	सीआरसी, भोपाल
9	आईइपी और आईडीडी का विकास	विशेष/समावेशी स्कूल शिक्षक और अन्य पुनर्वास पेशेवर	18.10.2023	35	एसओएस बालग्राम, भोपाल
10	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए योग, ध्यान और संगीत चिकित्सा की भूमिका	अभिभावक	31.10.2023	47	सीआरसी, भोपाल
11	कार्यस्थल व्यवहार	अभिभावक	21.11.2023	32	सीआरसी, भोपाल
12	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए व्यवहार संशोधन	विशेष शिक्षक और समावेशी स्कूल शिक्षक	28.11.2023	62	बीयू, भोपाल
13	वयस्कता में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याएं	अभिभावक	14.12.2023	37	सीआरसी, भोपाल
14	डीबी और एमडीवीआई बच्चों के माता-पिता के साथ काम करना (सीआरई)	विशेष शिक्षक और थेरापिस्ट्स	19.12.2023 से 21.12.2023	36	सीआरसी, भोपाल
15	व्यावसायिक प्रशिक्षण का महत्व	अभिभावक	18.01.2024	35	सीआरसी, भोपाल
16	कक्षा में लिखावट संबंधी कठिनाइयों से निपटने की रणनीतियां	सामान्य स्कूल शिक्षक और पुनर्वास पेशेवर	30.01.2024	42	एसओएस, भोपाल
17	स्कूल की तैयारी और पूर्व-शिक्षण कौशल	विशेष शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और पुनर्वास पेशेवर	06.02.2024	49	निदान, भोपाल
18	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए खेल की भूमिका और मनोरंजक कौशल	अभिभावक	21.02.2024	34	सीआरसी, भोपाल
19	लेखन विकार (डिसग्राफिया): मूल्यांकन और निदान (सीआरई)	विशेष शिक्षक और थरापिस्ट्स	12.03.2023 से 14.03.2023	28	सीआरसी, भोपाल
20	एएसी में हालिया प्रगति (सीआरई)	ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच लैंग्वेज	19.03.2023 से	21	सीआरसी, भोपाल

		पैथोलॉजिस्ट, विशेष शिक्षक	21.03.2023		

12.4 नैदानिक सेवाएं

सीआरसी, भोपाल में सभी श्रेणियों के दिव्यांगजनों को सेवाएं प्रदान की जाती है। केंद्र ने प्रतिवेदन वर्ष के दौरान केंद्र में और शिविरों के माध्यम से 1509 नए ग्राहकों, 13108 अनुवर्ती ग्राहकों और 46314 सहायता सेवाएं प्रदान की। केंद्र ने 672 लाभार्थियों को 1094 सहायता/उपकरण वितरित किए/लगाए।

सीआरसी-भोपाल कुछ ऐसे शुरुआती सीआरसी में से एक है, जहां 3 दशकों से अधिक समय से प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र मौजूद है। क्रॉस डिसेबिलिटी अर्ली इंटरवेंशन सेंटर (सीडीईआईसी), भोपाल ने वर्ष 2023-24 में 409 नए ग्राहकों, 6828 अनुवर्ती ग्राहकों और 6 वर्ष से कम उम्र के 20758 बच्चों को सहायता सेवाएं प्रदान की हैं।

12.5 जागरूकता गतिविधियां

सीआरसी, भोपाल वर्ष 2023-24 के दौरान दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए छात्रों के केंद्र दौरे, प्रदर्शनियों, लेखों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्लेटफार्मों आदि के माध्यम से कई जागरूकता गतिविधियों में शामिल रहा।

12.6 आउटरीच गतिविधियां

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान एडिप गतिविधियों को अर्जुन पोर्टल पर स्थानांतरित कर दिया गया और केंद्रीय नोडल एजेंसी जैसे कि एलिम्को, सीआरसी, भोपाल के तहत 17 शिविर आयोजित किए जिनमें से 06 शिविर सीआरसी-भोपाल द्वारा बालाघाट में और 11 शिविर एलिम्को द्वारा नर्मदापुरम और शिवपुरी जिलों में आयोजित किए गए। आउटरीच गतिविधियों के तहत कुल 1293 लाभार्थियों की पहचान की गई।

12.7 कौशल विकास

सीआरसी, भोपाल ने प्रधानमंत्री दक्ष योजना के अंतर्गत 15.02.2024 से बौद्धिक दिव्यांगजनों के लिए सहायक पौधा देखभालकर्ता (माली) में सर्टिफिकेट कोर्स की शुरुआत की। कुल 15 प्रशिक्षु इस पाठ्यक्रम में दाखिल हैं।

12.8 दिव्य कला शक्ति

दिव्य कला शक्ति- एक सांस्कृतिक कार्यक्रम 05.01.2024 को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम, इंदौर में आयोजित किया गया। कुल 83 दिव्यांग कलाकारों ने 29

प्रदर्शनों में भाग लिया, जिसमें लगभग 1,000 दर्शक शामिल हुए। श्री तुलसी सिलावट, माननीय कैबिनेट मंत्री, जल संसाधन, मध्य प्रदेश सरकार और श्री शंकर लालवानी, माननीय सांसद, इंदौर के साथ इंदौर के कई गणमान्य व्यक्तिगण उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। श्री राजेश कुमार यादव, संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार पूरे कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे। आदरणीय श्री राजेश कुमार यादव ने माननीय मंत्री, डॉ वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से भाषण पढ़ा। श्री राजेश कुमार यादव, संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने सभी प्रतिभागियों की उनके गुणवत्तापूर्ण प्रदर्शन के लिए सराहना की और साथ ही सीआरसी-भोपाल और सीआरसी-छतरपुर के अधिकारियों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और कार्यक्रम को सफल बनाने के उनके प्रयासों की भी सराहना की।

12.9 दौरा

माननीय राज्य मंत्री, सुश्री प्रतिमा भौमिक, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने श्री राजेश यादव, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के साथ 5 जुलाई, 2023 को सीआरसी, भोपाल का दौरा किया और दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के संदर्भ में सीआरसी कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।

12.10 प्रदान की गई विभिन्न सेवाओं की आलेखिये प्रस्तुति

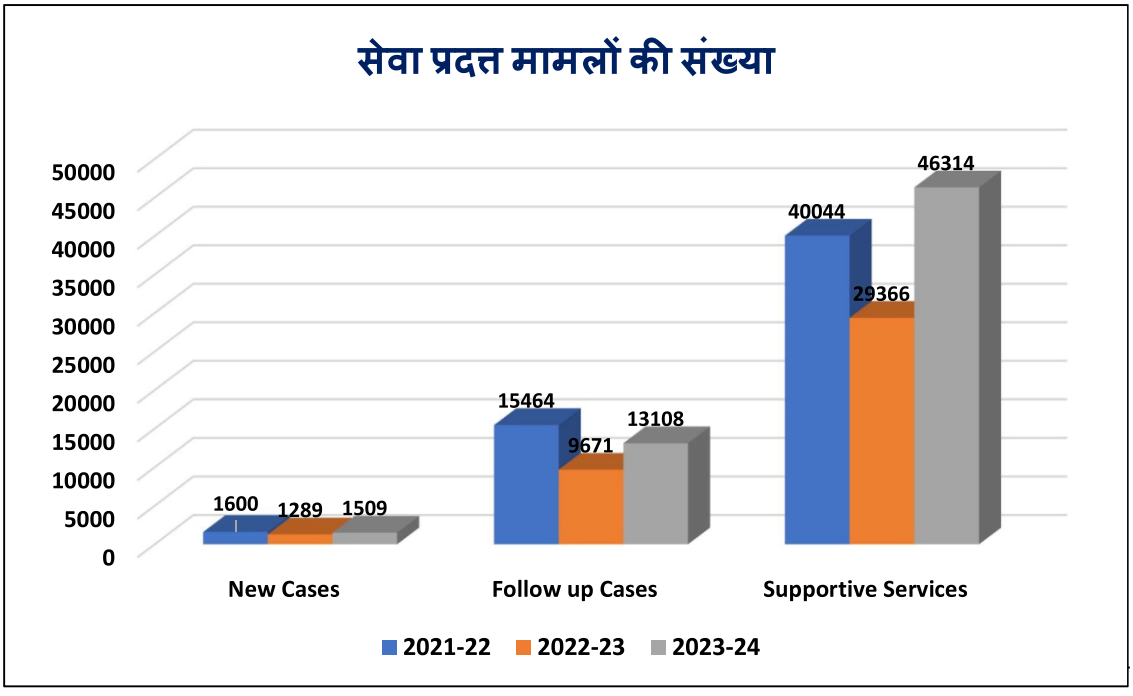

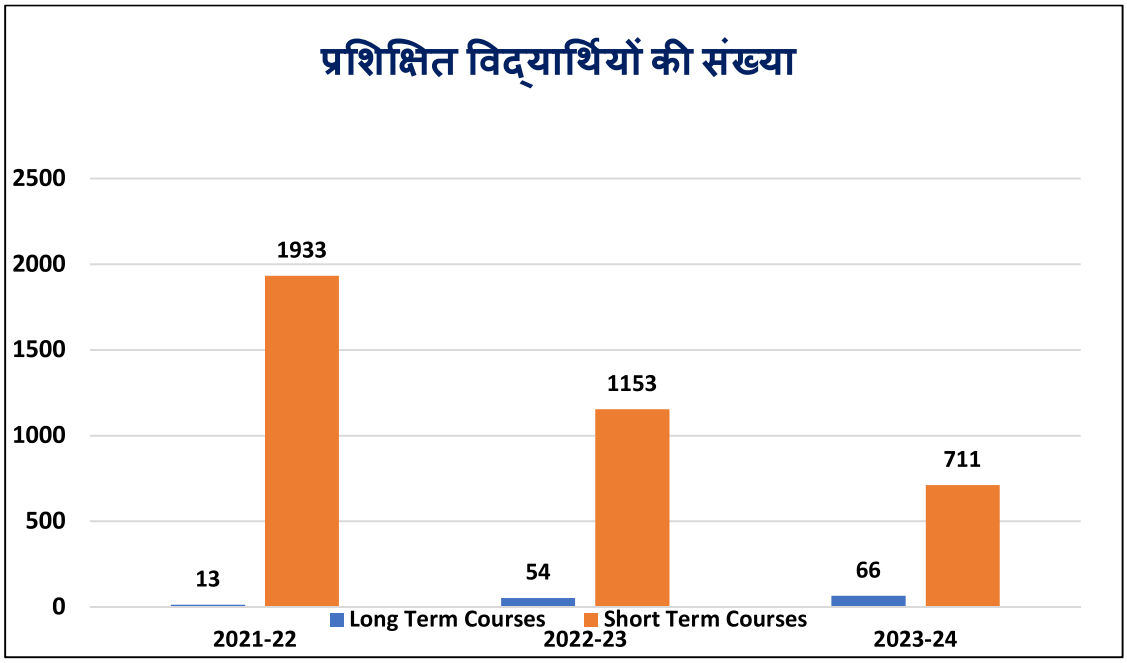
प्रशिक्षित विद्यार्थियों की संख्या
2500
2000
1500
1000
500
0
1933
1153
711
13
54
66
Long Term Courses
Short Term Courses
2021-22
2022-23
2023-24

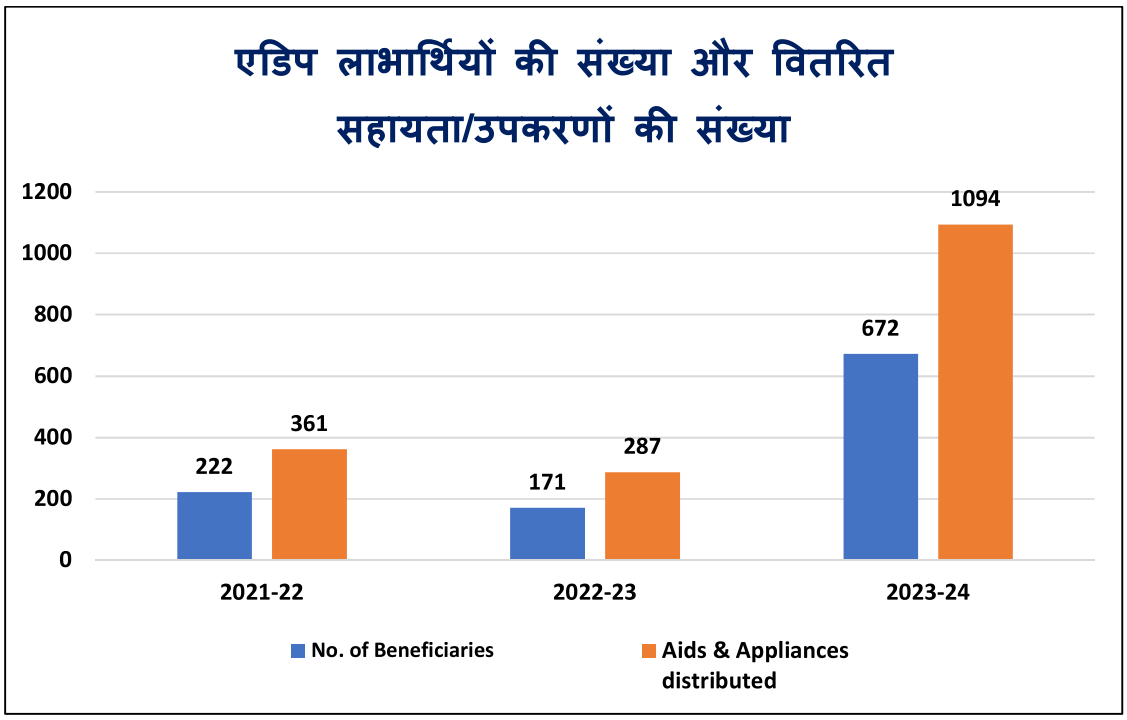
एडिप लाभार्थियों की संख्या और वितरित सहायता/उपकरणों की संख्या
1200
1000
800
600
400
200
0
1094
672
361
287
222
171
2021-22
2022-23
2023-24
No. of Beneficiaries
Aids & Appliances distributed

13. समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, अहमदाबाद

13.1 परिचय

दिव्यांगजनों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), अहमदाबाद, गुजरात की स्थापना 16 अगस्त, 2011 को की गई थी और यह अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यरत है। सीआरसी, अहमदाबाद में विभिन्न पुनर्वास गतिविधियों को शुरू करने और निष्पादित करने के लिए विभिन्न विषयों के पेशेवर मौजूद हैं।

13.2 दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीआरसी, अहमदाबाद में आरसीआई, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त दो वर्ष अवधि का डी.एड. विशेष शिक्षा (आईडीडी) पाठ्यक्रम संचालित करता है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, इस पाठ्यक्रम में 38 छात्र दाखिला लिया।

13.3 अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम/वेबिनार्स

दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, सीआरसी, अहमदाबाद ने दिव्यांगता पुनर्वास के क्षेत्र में पेशेवरों, शैक्षणिक कर्मियों, दिव्यांग बच्चों के माता-पिता, सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम/वेबिनार आयोजित किए। केंद्र ने ऑफ़लाइन तथा ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किए और सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों के पेशेवरों और कर्मियों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम/वेबिनार आयोजित किए।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, 2388 पुनर्वास पेशेवरों, विशेष शिक्षकों, अभिभावकों और दिव्यांगजनों को लाभान्वित करने के लिए 27 वेबिनार/अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	दिनांक	विषय	लक्ष्य समूह	प्रतिभागियों की संख्या
1	15 जून, 2023	दिव्यांगजनों के लिए 24 घंटे आसन देखभाल प्रबंधन की ई-कार्यशाला (मोटिवेशन इंडिया के साथ)	पुनर्वास पेशेवर	100
2	26 जून, 2023	दिव्यांग बच्चों के लिए एसटी/ओटी/पीटी पर माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम: रणनीतियां और विधियां	दिव्यांगजनों के माता-पिता	62
3	1 और 2 जुलाई, 2023	क्षेत्रीय स्तर कार्यशाला व्यक्तिगत शैक्षिक प्रोग्रामिंग (आईईपी)	आरसीआई पंजीकृत पेशेवर	75
4	20 जुलाई, 2023	सेरेब्रल पाल्सी ग्रस्त बच्चे के लिए घर और कक्षा में बैठने की विशेष व्यवस्था	नर्सिंग छात्र	77
5	26 जुलाई, 2023	दिव्यांगता पुनर्वास पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता	15
6	18 सितंबर, 2023	सीडब्लूएसएन के लिए गृह आधारित प्रशिक्षण और प्रबंधन	दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	50
7	30 सितंबर, 1 और 2 अक्टूबर, 2023	पाठ्यक्रम योजना एवं विकास पर क्षेत्रीय स्तरीय कार्यशाला	आरसीआई पंजीकृत पेशेवर	97
8	9 नवंबर, 2023	दिव्यांगता जागरूकता पर कार्यशाला	सामान्य स्कूल शिक्षक	60
9	12 जनवरी, 2024	प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक में एर्गोनोमिक सिद्धांत	आरसीआई पंजीकृत पेशेवर	51
10	5 और 6 जनवरी, 2024	व्यक्तिगत व्यावसायिक परिवर्तन योजना (आईवीटीपी) पर क्षेत्रीय स्तरीय कार्यशाला (सीआरई स्थिति)	आरसीआई पंजीकृत पेशेवर	80
11	28 जून, 2023	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों में फिजियोथेरेपी के लिए घरेलू रणनीतियां	छात्र एवं शिक्षक	60
12	26 अक्टूबर, 2023	फिजियोथेरेपी कॉलेज के छात्रों में जागरूकता कार्यक्रम	छात्र एवं शिक्षक	70
13	15 दिसंबर, 2023	दिव्यांगजनों के लिए अधिनियम और योजनाएं	छात्र एवं शिक्षक	65

14	26 और 27 दिसंबर, 2023	दिव्यांगता पुनर्वास में सामाजिक सुरक्षा और कानूनी पहलू	आरसीआई पंजीकृत पेशेवर	47

विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम	लक्ष्य समूह	प्रतिभागियों की संख्या
1	18 मई, 2023	सार्वभौमिक सुगम्यता जागरूकता दिवस (जी.ए.ए.डी.)	छात्र एवं शिक्षक	64
2	24 मई, 2023	विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस	दिव्यांगजन एवं अभिभावक	18
3	30 मई, 2023	विश्व मल्टीपल स्केलेरोसिस दिवस	अभिभावक	72
4	19 जून, 2023	विश्व सिकल सेल दिवस	अभिभावक	300
5	21 जून, 2023	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	स्टाफ, संकाय, छात्र और अभिभावक	300
6	27 जून, 2023	हेलेन केलर दिवस	अभिभावक एवं छात्र	55
7	23 सितंबर, 2023	अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस/ विश्व बधिर दिवस	छात्र	5
8	24 से 30 सितम्बर, 2023	अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह	छात्र	5
9	6 अक्टूबर, 2023	विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस	छात्र & अभिभावक	50
10	7-12 अक्टूबर, 2023	मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह	छात्र & अभिभावक	50
11	27 अक्टूबर, 2023	विश्व व्यावसायिक चिकित्सा दिवस	दिव्यांग छात्र गण	100
12	5 नवंबर, 2023	अंतर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स दिवस	दिव्यांग छात्र गण	75
13	31 अक्टूबर, 2023	राष्ट्रीय एकता सप्ताह (एकता के लिए दौड़)	छात्र, कर्मचारी एवं अभिभावक	290
14	30 अप्रैल, 2024	मोदी जी के मान की बात	स्टाफ, संकाय, छात्र और अभिभावक	100

13.4 सेवाएं

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, सीआरसी, अहमदाबाद ने 4129 नए ग्राहकों, 10937 अनुवर्ती ग्राहकों को सेवा प्रदान की तथा केंद्र और शिविरों के माध्यम से 179792 सहायता सेवाएं प्रदान कीं। केंद्र ने 03 वितरण शिविर

आयोजित किए, जिनमें 461 व्यक्तियों को लाभ मिला। केंद्र और पीएमडीके ने 2099 लाभार्थियों को 4007 सहायक उपकरण वितरित/लगाए।

केंद्र द्वारा वितरित सहायता एवं उपकरणों का विवरण नीचे दिया गया है -

क्र.सं.	यंत्र/उपकरण का नाम	वितरित यंत्र /उपकरणों की संख्या
1	बीटीई श्रवण यंत्र	570
2	वीआई के लिए स्मार्ट फ़ोन	113
3	बॅटरी ऑपरेटेड मोटोराइज्ड ट्रायसिकल	526
4	ट्रायसिकल	209
5	व्हीलचेयर	371
6	सीपी चेयर	12
7	व्हीलचेयर के साथ उपयोग के लिए सिलिकॉन फोम कुशन	213
8	नी ब्रेस	500
9	लुम्बो सैक्रल बेल्ट कॉरगैटड बॉक्स के साथ	256
10	टीएलएम किट	270
11	एक्सीलरी क्रच	128
12	प्रोस्थेसिस	04
13	ऑर्थोसिस	06
14	अन्य आइटम (वॉकर, टेट्रापॉड, रोलाटोर आदि)	820
	कुल	**4007**

13.5 दिव्य कला शक्ति

सीआरसी, अहमदाबाद ने 1 जनवरी, 2024 को दिव्यांगजनों के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम "दिव्य कला शक्ति" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री ए. नारायण स्वामी, माननीय राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार थे। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों

में श्री हसमुख भाई पटेल, सांसद, श्रीमती प्रतिभा आर. जैन, महापौर, अहमदाबाद नगर निगम शामिल थे। दिव्य कला शक्ति में 200 से अधिक प्रतिभागी और देखभालकर्ता तथा 500 दर्शक शामिल हुए।

13.6 भवन का उद्घाटन

डॉ. वीरेंद्र कुमार, माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार ने 13.08.2023 को अहमदाबाद में समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) की नए भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री ए. नारायणस्वामी, माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री, श्री विनोद चावड़ा, माननीय सांसद, कच्छ, गुजरात और श्री राजेश अग्रवाल, सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार, सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

13.5 प्रदान की गई विभिन्न सेवाओं की आलेखिये प्रस्तुति

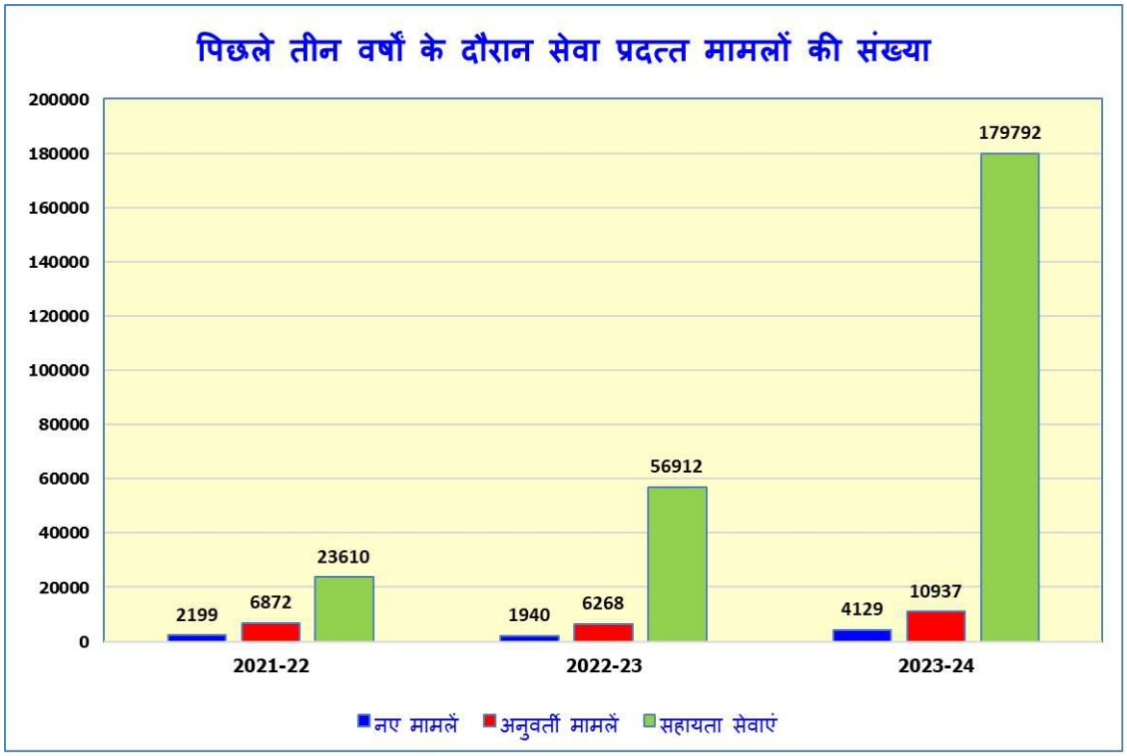

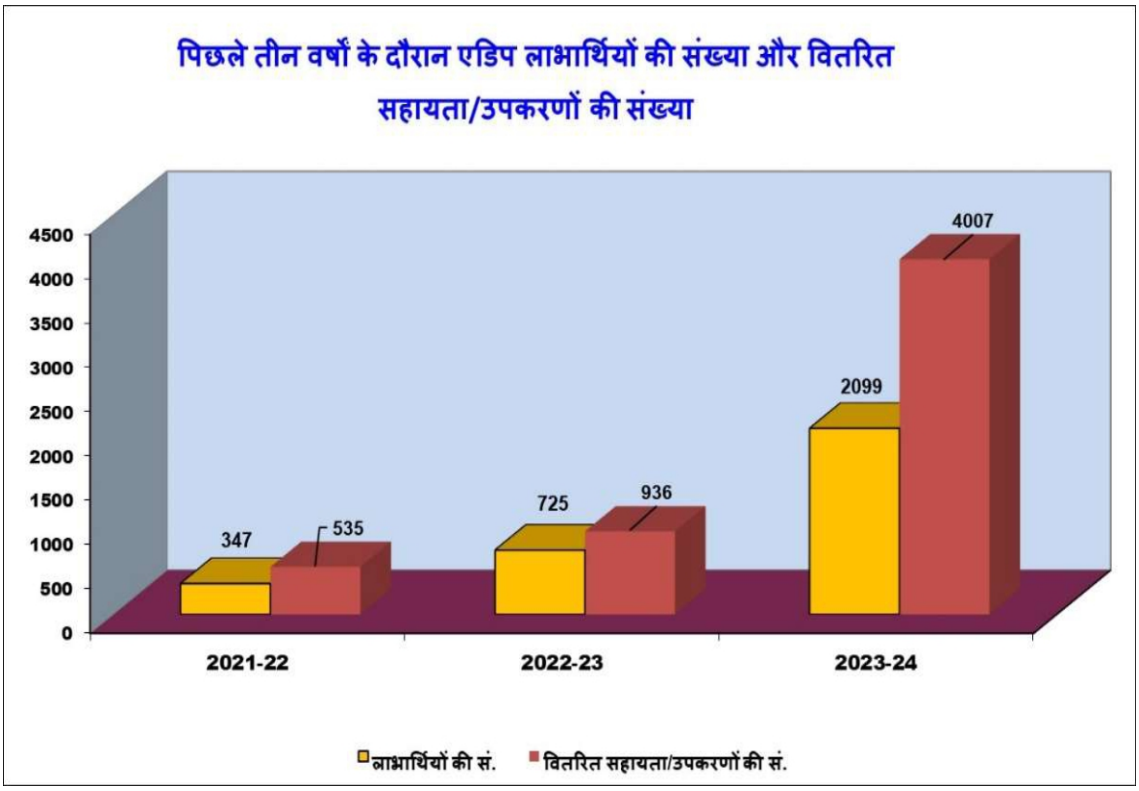

14. समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, नागपुर

14.1 परिचय

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (सीआरसी), नागपुर, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक सेवा मॉडल है, जिसकी स्थापना 13 अक्टूबर 2015 को क्रीड़ा प्रबोधिनी हॉल, यशवंत स्टेडियम, धनतोली, नागपुर में की गई थी। यहां विभिन्न विषयों के योग्य पेशेवर सभी आयु वर्ग के दिव्यांगजनों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करते हैं। यह केंद्र 1 मई, 2020 से अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् और श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य कर रहा है।

सीआरसी, नागपुर की स्थापना देश के उन हिस्सों में दिव्यांगजनों की सभी श्रेणियों को नैदानिक सेवाएं, मानव संसाधन विकास, अनुसंधान और चिकित्सा, उपचारात्मक चिकित्सा, विशेष शैक्षिक और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है, जहां इस तरह के बुनियादी ढांचे की कमी है। नैदानिक गतिविधियों के अलावा, केंद्र निम्नलिखित गतिविधियों संचालित करता है:

i. व्यावसायिक थेरेपी
ii. अभिमुखीकरण एवं गतिशीलता
iii. भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास
iv. फिजियोथेरेपी एवं प्रोस्थेटिक्स व ऑर्थोटिक्स
v. मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं
vi. विशेष शिक्षा सहायता सेवा
vii. वाक् व श्रवण सेवाएं

14.2 दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीआरसी, नागपुर ने आरसीआई, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त दो वर्ष अवधि का डी.एड. विशेष शिक्षा (आईडीडी) पाठ्यक्रम संचालित करता है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, इस पाठ्यक्रम के लिए पांच छात्रों ने दाख़िला लिया है।

14.3 अल्पविधि प्रशिक्षण कार्यक्रम/वेबिनार्स

केंद्र ने दिव्यांगता पुनर्वास के क्षेत्र में पेशेवरों, शैक्षणिक कर्मियों, दिव्यांग बच्चों के माता-पिता, सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम/वेबिनार आयोजित किए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान,

32 ऑनलाइन/ऑफ़लाइन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे 1640 लोगों को लाभ मिला। विवरण नीचे दिया गया है -

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	लक्ष्य समूह	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	स्थान
1.	एएसडी के लिए संप्रेषण विधियों पर सीआरई कार्यक्रम	विशेष शिक्षक	23-11-2023	49	शेतकरी भवन, तेलनखेड़ी, नागपुर
2.	मुख्यधारा के स्कूलों में दिव्यांग बच्चों को शामिल करने पर सीआरई कार्यक्रम	दिव्यांग बच्चे और विशेष शिक्षक	28-11-2023 से 30-11-2023	62	मूक-बधिर विद्यालय, शंकर नगर, नागपुर
3.	अध्ययन कौशल पर सीआरई कार्यक्रम	विशेष शिक्षक और मनोवैज्ञानिक	10-01-2024 से 11-1-2024	39	सी.पी. और बरार कॉलेज, रवि नगर, नागपुर
4.	आईएसएलआरटीसी, नई दिल्ली के साथ भारतीय सांकेतिक भाषा पर सीआरई कार्यक्रम	विशेष शिक्षक	06-02-2024 से 10-2-2024	60	डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सामाजिक न्याय भवन, नागपुर
5.	व्यवहार प्रबंधन पर सीआरई कार्यक्रम	विशेष शिक्षक	21-2-2024 से 22-2-2024	41	मूक-बधिर मूकबाधिर स्कूल, शंकर नगर, नागपुर
6.	दिव्यांगजनों के लिए पूर्व-व्यावसायिक और व्यावसायिक कौशल के विकास पर सीआरई कार्यक्रम	शिक्षक और विशेष शिक्षक	21-3- 2024 से 22-3-2024	43	मूक-बधिर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नागपुर
7.	डायार्चिक फुटवियर के ऑर्थोटिक प्रबंधन पर सीआरई	प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट और विशेष शिक्षक	23-03-2024	78	ऑनलाइन
8.	विविध शिक्षण आवश्यकताओं को शामिल करने की योजना पर सीआरई कार्यक्रम	विशेष शिक्षक	11-3-2024 से 12-3-2024	44	मूक-बधिर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नागपुर
9.	दिव्यांगता के क्षेत्र में नवाचार और प्रौद्योगिकी पर जागरूकता कार्यक्रम	विशेष शिक्षक गण और दिव्यांगजन	21-04-2023	114	स्कूल ऑफ स्कॉलर्स, वानाडोंगरी
10.	विश्व थैलेसीमिया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम	दिव्यांग बच्चों के माता-पिता और पुनर्वास पेशेवर	08-05-2023	0	आपका अपना रेडियो चैनल 90.8, तिरपुडे कॉलेज, नागपुर
11.	किप युवर माइंड विद मिलेट पर जागरूकता कार्यक्रम	दिव्यांग बच्चों के माता-पिता और पुनर्वास पेशेवर	08-05-2023	31	ऑनलाइन

12.	सिकल सेल विकार पर जागरूकता कार्यक्रम	दिव्यांगजन एवं सामान्यजन	19-06-2023	0	आपका अपना रेडियो चैनल 90.8, तिरपुडे कॉलेज, नागपुर
13.	विकासात्मक दिव्यांगता पर जागरूकता कार्यक्रम	विशेष आवश्यकता वाले व्यक्ति	10-07-2023	15	स्कूल ऑफ स्कॉलर्स, वानाडोंगरी
14.	छात्रों के बीच तनाव और उसके प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम	शिक्षक और पुनर्वास पेशेवर	14-07-2023	79	तिलक विद्यालय, धंतोली, नागपुर
15.	विकासात्मक दिव्यांगता और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम	पुनर्वास पेशेवर और दिव्यांगजन	04-08-2023 से 06-08-2023	80	अकलुज, सोलापुर
16.	दिव्यांग समूह के अधिकारों पर डीपीओ नेताओं के प्रशिक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम	आम जनता और पुनर्वास पेशेवर	24-08-2023	80	वायगांव गांव, वर्धा
17.	अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम	आम जनता और पुनर्वास पेशेवर	23-09-2023	30	नागपुर
18.	बौद्धिक और विकासात्मक दिव्यांग महिलाओं की स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम	नशीली दवाओं का इंजेक्शन लगाने वाले व्यक्ति (पीडब्लूआईडी)	14-09-2023	53	ऑनलाइन
19.	मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह पर जागरूकता कार्यक्रम	दिव्यांगजन, पेशेवर और छात्र	13-10-2023	58	पुरुषोत्तम थोटे कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, नागपुर
20.	समुदाय के नेताओं द्वारा दिव्यांगजनों के लिए जागरूकता कार्यक्रम	पेशेवर और शिक्षक	11-10-2023	54	जादगांव, जिला वर्धा
21.	राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने हुए जागरूकता कार्यक्रम और शपथ ग्रहण	पेशेवर	31-10-2023	112	नंदनवन मतिमंद मुलींची शाला, बुलडी, नागपुर
22.	विश्व दिव्यांगता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम	दिव्यांगजन	06-12-2023	124	शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, वानाडोंगरी, नागपुर
23.	दिव्यांगता पुनर्वास पर जागरूकता कार्यक्रम	दिव्यांगजन	18-01-2024	40	नागपुर
24.	बौद्धिक दिव्यांग बच्चों में व्यवहार संबंधी मुद्दों के	बौद्धिक दिव्यांग बच्चे और माता-पिता	04-12-2023	50	दिव्य ज्योति मतिमंद मुला

	प्रबंधन की तकनीकों पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम				मुलींची शाला, गुमठी, नागपुर
25.	घर पर बच्चों को प्रबंधित करने की तकनीकों पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिव्यांगजनों के माता-पिता	18-04-2023	22	प्रेरणा स्पेशल स्कूल, घोराद, कलमेश्वर, नागपुर
26.	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए सरकारी योजनाओं और लाभों पर माता-पिता के मार्गदर्शन पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के माता-पिता	18-04-2023	39	कोहिनूर स्पेशल स्कूल, इतवारी, नागपुर
27.	सीडब्लूआईडी के लिए टीएलएम किट के उपयोग पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिव्यांगजन, माता-पिता और शिक्षक	26-10-2023	24	ऑनलाइन
28.	स्वास्थ्य और स्वच्छता पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	पेशेवर, शिक्षक और दिव्यांगजन	17-10-2023	30	जीवन विकास सोसाइटी, वर्धा
29.	घर पर बच्चों के प्रबंधन की तकनीक और निरामय योजना के बारे में जानकारी पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	शिक्षक, विशेष शिक्षक और सीडब्ल्यूआईडी	06-11-2023	60	जीवन विकास सोसाइटी, वर्धा, नागपुर
30.	व्यवहार सुधार पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिव्यांगजन	09-11-2023	37	प्रेरणा स्पेशल स्कूल, कलमेश्वर, नागपुर
31.	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए खेल पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	विशेष आवश्यकता वाले बच्चे	30-12-2023	43	रवि नगर, नागपुर
32.	एएसडी के लिए संप्रेषण विधियों पर सीआरई कार्यक्रम	विशेष शिक्षक गण	23-11-2023	49	शेतकरी भवन, तेलनखेड़ी, नागपुर

14.3 सेवाएं

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, केंद्र ने 14255 नए ग्राहकों, 16721 अनुवर्ती ग्राहकों और 49450 सहायता सेवाओं को केंद्र में और शिविरों के माध्यम से प्रदान किया। केंद्र ने विभिन्न शिविरों और केंद्रों में 641 लाभार्थियों को 894 सहायक उपकरण वितरित किए/लगाए।

केंद्र द्वारा वितरित उपकरणों एवं सहायताओं का विवरण नीचे दिया गया है-

क्र.सं.	**यंत्रों /उपकरणों का प्रकार**	**वितरित यंत्रों की संख्या**	**क्र.सं.**	**यंत्रों /उपकरणों का प्रकार**	**वितरित यंत्रों की संख्या**
01	व्हील चेयर	25	02	एक्सिलरी क्रच	20
03	कॉर्नर सीट	0	04	सीपी चेयर	6

05	प्रोस्थेसिस	0	06	एल्बो क्रच	0
07	वॉकिंग फ्रेम	0	08	वॉकिंग केन	0
09	रोलटर	7	10	कैलीपर्स/ऑर्थोसिस	0
11	ट्राइसाइकिल	18	12	स्मार्ट फोन	50
13	टैबलेट	0	14	मैग्निफायर/लो विजन एड	15
15	फोल्डिंग/लॉन्ग केन	18	16	डेजी प्लेयर	0
17	ब्रेल किट	36	18	साउंड बॉल	4
19	अबाकस	0	20	चेस बोर्ड	5
21	अध्ययन अध्यापन सामग्री	241	22	पॉकेट टाइप हियरिंग एड	0
23	सोलर बैटरी चार्जर	0	24	बीटीई हियरिंग एड	409
25	अन्य	0	26	ट्राइपॉड केन	5
27	एमएसआईईडी किट	15	28	सुगम्य केन	20
				कुल	**894**

14.4 प्रदान की गई विभिन्न सेवाओं की आलेखिये प्रस्तुति

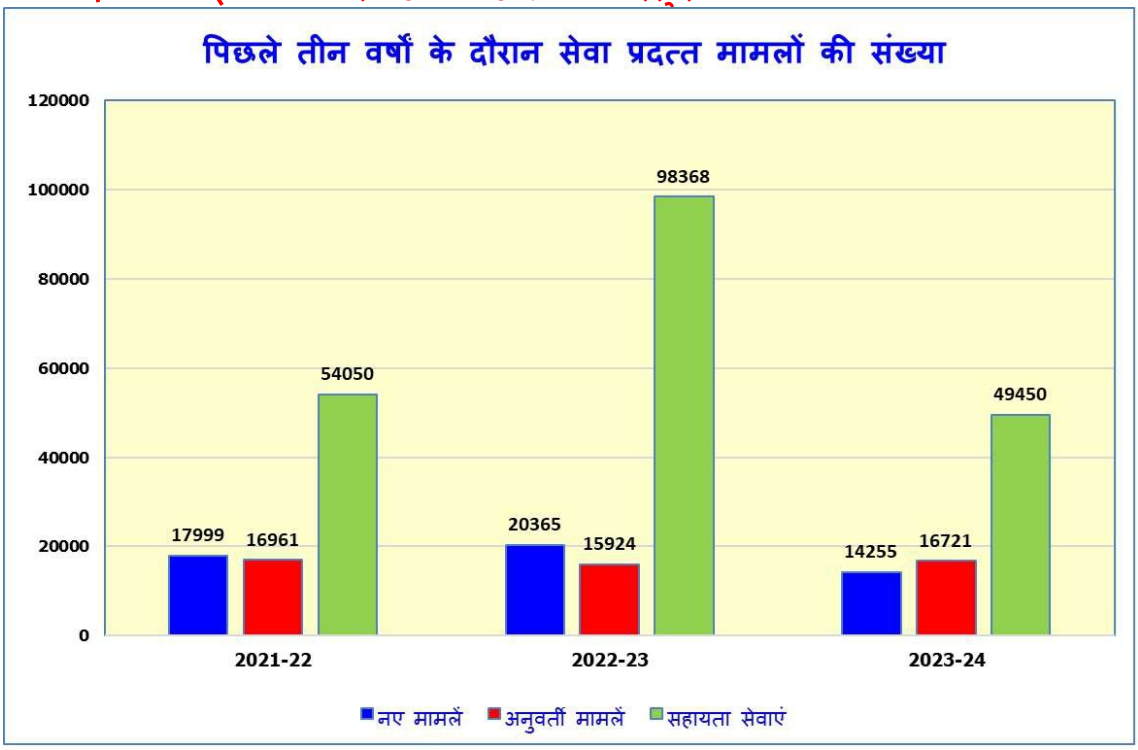

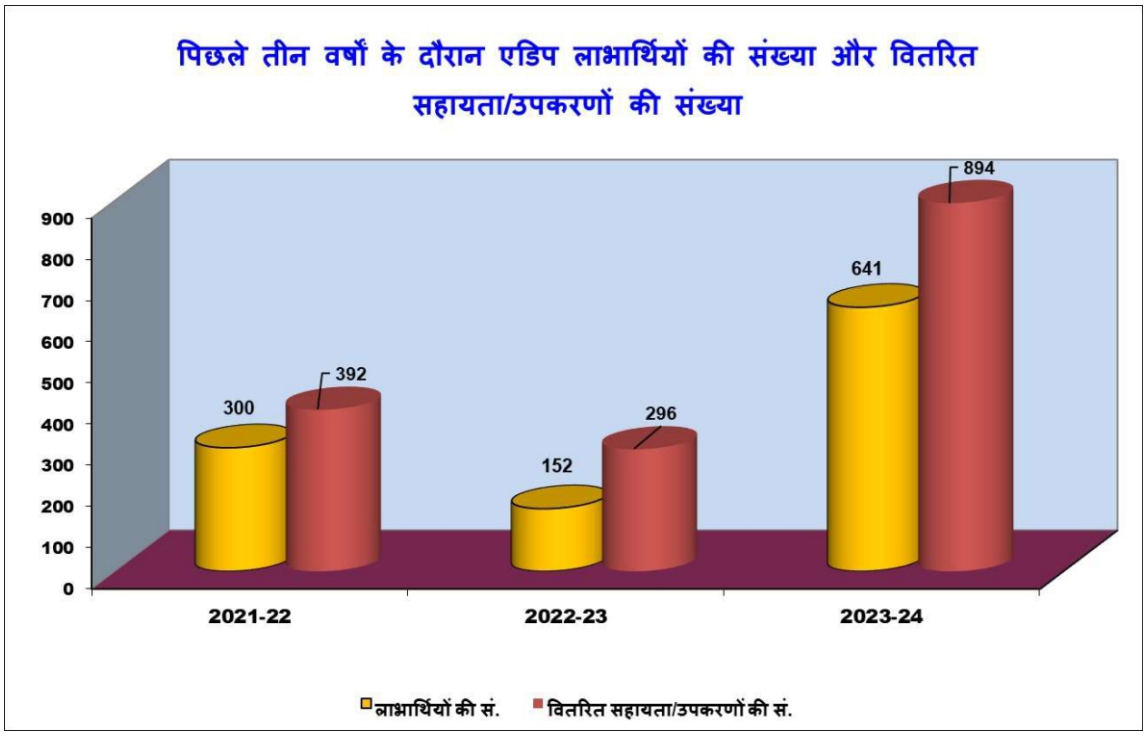
पिछले तीन वर्षों के दौरान एडिप लाभार्थियों की संख्या और वितरित सहायता/उपकरणों की संख्या
900
800
700
600
500
400
300
200
100
0
300
392
152
296
641
894
2021-22
2022-23
2023-24
लाभार्थियों की सं.
वितरित सहायता/उपकरणों की सं.

15. समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, छतरपुर

15.1 परिचय

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (सीआरसी), छतरपुर, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक सेवा मॉडल है। जिसकी स्थापना 8 अप्रैल, 2023 को डॉ वीरेंद्र कुमार, माननीय केंद्रीय मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने श्री ओम प्रकाश सकलेचा, माननीय कैबिनेट मंत्री, एमएसएमई और विज्ञान और प्रौद्योगिकी, मध्य प्रदेश सरकार की अनुग्रहपूर्ण उपस्थिति में की गई।

यह केंद्र अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य कर रहा है। इसकी स्थापना सभी आयु वर्ग के दिव्यांग व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण एवं सेवाओं के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा तैयार करने के उद्देश्य से की गई थी। केंद्र में आरपीडबल्यूडी अधिनियम, 2016 में परिभाषित सभी प्रकार के दिव्यांगजनों की सेवा करने के लिए चिकित्सा, पैरामेडिकल और पुनर्वास विषयों के पेशेवर मौजूद हैं।

15.2 अल्पावधि प्रशिक्षण/वेबिनार/जागरूकता कार्यक्रम

केंद्र ने प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पेशेवरों, सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	लक्ष्य समूह	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	स्थान
1.	एड्स जागरूकता कार्यक्रम	पेशेवर, माता-पिता और दिव्यांगजन	01.12.2023	32	सीआरसी, छतरपुर
2.	शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम	पुनर्वास पेशेवर, और शिक्षक	11 और 12.12.2023	37	मंडला, मध्य प्रदेश
3.	खेल जागरूकता कार्यशाला	दिव्यांगजन एवं अन्य	11 और 12.12.2023	36	क्रिकेट एसोसिएशन, जबलपुर

4.	जलवायु/मौसम परिवर्तन पर जागरूकता कार्यक्रम	कर्मचारी, लाभार्थी, पुनर्वास पेशेवर, माता-पिता और दिव्यांगजन	18.12.2023	42	खजुराहो, मध्य प्रदेश
5.	मूल्य शिक्षा और लैंगिक समानता पर वेबिनार	कर्मचारी, लाभार्थी, पुनर्वास पेशेवर, माता-पिता और दिव्यांगजन	18.12.2023	49	ऑनलाइन
6.	एनजीओ परिचय कार्यक्रम	कर्मचारी, लाभार्थी, पुनर्वास पेशेवर, माता-पिता और दिव्यांगजन	25.12.2023	28	उदयपुर, राजनगर, छतरपुर
7.	सीआरई कार्यक्रम (बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के लिए अवकाश सहभागिता)	पुनर्वास पेशेवर	26.12.2023	21	सीआरसी, छतरपुर
8.	मिशन लाइफ के तहत जागरूकता कार्यक्रम	कर्मचारी, लाभार्थी, पुनर्वास पेशेवर, माता-पिता और दिव्यांगजन	19.12.2023	34	माध्यमिक विद्यालय, छतरपुर
9.	श्रवण दिव्यांगजनों को भाषा सिखाने के सिद्धांतों पर वेबिनार	छात्र, अभिभावक एवं दिव्यांगजन	19.01.2024	58	ऑनलाइन
10.	नियमित स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम	शिक्षक	20.01.2024	77	माध्यमिक विद्यालय, छतरपुर
11.	संकाय विकास कार्यक्रम	पुनर्वास पेशेवर और शिक्षक	06.02.2024	32	सरकारी नवीन स्कूल, छतरपुर
12.	सीआरई कार्यक्रम - सीडब्ल्यूएसएन का शैक्षिक और चिकित्सीय प्रबंधन	पुनर्वास पेशेवर	15 और 17.02.2024	39	सीआरसी, छतरपुर
13.	कला कार्यशाला	दिव्यांगजन एवं लाभार्थी	19.03.2024	29	सीआरसी, छतरपुर

15.3 एडिप (ADIP) मूल्यांकन शिविर

केंद्र ने प्रतिवेदन वर्ष के दौरान छतरपुर जिले के विभिन्न स्थानों पर 604 लाभार्थियों के लिए सात एडिप मूल्यांकन शिविर आयोजित किए। इनका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	तिथि	स्थान	लाभार्थियों की संख्या
1	23-01-2024	कम्युनिटी हॉल भवन, बड़ा मालेहरा	71
2	06-02-2024	नगर परिषद	92
3	09-02-2024	नगर पंचायत, बक्सवाहा	85
4	12-02-2024	जनपथ कार्यालय	105
5	14-02-2024	सीआरसी- छतरपुर	75
6	19-02-2024	जनपथ कार्यालय नागांव	82
7	28-02-2024	जनपथ कार्यालय	94

15.4 माता-पिता और परिवार का समर्थन

सीआरसी, छतरपुर ने माता-पिता और परिवार के सदस्यों को महत्वपूर्ण जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान किया। बच्चों को व्यस्त रखने और घर पर व्यवहार संबंधी समस्याओं का प्रबंधन करने की सलाह ऑनलाइन परामर्श की नियमित विशेषता थी। इसके अतिरिक्त, सीआरसी, छतरपुर ने वर्ष 2023-24 के दौरान 184 लाभार्थियों के लिए चार अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

15.5 नैदानिक सेवाएं

सीआरसी, छतरपुर में सभी श्रेणियों के दिव्यांजनों को सेवा प्रदान की जाती है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, केंद्र ने केंद्र परिसर में और शिविरों के माध्यम से 1246 नए ग्राहकों, 1431 अनुवर्ती ग्राहकों और 13215 सहायता सेवाओं प्रदान की।

15.6. जागरूकता गतिविधियां

सीआरसी, छतरपुर वर्ष 2023-24 के दौरान दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, गैर सरकारी संगठनों का दौरा, प्रदर्शनियों का आयोजन, केंद्र इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्लेटफॉर्म आदि के माध्यम से कई जागरूकता गतिविधियों में शामिल रहा।

15.7 आउटरीच गतिविधियां

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान एडिप/आरवीवाई गतिविधियों को अर्जुन पोर्टल पर स्थानांतरित कर दिया गया तथा केन्द्रीय नोडल एजेंसी अर्थात एलिम्को के तहत शुरू किया गया। सीआरसी, छतरपुर ने छतरपुर में आरवीवाई वितरण शिविरों का आयोजन किया, जिसमें कुल 306 लाभार्थियों की पहचान की गई तथा एलिम्को द्वारा 1058 सहायक उपकरण वितरित किए गए।

15.10 गणमान्य व्यक्तियों के दौरे

श्री राजेश अग्रवाल, सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने 23 फरवरी, 2024 को सीआरसी, छतरपुर का दौरा किया और 24 और 25 फरवरी, 2024 को खजुराहो मंदिर में अभिगम्यता की समीक्षा के लिए खजुराहो का भी दौरा किया और दिव्यांगजनों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के संदर्भ में सीआरसी कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।

15.11 शिलान्यास समारोह

डॉ. वीरेंद्र कुमार, माननीय केंद्रीय मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया 6 अक्टूबर, 2023 के एक महत्वपूर्ण अवसर पर, सीआरसी, छतरपुर, मध्य प्रदेश का शिलान्यास किया गया।

16. अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान

का वित्तीय वर्ष 2023-24

का वार्षिक लेखा

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई के लिए वर्ष 2023-24 प्राप्त अनुदान राशि और उसका व्यय विवरण

(रु.लाखों में)

	प्रारंभिक जमा	प्राप्त अनुदान राशि	व्यय
राजस्व	27.91	4910.93	5010.32
पूंजीगत संपत्ति	135.59	871.98	943.75
कुल	**163.50**	**5782.91**	**5954.07**

- आंतरिक उपार्जित राशि (शैक्षणिक और नैदानिक सेवा शुल्क) - 289.16 लाख है।
- आंतरिक उपार्जित और उनके स्रोत रु. 366.67 लाख राशि सूची क्रमांक 12, 14 और 18 में प्रदर्शित की है।
- नियमित कार्मिकों वेतन/मेहताना रु. 3008.63 लाख राशि का भुगतान संबंधित विवरण सूची क्र.सं. 20 व 22 में प्रदर्शित किया गया है।

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई
पंजी. सं. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष का समेकित तुलन-पत्र

		(राशि- रु. में)	(राशि- रु. में)
समग्र /मूलधन निधि और देयताएं	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
कॉर्पस / पूंजी निधि	1	509,016,263.59	319,517,807.36
आरक्षित एवं अधिशेष	2	-	-
चिह्नित/अक्षय निधि	3	277,834,913.59	380,298,770.79
सुरक्षित ऋण और उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण और उधार	5	-	-
आस्थगित ऋण देयताएं	6	-	-
वर्तमान देयताएं और प्रावधान	7	134,826,531.05	69,424,298.79
योग		**921,677,708.23**	**769,240,876.94**
मालमत्ता			
अचल परिसंपत्तियां	8	346,856,116.00	159,148,561.71
निवेश -- चिह्नित/ अक्षय निधि से	9	878,423.35	752,845.35
निवेश - अन्य	10	209,148,152.00	175,403,930.00
वर्तमान मालमत्ता, ऋण और अग्रिम-धन	11	364,795,016.88	433,935,539.88
योग		**921,677,708.23**	**769,240,876.94**

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई की ओर से

हस्ता/-	**हस्ता/-**	**हस्ता/-**
कृते वीपीएच एंड एसोसिएट्स एलएलपी	**प्रभारी लेखा अनुभाग**	**निदेशक**
स्थान: मुंबई **चार्टर्ड अकाउंटेंट्स पार्टनर द्वारा संकलित**	**अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई**	**अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई**
दिनांक : 11/06/2024		

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान,मुंबई
पंजी. सं. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित आय एवं व्यय लेखा

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पूर्व वर्ष
बिक्री/सेवाओं से प्राप्त आय	12	3,463,286.00	2,216,367.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	13	680,082,097.00	482,981,266.00
शुल्क/आर्थिक सहायता	14	24,868,374.00	24,797,153.00
निवेश से प्राप्त आय (चिह्नित/अक्षय निधि से निधि- निवेश पर प्राप्त आय का निधि में अंतरण)	15	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन से प्राप्त आय.	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	1,597,919.00	1,207,092.00
अन्य आय	18	8,335,589.06	8,731,644.01
तैयार माल स्टॉक में वृद्धि/(कमी)और जारी कार्य	19	-	-
पूर्व अवधि की आय		4,656,326.00	-
योग (ए)		**723,003,591.06**	**519,933,522.01**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	229,979,364.50	192,721,022.43
संपत्ति, दरें, कर और मरम्मत एवं अनुरक्षण के संबंध में व्यय	21	48,065,628.63	42,486,461.14
संस्थान के उद्देश्यों पर व्यय	22	203,756,071.05	184,989,172.04
जिला केन्द्र / पूर्वोत्तर राज्यों हेतु व्यय	23	-	-
पूर्व अवधि व्यय		17,743,848.48	83,060,266.00
मूल्यह्रास (वर्ष के अंत में शुद्ध योग राशि - अनुसूची 8 के समरूप)		34,042,625.71	26,084,450.10
योग (बी)		**533,587,538.37**	**529,341,371.71**
शेष राशि का आय से अधिक व्यय होना(ए-बी) जिसे तुलनपत्र में शामिल किया गया		**189,416,052.69**	**(9,407,849.70)**

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई की ओर से

हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
कृते वीपीएच एंड एसोसिएट्स एलएलपी	प्रभारी लेखा अनुभाग	निदेशक
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स पार्टनर द्वारा संकलित	अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई	अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई

स्थान: मुंबई
दिनांक : 11/06/2024

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एव श्रवण दिव्यागजन सस्थान, मुबई
पजी. स. एस/12840,1982
मुख्यालय, मुबई
31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष की समेकित प्राप्ति और भुगतान लेखा

	वर्तमान वर्ष	पूर्व वर्ष		वर्तमान वर्ष	पूर्व वर्ष
प्रारंभिक जमा (01/04/2022 तक)					
नकद राशि	135,118.95	150,974.95	**अनुसूची 20 - स्थापना व्यय**	211,323,883.87	177,095,094.44
बैंक में जमा राशि	66,649,303.66	59,956,978.29			
एडिप- अहमदाबाद लेखा	-	-	**अनुसूची 21 - संपत्ति, दरें, कर और मरम्मत एवं अनुरक्षण संबंधित व्यय**	43,806,503.63	44,722,139.64
अनुसूची 12 - बिक्री और सेवाओं द्वारा प्राप्त आय	3,458,986.00	1,013,095.00	**अनुसूची 22 - संस्थान के उद्देश्यों पर व्यय**	200,412,796.60	176,004,576.04
अनुसूची - 13 - प्राप्त अनुदान			**अनुसूची 08 - स्थायी संपत्तियों की खरीद और सीडब्ल्यूआईपी**		
सामान्य	161,900,000.00	109,000,000.00	स्थायी संपत्तियों की खरीद	33,303,634.00	14,393,497.00
वेतन	322,027,000.00	292,800,000.00			
अनुसूची 14 - शुल्क एवं सदस्यता	17,480,134.00	18,923,438.00	**अनुसूची 10 - निवेश भुगतान**		
			एमओडी/सावधि जमा	828,270,000.00	628,362,552.35
अनुसूची - 17 - प्राप्त ब्याज			एमओडी/सावधि जमा आरसीआई	28,840,000.00	-
बचत बैंक ब्याज	96,965.00	86,058.00	**अनुसूची 01 - समग्र**	-	3,331,000.00
एचबीए/ऋण और अग्रिम ब्याज	1,987.00	65,148.00			
सावधि जमा ब्याज	230,260.00	218,687.00	**पूर्व अवधि व्यय**	13,288,211.00	79,729,266.00
अनुसूची 18 - अन्य आय	8,065,948.45	7,542,785.01	**अनुसूची 09 -चिह्नित/अक्षय निधि से निवेश**	86,911.00	-
अनुसूची 10 - निवेश रसीद (परिपक्वता पर)					
सावधि जमा की परिपक्वता/एमओडी	820,425,925.00	674,874,674.00			
सावधि जमा की परिपक्वता/एमओडी आरसीआई	3,085,000.00				
पूर्व अवधि की आय	170,376.00	-			

अनुसूची 03 - चिह्नित/निधि प्राप्तियां			**अनुसूची 03 - निर्धारित निधि भुगतान**		
एडिप अनुदान राशि	148,943,451.00	93,244,400.00	एडिप व्यय - श्रवण यंत्र की खरीद	155,595,972.93	136,531,409.43
एडिप अनुदान राशि पर बैंक से प्राप्त ब्याज	4,119.27	308,372.00	उपयोग में लायी गयी उत्तर पूर्व गतिविधि अनुदान राशि	259,918.00	255,835.00
एडिप योजना से संबंधित अन्य प्राप्तियां	6,478,517.00	6,308,222.00	उपयोग में लायी गयी एस सी अनुदान राशि	1,898,975.00	1,847,200.00
एससी अनुदान राशि प्राप्त	7,100,000.00	1,000,000.00	उपयोग में लायी गयी एस टी अनुदान राशि	1,272,600.00	759,675.00
एसटी अनुदान राशि प्राप्त	66,150.00	1,000,000.00	उपयोग में लायी गयी एसआईपीडीए अनुदान राशि	236,445.86	10,626.58
एससी कम्पोनंट-कॅपिटल	3,000,000.00	-	पुस्तकालय अनुसंधान निधि	-	77,500.00
एसटी कम्पोनंट-कॅपिटल	2,500,000.00	-	विज्ञापन एवं प्रचार	-	2,713,284.00
कॅपिटल अनुदान प्राप्त हुआ	81,698,488.00	96,010,303.00	एमपीएलएडी व्यय	833,176.00	-
सीएसआर दान- कॅपिटल अनुदान प्राप्त हुआ	1,688,245.00	-	बचत खाते पर प्राप्त ब्याज का मंत्रालय को भुगतान (एडिप)	22,056.00	807,288.00
पुस्तकालय एवं अनुसंधान निधि में प्राप्त ब्याज	14,892.00	5,345.00	सीएसआर व्यय	19,430,548.00	5,909,297.00
एसआईपीडीए बैंक खाते में प्राप्त ब्याज	11,640.00	15,154.20	बचत खाते पर प्राप्त ब्याज का मंत्रालय को भुगतान	3,093.00	14,336.00
सीएसआर आय	15,953,841.00	10,447,300.00	कॉक्लिअर इम्प्लांट सहायता	238,799.00	467,000.00
स्वच्छता एक्शन योजना	-	2,000,000.00			
विज्ञापन एवं प्रचार	-	132,585.00			
एमपीएलएडी अनुदान	905,000.00	-			
	1,672,091,347.33	**1,375,103,519.45**		**1,539,123,523.89**	**1,273,031,576.48**
	1,672,091,347.33	**1,375,103,519.45**		**1,539,123,523.89**	**1,273,031,576.48**
एनपीएस फंड में योगदान	120,040.00	1,301,388.00			
अवकाश एवं वेतन पेंशन निधि	86,911.00	60,555.00			
आरसीआई फंड	693.00	-			
एमपीएलएडी अनुदान में प्राप्त ब्याज	2,830.00	-			
अनुसूची 07 - वर्तमान देयताएं और प्रावधान (वसूली/प्राप्तियां)			**अनुसूची 07 - वर्तमान देयताएं और प्रावधान (भुगतान)**		
सीआरसी आंतरिक	600,000.00	506,726.00	बकाया व्यय	3,067,927.00	15,272,907.99
आरसीआई - ऑफ़लाइन संकाय विकास कार्यक्रम	192,600.00	-	जीपीएफ अंशदान जीपीएफ ट्रस्ट लेखा में अंतरण	20,903,420.00	26,045,755.00
निविदा के लिए ईएमडी	13,500.00	-	जीपीएफ अंशदान जीपीएफ ट्रस्ट लेखा में अंतरण	23,531,923.50	31,658,604.00
मंत्रालय का देय, बैंक में बचत राशि पर ब्याज	5,402,375.00	6,239,354.00	सीडीईआईसी	151,535.00	-
प्रश्न पत्रों के मूल्यांकन हेतु प्राप्त राशि	3,802,943.00	-	मुख्यालय को एडिप प्राप्तियों का अंतरण	680,601.00	583,147.00
सुरक्षा जमा राशि	658,609.00	1,445,297.00	बयाना जमा राशि की वापसी	1,920,000.00	1,407,383.00
कार्मिकों के वेतन से वसूली	19,415,978.75	26,058,991.00	आरसीआई - ऑफ़लाइन संकाय विकास कार्यक्रम	89,208.00	
जीपीएफ अंशदान की वसूली	14,373,090.00	19,494,115.00	सुरक्षा जमा राशि वापसी	1,013,685.08	3,768,801.00
मुख्यालय से ऋण	-	2,028,944.00	अनुसंधान परियोजना निधि	543,068.00	-
सी.ए.पी.	1,778,138.00	472,000.00	सावधानी राशि जमा की वापसी	1,336,500.00	1,448,200.00
सावधानी हेतु जमा राशि प्राप्त	2,438,000.00	2,187,000.00	आरसीआई परीक्षा	23,295,898.61	13,768,188.78

बयाना जमा राशि	1,087,500.00	1,120,000.00	सीएपी	1,215,792.00	168,752.00
सीएमडी और ईडी का मुख्यालय से अंतरण	46,400.00	131,650.00	स्रोत पर कर कटौती	3,952,277.00	1,205,820.00
स्रोत पर कर कटौती	3,812,573.00	1,052,558.00	एनएफसीएच (फ्लॅग स्टिकर)	5,000.00	5,000.00
जीएसटी वसूली	228,945.00	-	बी.एड (एसईडीई) एनएसओ विश्वविद्यालय	109,070.00	156,520.00
एडिप प्राप्तियां	1,422,538.00	682,720.00	प्रश्न पत्रों के मूल्यांकन हेतु भुगतान राशि	3,559,297.00	-
आंतरिक उपार्जन संकलित	16,979,836.61	16,442,527.00	पीडीयूएनआईपीपीडी - आईपीएच	42,000.00	-
एन एफ सी एच (फ्लॅग स्टिकर)	5,000.00	5,000.00	एडिप देय व्यय	7,122,740.00	-
बी.एड. (एसईडीई) एनएसओ विश्वविद्यालय	402,000.00	277,400.00	सीएमडी और ईडी ने छात्रों को भुगतान किया	92,085.00	131,650.00
डी.एड (एमआर) प्रवेश शुल्क	-	1,500.00	शैक्षिक भ्रमण शुल्क	20,000.00	7,734.00
आरसीआई सीआरई कार्यक्रम	134,600.00	-	बचत बैंक की राशि पर ब्याज- मुख्यालय को देय	7,546,371.00	8,472,162.00
शैक्षिक भ्रमण शुल्क	255,600.00	124,910.00	मुख्यालय को भुगतान किए गए आंतरिक उपार्जन	9,595,230.00	10,721,054.00
बचत बैंक की राशि पर ब्याज- मुख्यालय को देय	1,216,793.10	972,666.00			
अनुसंधान कार्य परियोजना	-	877,000.00	निविदा के लिए ईएमडी	13,500.00	-
आरसीआई परीक्षा	39,498,104.02	25,073,735.00	डी.एड (एमआर) प्रवेश शुल्क	-	11,000.00
सीडीईआईसी कार्यशाला	324,720.00	-	मुख्यालय को चुकाया गया ऋण	-	2,024,219.00
आरसीआई पश्चिमी क्षेत्र	-	934,400.00	आरसीआई पश्चिमी क्षेत्र	240,591.00	640,322.00
पुस्तकालय शुल्क जमा	24,000.00	10,000.00	सीआरसी आंतरिक	600,000.00	506,337.00
एससी/एसटी की छात्रवृत्ति	-	11,200.00	एवाईजेएनआईएसएचडी मुंबई	30,500.00	9,525.00
माझगांव डॉक से मानदेय	-	431,067.00	एनआईईपीएमडी	658,098.00	36,031.00
आउटसोर्स सेवा देय	-	103,839.00	एडिप सीआई लाभार्थी	-	2,122,120.00
एनआईईपीएमडी	658,426.00	49,088.00	जीपीएफ ट्रस्ट (आईटी धन वापसी)	-	288,490.00
पीडीयूएनआईपीपीडी - आईपीएच	16,800.00	25,200.00	माझगांव डॉक से मानदेय	-	115,292.00
मुंबई को देय	195,537.00	-	आरसीआई सीआरई कार्यक्रम	92,100.00	-
बीबीएसआर को देय ब्याज राशि	15,015.00	-	जीएसटी भुगतान	228,179.00	-
अनुसूची 01 - समग्र	-	2,735,250.00			
	1,787,301,442.81	**1,485,959,599.45**		**1,650,780,120.08**	**1,393,606,591.25**

	1,787,301,442.81	**1,485,959,599.45**		**1,650,780,120.08**	**1,393,606,591.25**
अनुसूची 11 - वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम (प्राप्तियां)			**अनुसूची 11 - वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम (भुगतान)**		
कर्मचारियों से अग्रिम राशि की वसूली	2,960,888.00	1,534,203.00	सीबीआईडी प्रशिक्षण कार्यक्रम	196,593.25	64,857.00
प्राप्त सावधि जमा राशि पर ब्याज प्राप्य	43,745.00	529,341.00	सेवाओं के लिए जमा राशि	-	105,560.00
प्रवेश परीक्षा शुल्क प्राप्य	32,174.00	-	दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम	3,474,400.90	-
आरसी से प्राप्य आंतरिक उपार्जन	-	308,050.00	कार्मिकों को अग्रिम राशि	7,940,517.00	7,793,246.00
आरसी से बचत बैंक खाते पर प्राप्त ब्याज	58,134.00	606,503.00	एडिप अनुदान प्राप्य	-	1,053,716.00
सेवाओं के लिए जमा राशि	-	10,080.00	एकता दिवस समारोह	103,883.00	-
आरसी कोलकाता (एनआईएमएच 50%)	3,179,867.00	4,098,299.88	डी.एड/डीएचएलएस परीक्षा व्यय	12,400.00	60,130.00
मुख्यालय से डी.एड/डीएचएलएस परीक्षा शुल्क प्राप्त	22,700.00	126,996.00	अनुसंधान कार्य परियोजना	-	877,000.00
सीबीआईडी प्रशिक्षण कार्यक्रम	4,000.00	548,345.00	एनआईएमएचआर	-	43,388.00
जागरूकता पैदा करना एवं प्रचार-प्रसार करना - केवडिया	-	482,315.00	आरसी- कोलकाता कॅपिटल व्यय के लिए	-	2,735,250.00
आरसीआई परीक्षा शुल्क प्राप्य	1,048,070.00	-	सीपीडब्ल्यूडी में अग्रिम	49,501,028.00	20,660,324.00
एनआईईपीवीडी	16,280.00	28,321.00	सीडीईआईसी	2,404,934.00	-
मुख्यालय से प्राप्य	695,492.00	256,411.00	एकता के लिए दौड़	60,213.00	
सीआरसी - छतरपुर	-	15,000.00	एनआईईपीएमडी	67,622.00	167,313.80
स्पॉट मूल्यांकन	-	65,730.00	टीडीएस प्राप्य	4,188.00	12,486.00
सीडीईआईसी	2,412,399.00	-	एनआईएचएच फॉर्म से प्राप्त राशि	-	480,358.67
एनआईईपीएमडी से प्राप्त राशि	60,122.00	191,875.00	आरसीआई परीक्षा प्राप्य	1,174,391.56	32,656.00
दिव्य कला शक्ति से प्राप्त	1,895,491.00	-	प्रवेश परीक्षा शुल्क प्राप्य	35,816.00	-
पारगमन में आंतरिक धन प्रेषण	1,358,545.00	-	स्पॉट मूल्यांकन	21,024.00	65,730.00
पिछले वर्ष प्राप्त अनुदान वर्तमान वर्ष में प्राप्त	9,002,000.00	-	मुख्यालय से प्राप्य राशि	230,676.00	174,719.00
पिछले वर्ष प्राप्त एडिप अनुदान, वर्तमान वर्ष में	29,196,594.00	-	सीआरसी - छतरपुर	1,525,818.00	15,000.00
एनआईएमएचआर	107,579.00	-	एनआईईवीपीडी	16,280.00	28,321.00
			एफडी पर बैंक ब्याज (मुख्यालय से प्राप्य)	15,015.00	-
			<u>अंत शेष (31/03/2024 तक)</u>		
			नकद राशि	150,402.95	135,118.95
			बैंक में जमा राशि	121,680,200.07	66,649,303.66
	1,839,395,522.81	**1,494,761,069.33**	**योग**	**1,839,395,522.81**	**1,494,761,069.33**

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई की ओर से

	हस्ता/-	**हस्ता/-**	**हस्ता/-**
स्थान: मुंबई	**कृते वीपीएच एंड एसोसिएट्स एलएलपी**	**प्रभारी लेखा अनुभाग**	**निदेशक**
दिनांक : 11/06/2024	**चार्टर्ड अकाउंटेंट्स पार्टनर द्वारा संकलित**	**अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई**	**अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई**

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई
पंजी. सं. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

अनुसूची 1 -समग्र/कॅपिटल निधि	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
वर्ष के प्रारंभ में जमा राशि		319,517,807.36		328,639,460.06
जोड़/(घटाव):- आरसीआई परीक्षा		82,404.44		-
जोड़/(घटाव) :- सीपीडब्ल्यूडी के पास पिछले वर्ष का बकाया अग्रिम		-		286,197.00
जोड़/ (घटाव): व्यय से अधिक आय		189,416,051.79		(9,407,849.70)
वर्ष के अंत में जमा राशि		**509,016,263.59**		**319,517,807.36**
अनुसूची 2 - आरक्षित एवं अधिशेष	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
		-		-
योग		-		-

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई
पंजी. सं. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

अनुसूची 03 - चिह्नित/निधि प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
पुस्तकालय एवं अनुसंधान निधि लेखा				
प्रारंभिक जमा	4,035,377.00		4,107,532.00	
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	14,892.00		5,345.00	
घटाव :उपयोग में लायी राशि	-		(77,500.00)	
अंतिम जमा		4,050,269.00		4,035,377.00
पूंजीगत परिसंपत्तियों के लिए अनुदान				
प्रारंभिक जमा	255,997,907.00		236,315,870.00	
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	81,698,488.00		99,411,303.00	
घटाव :उपयोग में लायी राशि	(189,334,142.00)		(79,729,266.00)	
अंतिम जमा		148,362,253.00		255,997,907.00
उत्तर-पूर्वी गतिविधियां (योजना)				
प्रारंभिक जमा	491,898.00		1,827,603.00	
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-		-	
घटाव :उपयोग में लायी राशि	(782,650.00)		(1,335,705.00)	
अंतिम जमा		(290,752.00)		491,898.00
एससी कॅपिटल				
प्रारंभिक जमा	28,281,223.00		28,281,223.00	
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	3,000,000.00		-	
घटाव :उपयोग में लायी राशि	-		-	
अंतिम जमा		31,281,223.00		28,281,223.00
एसटी कॅपिटल				
प्रारंभिक जमा	30,000,000.00		30,000,000.00	
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,500,000.00			

एससी अव्ययित घटक				
प्रारंभिक जमा	158,274.50		1,005,474.50	
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	7,100,000.00		1,000,000.00	
जोड़: सुधार	534,450.00		-	
घटाव :उपयोग में लायी राशि	(1,898,975.00)		(1,847,200.00)	
अंतिम जमा		5,893,749.50		158,274.50
एसटी अव्ययित घटक				
प्रारंभिक जमा	2,226,169.00		1,985,844.00	
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	66,150.00		1,000,000.00	
जोड़: सुधार	(534,450.00)		-	
घटाव :उपयोग में लायी राशि	(1,272,600.00)		(759,675.00)	
अंतिम जमा		485,269.00		2,226,169.00
एसआईपीडीए				
प्रारंभिक जमा	316,646.82		326,455.20	
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-		-	
जोड़: प्राप्त ब्याज	11,640.00		15,154.20	
घटाव :उपयोग में लायी राशि	(239,538.62)		(24,962.58)	
अंतिम जमा		88,748.20		316,646.82
विज्ञापन एवं प्रचार				
प्रारंभिक जमा	(804,400.00)		1,818,199.00	
घटाव :उपयोग में लायी राशि	10,080.00		(2,622,599.00)	
अंतिम जमा		(794,320.00)		(804,400.00)
सीएसआर अनुदान				
प्रारंभिक जमा	34,079,546.00		29,541,543.00	
जोड़: वर्ष की सीएसआर आय	15,933,841.00		10,447,300.00	
घटाव: व्यय	(19,410,548.00)		(5,909,297.00)	
अंतिम जमा		30,602,839.00		34,079,546.00
स्वच्छता कार्य योजना				

प्रारंभिक जमा	6,149,000.00		-	
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-		6,149,000.00	
घटाव: व्यय	(5,132,710.00)		-	
अंतिम जमा		1,016,290.00		6,149,000.00
एमपीएलएडी		74,654.00		-
अवकाश एवं वेतन पेंशन निधि		748,955.85		662,044.85
आरसीआई		6,560.15		5,867.15
कॉक्लिअर इम्प्लांट सहायता		169,201.00		408,000.00
एडिप आय/व्यय लेखों से अधिशेष				
मुख्यालय		14,907,352.27		8,121,985.27
अव्ययित राशि (एडीआईपी)				
सीआरसी - नागपुर		963,485.00		3,721,475.41
सीआरसी - भोपाल		1,281,972.40		459,127.20
सीआरसी - अहमदाबाद		364,928.00		(1,624,091.55)
सीआरसी - छतरपुर		911,161.00		-
आरसी - एसआरसी		2,193,786.00		2,511,501.00
आरसी - एनआरसी		3,005,485.00		3,775,371.00
आरसी - बीबीएसआर		11,804.22		1,325,849.14
योग		**277,834,913.59**		**380,298,770.79**
अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण और उधार	**वर्तमान वर्ष**		**पूर्व वर्ष**	
एनआईईपीएमडी, चेन्नई से ऋण		-		-
योग		-		-
अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण और उधार	**वर्तमान वर्ष**		**पूर्व वर्ष**	
		-		-
योग		-		-
अनुसूची 6 - आस्थगित ऋण देयताएं:	**वर्तमान वर्ष**		**पूर्व वर्ष**	
		-		-
योग		-		-

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई
पंजी. सं. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं और प्रावधान	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
अवधान राशि		7,410,530.00		6,614,032.00
अवधान राशि (आईएसएल)		11,500.00		69,500.00
भोज विश्वविद्यालय (एमपीबीओयू)		127,553.00		127,553.00
पेंशन देय		348,984.00		383,705.00
हाउस कीपिंग शुल्क देय		1,529,570.00		1,087,935.00
बिजली और पानी का शुल्क देय		360,679.00		378,580.00
वाहन व्यय देय		-		8,050.00
सुरक्षा शुल्क देय		2,263,178.00		1,606,052.00
डीआईएल परियोजना		-		167,980.00
डीआईएल परियोजना		61,266.00		105,924.00
प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुल्क देय		1,099,414.00		936,021.00
व्यावसायिक कर देय		14,300.00		2,480.00
सीडीईआईसी कार्यशाला		139,954.00		-
सुरक्षा जमा		3,245,834.36		2,830,021.44
सीबीआईडी प्रशिक्षण कार्यक्रम		87,278.41		279,871.00
छात्रवृत्ति (एससी और एसटी छात्र)		274,632.00		274,632.00
बीपीएल पेशंट के लिए दान		15,730.00		15,730.00
टीडीएस		450,140.00		366,686.00
बी.एड (एसई-डीई) एनआईओएस		2,931,595.00		2,638,665.00
बयाना राशि		501,500.00		1,334,000.00
आरसीआई - ऑफ़लाइन आवासीय संकाय विकास कार्यक्रम		90,802.00		-
देय मानदेय		478,280.00		275,485.00
अव्ययित परियोजना राशि (विदेशी योगदान)		754,231.00		754,231.00
एडीआईपी व्यय देय		44,099,630.00		9,763,776.00

जीएसएलआईएस		825.00		42,998.00
आरसीआई सीआरई कार्यक्रम		42,500.00		8,348.00
देय टेलीफोन शुल्क		25,275.30		22,309.29
टीसीटीडी को देय राशि		108,521.00		108,521.00
ईआरसी कलकत्ता (एसआईडीआर परियोजना) को देय राशि		14,219.00		14,219.00
इंटर्नशिप वृतिका देय		237,264.00		768,304.00
अन्य व्ययों के लिए बकाया देयताएँ		7,928,215.85		1,504,456.00
कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को देय वेतन		4,015,346.00		1,594,557.00
प्रशासनिक कर्मचारियों को देय वेतन		6,225,510.00		2,192,044.00
अनुसंधान परियोजना		333,932.00		-
एडीआईपी वसूली		24,943.00		55,759.00
आरसीआई (परीक्षा)		40,261,057.59		24,508,188.62
शैक्षिक यात्रा		332,761.00		160,646.00
नई पेंशन योजना		1,811,370.00		1,144,355.00
परीक्षा शुल्क देय		-		39,016.00
जीपीएफ		200,114.00		245,454.00
एलआईसी		337.00		-
बाल शिक्षा भत्ता देय		109,000.00		135,000.00
मंत्रालय को देय बचत बैंक पर ब्याज		5,625,230.10		6,574,489.00
सीएपी		777,109.00		214,763.00
एनआईईपीएमडी		10,664.44		23,721.44
वेतन वसूली		-		337.00
पीडीयूएनआईपीपीडी		-		25,200.00
पुस्तकालय शुल्क जमा		34,000.00		10,000.00
व्यावसायिक शुल्क देय		7,220.00		3,304.00
दिव्य कला शक्ति व्यय देय		395,536.00		-
सीएमडी और ट्यूशन फीस वापसी योग्य		1,600.00		-
बी.एड विशेष शुल्क देय		7,400.00		7,400.00
योग		**134,826,531.05**		**69,424,298.79**

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई
पंजी. सं. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

अनुसूची 09 -चिह्नित/अक्षय निधि से निवेश	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
सावधि जमा		878,423.35		752,845.35
योग		878,423.35		**752,845.35**
अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	**वर्तमान वर्ष**		**पूर्व वर्ष**	
एमओडी/सावधि जमा (आरसीआई सहित)		209,148,152.00		175,403,930.00
योग		**209,148,152.00**		**175,403,930.00**

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई

पंजी. सं. एस/12840, 1982

मुख्यालय, मुंबई

31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

अनुसूची 11 - चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि।	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
सेवाओं के लिए जमा राशि		1,794,216.00		1,671,651.00
कार्मिकों को अग्रिम राशि		906,716.45		729,917.95
पुस्तकालय जर्नल (पी) और डाक के लिए अग्रिम		5,904.00		5,904.00
डीएवीपी जमा (एनआरसी)		5,000.00		5,000.00
सीआरसी अहमदाबाद से प्राप्य		22,485.00		-
सीपीडब्ल्यूडी में अग्रिम		158,657,098.00		296,516,162.00
आरसीआई परीक्षा शुल्क प्राप्य		591,806.44		475,784.00
त्यौहार अग्रिम		750.00		750.00
आरसी- कोलकाता (एस.आई.डी.आर. परियोजना मुख्यालय से प्राप्य)		14,219.00		14,219.00
अनुदान प्राप्य		-		9,002,000.00
एनआईएमएच से प्राप्य राशि (50% अनुरक्षण के लिए शुल्क)		14,488,240.84		11,639,715.34
मुख्यालय से प्राप्त प्रवेश परीक्षा शुल्क		3,642.00		-
एडिप अनुदान प्राप्य		49,920,790.00		29,196,594.00
एनआईएमएचआर		-		107,579.13
सावधि जमा पर उपार्जित ब्याज		1,180,829.01		416,596.01
श्रवण यंत्रों का अंतिम स्टॉक		11,363,269.22		15,063,803.14
प्रीपेड व्यय		93,514.00		86,800.00
एनआईईपीएमडी से प्राप्य		7,500.00		-
सीआरसी अहमदाबाद से प्राप्य		10,347.00		10,347.00
एनआईएचएच से प्राप्य		-		467,240.04
ग्रामोदय मेला		26,715.00		26,715.00
दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम		1,974,445.90		-
एकता दिवस समारोह (एजीपी-व्यय)		103,883.00		-
एकता के लिए दौड़		75,213.00		-
सीडीईआईसी		608,983.00		-
मुख्यालय से प्राप्य		3,010.00		9,525.00
पारगमन में आंतरिक धन प्रेषण		-		1,358,545.00
एनआईओएच कलकत्ता		21,662.00		21,662.00
अनुसंधान कार्य परियोजना (ईआरसी से प्राप्य)		877,000.00		-
श्रवण शक्ति परियोजना		46,598.00		46,598.00
टीडीएस प्राप्य		48,573.00		187,029.00

स्पॉट मूल्यांकन		112,004.00		90,980.00
नकद एवं बैंक में जमा राशि				
रोकड़ शेष		65,658.95		129,132.95
स्थायी अग्रिम		-		2,500.00
बैंक में नकद राशि		121,680,200.07		66,649,304.32
अग्रिम राशि		84,744.00		3,486.00
योग		**364,795,016.88**		**433,935,539.88**

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई
पंजी. सं. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

अनुसूची 12 - बिक्री/सेवाओं द्वारा प्राप्त आय	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
श्रवण यंत्र परीक्षण शुल्क		24,400.00		4,650.00
टेंडर फॉर्म		-		2,000.00
प्रवेशपत्र और पाठ्यक्रम विवरणिका की बिक्री		16,940.00		44,851.00
एमडीडी सामग्री बिक्री		-		1,000.00
ट्रान्सक्रिप्ट और क्लीनिकल प्रमाणपत्र शुल्क		513,335.00		373,750.00
सेवा शुल्क		1,303,980.00		1,730,846.00
नैदानिक सेवा शुल्क		1,604,631.00		59,270.00
योग		**3,463,286.00**		**2,216,367.00**

अनुसूची 13 - अनुदान/आर्थिक सहायता	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
सा.न्या. और अधि. मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त अनुदान राशि				
अनुदान राशि- सामान्य		161,900,000.00		110,158,000.00
अनुदान राशि- वेतन		322,027,000.00		293,094,000.00
अनुदान राशि- पूंजीगत		194,466,852.00		79,729,266.00
सीएसआर - अनुदान		1,688,245.00		-
योग		**680,082,097.00**		**482,981,266.00**

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई
पंजी. सं. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

अनुसूची 14 - शुल्क/सदस्यता	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
ट्यूशन फीस और शैक्षणिक शुल्क		19,612,702.00		19,257,276.00
पुस्तकालय विलंब शुल्क		9,748.00		9,478.00
विविध रसीद (शैक्षणिक)		189,010.00		233,100.00
ट्यूशन फीस - पीएचडी		40,000.00		5,000.00
ओपीडी संग्रह शुल्क		377,920.00		402,080.00
पुस्तकालय सदस्यता शुल्क		2,073,720.00		2,399,991.00
अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम		485,900.00		127,456.00
मूल्यांकन केंद्र से प्राप्तियां		3,275.00		13,215.00
विश्वविद्यालय शुल्क		1,498,987.00		303,392.00
फॉर्म शुल्क		15,600.00		350.00
पंजीकरण शुल्क		-		47,655.00
प्रवेश शुल्क		327,262.00		1,458,100.00
प्रशिक्षण शुल्क		233,300.00		530,730.00
स्प्लिंट इकाइयों से प्राप्ति		950.00		9,330.00
योग		**24,868,374.00**		**24,797,153.00**

अनुसूची 15 - निवेश से आय	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
		-		-
योग		-		-

अनुसूची 16 - रॉयल्टी प्रकाशन आदि से प्राप्त आय	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
		-		-
योग		-		-

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
बचत बैंक खाते पर प्राप्त ब्याज		98,690.00		86,058.00
बैंक सावधि जमा पीआर प्राप्त ब्याज		1,497,242.00		1,055,886.00
एचबीए पर ब्याज		1,987.00		65,148.00
योग		**1,597,919.00**		**1,207,092.00**

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान,मुंबई
पंजी. सं. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

अनुसूची 18 - अन्य आय	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
शैक्षणिक भ्रमण		141,400.00		70,000.00
लैप्स- सुरक्षा जमा		-		270,329.00
अतिथि कक्ष शुल्क		22,350.00		7,400.00
विविध प्राप्तियां		559,203.00		99,026.01
सूचना का अधिकार		476.00		40.00
श्रवण यंत्र मरम्मत और स्पेयर पार्ट्स		66,740.00		63,115.00
वाक्/ मनोचिकित्सा शुल्क		62,250.00		36,000.00
बेरा शुल्क		50.00		550.00
लैप्स- सीएमडी		353,502.00		269,100.00
लैप्स- इएमडी		-		567,500.00
लैप्स- आईएसएल		9,500.00		-
अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम		1,211,155.45		312,002.00
क्लिनिकल परीक्षण शुल्क		314,750.00		278,430.00
अन्य प्राप्तियां		5,560,978.61		5,647,750.00
विश्वविद्यालय मेहनताना		-		16,000.00
पंजीकरण शुल्क		-		966,206.00
किराये से आय		-		17,967.00
निविदा शुल्क		3,000.00		41,500.00
स्क्रैप की बिक्री		18,022.00		67,229.00
दान राशि		12,212.00		1,500.00
योग		**8,335,589.06**		**8,731,644.01**

अनुसूची 19 - तैयार माल के स्टॉक में वृद्धि/घटाव एवं प्रक्रियाधीन कार्य	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
		-		-
योग		-		-

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एव श्रवण दिव्यागजन सस्थान, मुबई
पजी. स. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष	पूर्व वर्ष
पुस्तकें एवं पत्रिकाएं	91,920.00	90,132.00
परिवहन शुल्क	154,959.00	136,362.00
मनोरंजन हेतु व्यय	114,913.00	86,719.00
ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति	714,576.00	408,303.00
भर्ती व्यय	-	1,600.00
मुद्रण एवं स्टेशनरी	1,718,155.84	1,952,634.44
कार्यालय हेतु व्यय	195,054.61	182,724.00
डाक एवं तार	602,369.85	695,768.84
चिकित्सा प्रतिपूर्ति	906,119.00	1,026,755.00
वेतन (प्रशासन)	98,988,503.75	79,686,580.60
ग्रेच्युटी	18,998,274.00	16,588,666.00
एलटीसी	928,745.60	1,535,968.00
आकस्मिक खरीद	48,697.00	254,497.00
आकस्मिकता विविध व्यय	656,977.00	372,516.00
बाल शिक्षा भत्ता	568,000.00	1,370,663.00
उद्घाटन हेतु व्यय	267,267.00	-
शिविर हेतु व्यय	49,691.00	-
कार्यालय/तकनीकी उपकरणों का अनुरक्षण एवं उन्नयन	1,838,758.00	2,962,351.00
छुट्टी नकदीकरण	23,903.00	-
विविध कार्यालय व्यय	102,294.50	254,788.10
बिजली और पानी का शुल्क	8,396,946.00	6,976,795.50
कर्मचारियों को प्रशिक्षण	60,500.00	47,818.00
टेलीफोन शुल्क	453,715.00	465,027.00
कार्मिकों के लिए वर्दी	55,000.00	60,000.00
विज्ञापन व्यय	-	11,571.00
समाचार पत्र व्यय की प्रतिपूर्ति	202,965.00	5,331.00
टीए/डीए	902,685.35	282,364.95
नई पेंशन योजना के लिए नियोक्ता अंशदान	3,207,768.00	2,906,957.00
मोटर वाहन व्यय	-	15,758.00
पेंशन	79,178,394.00	63,033,561.00
ईएल/एचपीएल नकदीकरण	10,552,213.00	11,308,811.00
योग	**229,979,364.50**	**192,721,022.43**

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई
पंजी. सं. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

अनुसूची 21 - संपत्ति किराया, दरें, कर, मरम्मत और अनुरक्षण के संबंध में व्यय	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
किराया, दर एवं कर		4,602,637.50		9,784,090.50
मरम्मत एवं अनुरक्षण		1,151,833.00		1,758,033.00
गृह व्यवस्था (स्वच्छता एवं बागवानी)		17,569,262.50		12,934,492.00
संस्थान का अनुरक्षण		545,139.63		436,503.64
संस्थान भवन का अनुरक्षण - स्वच्छता कार्य योजना		5,132,710.00		-
बीमा		143,270.00		150,104.00
सुरक्षा शुल्क पहरा एवं निगरानी)		18,920,776.00		17,423,238.00
योग		**48,065,628.63**		**42,486,461.14**

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई
पंजी. सं. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

अनुसूची 22 - संस्थान के उद्देश्यों पर व्यय	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
यात्रा एवं अन्य भत्ता		3,638,216.00		1,540,812.00
वेतन (तकनीकी)		127,369,702.00		122,946,429.52
तकनीकी स्टाफ की पेंशन		8,793,268.00		4,390,818.00
डॉक्टर/अतिथि व्याख्याता- मानदेय		2,635,723.00		2,115,740.00
अल्पावधि पाठ्यक्रम		928,359.00		391,276.00
मोटर वाहन व्यय		290,515.00		275,410.00
वाहन किराया व्यय		457,260.00		674,700.00
प्रशिक्षण पाठ्यक्रम		17,375,565.15		17,221,318.00
बैंक शुल्क		28,770.27		71,491.52
एनआईओएस कार्यक्रम		-		74,831.00
व्यावसायिक प्रशिक्षण		456,338.00		336,982.00
व्यावसायिक शुल्क		631,451.00		1,922,316.00
शीघ्र पहचान/ हस्तक्षेप		109,616.00		1,405,114.00
लैप्स ईएमडी की वापसी		25,000.00		-
समिति विजिट (ईसी/जीसी बैठक)		1,668,125.00		2,535,782.00
प्रशिक्षणार्थियों के लिए इंटर्नशिप		11,075,715.00		6,685,685.00
संस्थान का वार्षिकोत्सव		86,025.00		112,214.00
हेल्पलाइन - किरण मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास		616.00		5,678.00
विजिटिंग संकाय		733,210.00		106,400.00
राजभाषा कार्यान्वयन कार्यक्रम		5,335.00		2,797.00
डिसेबिलिटी इन्फॉर्मेशन लाईन		1,003,389.13		2,011,394.00
प्रवेश शुल्क		-		2,500.00
टीडीएस व्यय		419,559.00		-
आरसीआई परीक्षा व्यय		384,000.00		-
सदस्यता और पंजीकरण		-		5,000.00
सहयोगी क्रियाकलाप योजनाएं		1,421,801.00		1,888,214.00
भारतीय सांकेतिक भाषा व्यय		664,306.00		841,575.00

कार्यालय एवं तकनीकी उपकरणों का अनुकरण एवं उन्नयन		863,778.50		1,373,635.00
अनुबंधरत्त स्टाफ वेतन		13,590,575.00		4,407,549.00
बॉयज़ टाउन का व्यय		-		534,977.00
कम्प्यूटरीकरण गतिविधि		1,862,407.00		2,603,211.00
ओईएसडी कार्यक्रम		1,286,284.00		3,216,263.00
सीएसआर व्यय		-		908,575.00
लैप्स सीएमडी की वापसी		454,000.00		335,000.00
जागरूकता सृजन योजना व्यय		189,631.00		17,121.00
आकस्मिक शुल्क		4,000.00		16,000.00
सहायता सेवाएं		857,500.00		651,570.00
समाचार पत्र भत्ता		12,000.00		12,000.00
अनुसंधान कार्य परियोजना		24,800.00		1,360,558.00
केंद्रीय आधारित सेवा		250,250.00		465,269.00
विज्ञापन		27,011.00		30,943.00
सीआरई कार्यक्रम		186,595.00		250,771.00
स्प्लिंट यूनिट व्यय		6,860.00		6,973.00
मंत्रालय को ब्याज भुगतान		-		1,157,333.00
एनजीओ निरीक्षण		28,460.00		51,247.00
विश्वविद्यालय शुल्क भुगतान		1,606,789.00		-
एक्सटेंशन काउंटर - गोवा		32,986.00		-
शैक्षणिक भ्रमण व्यय		104,846.00		25,700.00
कौशल विकास कार्यक्रम		13,145.00		-
संबद्धता शुल्क		20,000.00		-
सामग्री विकास विभाग व्यय		14,750.00		-
परिवहन शुल्क		74,848.00		-
नये भवन का उद्घाटन		2,029,298.00		-
वेबसाइट व्यय		13,393.00		-
योग		**203,756,071.05**		**184,989,172.04**

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई
पंजी. सं. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

सूची 23 - जिला पुनर्वास केंद्रों के लिए व्यय	वर्तमान वर्ष		पूर्व वर्ष	
योग		-		-

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई
पजो. स. एस/12840, 1982
मुख्यालय, मुंबई
31 मार्च 2024 के तुलन-पत्रक का हिस्सा- समेकित सूची

	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास ब्लॉक				
अनुसूची 08	प्रारंभिक ब्लॉक 01/04/2023	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान कटौती/पूंजीकृत	अंतिम जमा 31/03/2024	प्रारंभिक ब्लॉक दि. 01/04/2023 के अनुसार	वर्ष के दौरान कटौती	मूल्यह्रास	अंतिम 31/03/2024	शुद्ध ब्लॉक 31/03/2024
स्थायी संपत्ती	(A)	(B)	('C)	D=(A+B-C)	(E)		(F)	G=(E+F)	H=(D-G)
नैदानिक उपकरण	13,364,581.52		-	13,364,581.52	13,321,332.16	-	9,240.00	13,330,572.16	34,009.36
सामग्री विकास उपकरण	1,019,896.43		-	1,019,896.43	1,019,782.19	-		1,019,782.19	114.24
प्रशिक्षण एवं शैक्षिक उपकरण	2,465,996.31		-	2,465,996.31	2,465,875.50	-		2,465,875.50	120.81
फर्नीचर और फिक्सचर	28,445,409.50	23,115,848.00	-	51,561,257.50	21,218,226.46	-	2,513,963.74	23,732,190.20	27,829,067.30
कार्यालय उपकरण	16,936,301.00	11,532,217.00	-	28,468,518.00	15,004,312.66	-	1,422,458.37	16,426,771.03	12,041,746.97
वाहन	2,689,602.72		-	2,689,602.72	2,209,493.86	-	180,000.00	2,389,493.86	300,108.86
पुस्तकालयीन पुस्तकें और जर्नल	67,536,732.40	5,360,607.00	-	72,897,339.40	56,666,207.17	-	4,143,291.15	60,809,498.32	12,087,841.08
तकनीकी उपकरण	102,042,711.02	-	-	102,042,711.02	91,389,440.03	-	2,493,990.58	93,883,430.61	8,159,280.41
तकनीकी उपकरण (आरसी)	18,206,359.00	6,989,828.00	-	25,196,187.00	15,533,201.94	-	2,787,390.12	18,320,592.06	6,875,594.94
कंप्यूटर	2,526,937.00	1,296,266.00	-	3,823,203.00	2,366,679.31	-	477,533.40	2,844,212.71	978,990.29
ओईएसडी उपकरण	8,820.50		-	8,820.50	8,819.50	-		8,819.50	1.00
साइकिल	1,421.00	7,200.00	-	8,621.00	1,415.00	-	1,080.00	2,495.00	6,126.00
विद्युत संस्थापन	2,875,145.00	11,661,152.00	-	14,536,297.00	798,939.63	-	1,284,746.25	2,083,685.88	12,452,611.13
भवन (योजना)	207,047,242.94	1,346,636.00	9,968,777.00	198,425,101.94	167,105,246.07	4,485,950.00	7,901,972.60	170,521,268.67	27,903,833.27
फ्लैट्स (मुख्यालय)	199,098.00	-	-	199,098.00	199,095.00	-		199,095.00	3.00
अकॉस्टीक बूथ	1,946,349.45	-	-	1,946,349.45	1,946,348.44	-	-	1,946,348.44	1.01
ऑडियोमेट्रिक कक्ष का निर्माण	411,323.73	2,284,164.00	-	2,695,487.73	411,321.72	-	171,312.30	582,634.02	2,112,853.71
भवन निर्माण (एनआरसी)	91,761.93	-	-	91,761.93	50,977.85	-	-	50,977.85	40,784.08
भारतीय सांकेतिक भाषा उपकरण (योजना)	1,818,062.50	-	-	1,818,062.50	1,817,948.50	-		1,817,948.50	114.00
सूचना एवं प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम समीकरण (प	658,938.00	-	-	658,938.00	658,934.00	-		658,934.00	4.00
अनुसंधान कार्य (योजना)	641,008.00	-	-	641,008.00	641,001.00	-		641,001.00	7.00
बीबीएसआर में भवन (योजना)	24,123,231.00	-	-	24,123,231.00	19,298,584.80	-	2,412,323.10	21,710,907.90	2,412,323.10
ईआरसी में भवन (योजना)	43,492,792.00	-	-	43,492,792.00	43,492,788.40	-		43,492,788.40	3.60
एसआरसी में भवन (योजना)	29,461,898.80	-	-	29,461,898.80	27,968,838.20	-	626,868.40	28,595,706.60	866,192.20
अहमदाबाद में भवन	-	137,834,830.00	-	137,834,830.00	-		6,891,741.50	6,891,741.50	130,943,088.50
डी.डी.आर.सी. उपकरण (योजना)	3,645,164.00	-	-	3,645,164.00	3,645,144.00	-		3,645,144.00	20.00
कम्प्यूटरीकरण गतिविधि	9,693,547.16	172,268.00	-	9,865,815.16	9,618,930.03	-	162,068.40	9,780,998.43	84,816.73
एस.ए.आर.ए.ए.एम. फंड (तकनीकी उपकरण + पुस्तकालय पुस्तकें + कंप्यूटर सिस्टम)	1,681,373.00	-	-	1,681,373.00	1,681,368.00	-		1,681,368.00	5.00
अकॉस्टीक कक्ष का निर्माण	80,000.00	-	-	80,000.00	60,000.00	-	10,000.00	70,000.00	10,000.00
डीएसटी परियोजना उपकरण	95,550.00	-	-	95,550.00	95,549.00	-		95,549.00	1.00
भूमि	20,669,248.00	-	-	20,669,248.00	74,362.00	-	13,355.00	87,717.00	20,581,531.00
अकॉस्टीक कक्ष (एमडीएल)	1,432,336.00	-	-	1,432,336.00	537,126.00	-	214,850.40	751,976.40	680,359.60
कंप्यूटर (एमडीएल)	268,532.00	-	-	268,532.00	259,130.10	-	9,398.90	268,529.00	3.00
फर्नीचर और फिक्स्चर (एमडीएल)	579,574.00	-	-	579,574.00	144,893.50	-	57,957.40	202,850.90	376,723.10
कार्यालय उपकरण (एमडीएल)	225,834.00	-	-	225,834.00	80,470.05	-	33,875.10	114,345.15	111,488.85
तकनीकी उपकरण (एमडीएल)	1,488,060.00	-	-	1,488,060.00	558,021.58	-	223,209.00	781,230.58	706,829.42
प्लांट एवं मशीनरी	2,244,218.00	-	-	2,244,218.00	989,491.55	-	-	989,491.55	1,254,726.45
अन्य स्थायी संपत्तियां	26,767.00	-	-	26,767.00	3,640.00	-	-	3,640.00	23,127.00
योग (ए)	**610,141,822.90**	**201,601,016.00**	**9,968,777.00**	**801,774,061.90**	**503,342,935.19**	**4,485,950.00**	**34,042,625.71**	**532,899,610.90**	**268,874,451.00**
विवरण	**प्रारंभिक ब्लॉक 1/04/2023**	**वर्ष के दौरान जोड़**	**वर्ष के दौरान कटौती/पूंजीकृत**	**अंतिम जमा 31/03/2024**	**प्रारंभिक ब्लॉक 1/04/2023**	**वर्ष के दौरान कटौती**	**वर्ष के दौरान मूल्यह्रास**	**अंतिम 31/03/2024**	**शुद्ध ब्लॉक 31/03/2024**
पूंजीगत कार्य प्रक्रियाधीन									
सीपीडब्ल्यूडी	50,310,634.00	27,671,031.00	-	77,981,665.00	-	-	-	-	77,981,665.00
सीपीडब्ल्यूडी के अलावा	2,039,040.00	519,200.00	2,558,240.00	-	-	-	-	-	-
योग(बी)	**52,349,674.00**	**28,190,231.00**	**2,558,240.00**	**77,981,665.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**77,981,665.00**
योग(ए+बी)	**662,491,496.90**	**229,791,247.00**	**12,527,017.00**	**879,755,726.90**	**503,342,935.19**	**4,485,950.00**	**34,042,625.71**	**532,899,610.90**	**346,856,116.00**

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई के 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष का स्वतंत्र रूप से लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई की संलग्न बैलेंस शीट का 31 मार्च 2024 तक, आय एवं व्यय लेखा तथा उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा का लेखा परीक्षा किया है। यह लेखा परीक्षा नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत किया गया है। इन वित्तीय विवरणों की जिम्मेदारी संस्थान के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों के संबंध में हमारे लेखा परीक्षा के आधार पर एक राय व्यक्त करना है।

2 यह पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां केवल लेखा उपचार के संदर्भ में प्रदान करती है, जिसमें वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखा प्रथाओं, लेखा मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के साथ अनुपालन शामिल है। कानून, नियमों और विनियमों (औचित्य और नियमितता) के अनुपालन तथा दक्षता-सह-प्रदर्शन संबंधी पहलुओं आदि से संबंधित वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा टिप्पणियां, यदि कोई हों, निरीक्षण रिपोर्टों/नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से प्रस्तुत की जाती हैं।

3 हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपना लेखा परीक्षण किया है। इन मानकों के तहत यह आवश्यक है कि हम लेखा परीक्षा की योजना बनाएं और इसे इस उद्देश्य से संपादित करें कि वित्तीय विवरणों में कोई भौतिक त्रुटि न हो, इस बारे में यथोचित आश्वासन प्राप्त हो सके। लेखा परीक्षा में परीक्षण के आधार पर वित्तीय विवरणों में उल्लिखित राशियों और प्रकटीकरणों का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की जांच शामिल है। इसमें उपयोग किए गए लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करना, साथ ही वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारा लेखा परीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करता है।

4 हमारे ऑडिट के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

I. हमने अपने ज्ञान और विश्वास के अनुसार, लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए आवश्यक सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं।

II. इस रिपोर्ट में शामिल तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाता और प्राप्ति एवं भुगतान खाता भारत सरकार (वित्त मंत्रालय) द्वारा स्वीकृत प्रारूप में तैयार किए गए हैं, सिवाय उन टिप्पणियों के जो पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) में शामिल हैं।

III. हमारे मतानुसार, संस्थान द्वारा उपविधियों की क्रम संख्या 8 के तहत आवश्यकतानुसार उपयुक्त लेखा पुस्तकें और अन्य संबंधित अभिलेख रखे गए हैं, जैसा कि इन पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।

IV. हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

अ. सामान्य टिप्पणी

अ. 1 संस्थान ने अपनी लेखा नीति के अनुच्छेद 2(iii) के अनुसार कंप्यूटर और पुस्तकालय पुस्तकों पर क्रमशः 60% और 15% मूल्यह्रास चार्ज किया है। हालांकि, लागू किए गए मूल्यह्रास दरें आयकर अधिनियम, 1971 के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए निर्धारित दरों के खिलाफ थीं। इसे पुनः जांचने की आवश्यकता है।

अ. 2 सीपीडब्ल्यूडी मुंबई केंद्रीय डिवीजन से प्राप्त फ़ॉर्म 65 के अनुसार, संस्थान के मुंबई मुख्यालय द्वारा सीपीडब्ल्यूडी को दी गई कुल अग्रिम राशि ₹9.55 करोड़ थी, जिसमें से ₹7.27 करोड़ राशि का उपयोग किया गया और सीपीडब्ल्यूडी के पास ₹2.28 करोड़ की शेष राशि अनुपयोगी पड़ी है। इस संबंध में लेखापरीक्षा में निम्नलिखित बातें पाई गईं:

i) फ़ॉर्म 65 के अनुसार, पूंजी कार्यों पर व्यय ₹7.27 करोड़ था, हालांकि मुंबई मुख्यालय के स्थिर संपत्ति (अनुसूची 8) में सीपीडब्ल्यूडी से संबंधित पूंजी कार्यों में ₹7.18 करोड़ दिखाए गए, जिससे ₹9.00 लाख का अंतर प्रकट हो रहा है। इसे मेल करना आवश्यक है।

ii) इसी प्रकार, फ़ॉर्म 65 के अनुसार 31.03.2024 को सीपीडब्ल्यूडी के पास शेष राशि ₹2.28 करोड़ थी, जबकि संस्थान ने सीपीडब्ल्यूडी को दी गई अग्रिम राशि ₹2.82 करोड़ के रूप में वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम (अनुसूची 11) में दिखायी, जिससे ₹54.00 लाख का अंतर प्रकट हो रहा है। इसे मेल करना आवश्यक है।

अ. 3 संस्थान ने 2023-24 के आय एवं व्यय खाते में ₹19.45 करोड़ का जीआईए पूंजी के रूप में आय (अनुसूची 13 अनुदान) के रूप में शामिल किया। पूंजी अनुदान को आय के रूप में आय एवं व्यय खाते में शामिल करने के कारण आय का अत्यधिक प्र अतिकथन हुआ और परिणामस्वरूप ₹19.45 करोड़ का अधिशेष कोर्पस/पूंजी कोष (अनुसूची 1) में अधिक दर्शाया गया।

अ. 4 निम्नलिखित अंतर आरंभिक शेष राशि, उपयोग और अनुदान में अनुपयोगी शेष राशि के संबंध में खाता अनुसूचियों और संस्थान के अभिलेखों के अनुसार देखा गया:

संस्थान ने 2023-24 में ₹57.83 करोड़ (ओएच-35 पूंजी ₹8.72 करोड़, ओएच-31 सामान्य ₹16.91 करोड़ और ओएच-36 वेतन ₹32.20 करोड़) का अनुदान प्राप्त किया, जिसमें पिछले वर्ष से ₹1.61 करोड़ का अव्ययित शेष था (जो पिछले एसएआर में समापन शेष राशि के रूप में उल्लिखित था)। कुल उपलब्ध अनुदान ₹59.44 करोड़ में से, संस्थान ने ₹59.54 करोड़ का उपयोग किया (पूंजी ₹9.52 करोड़, सामान्य ₹14.80 करोड़, वेतन ₹34.71 करोड़ और स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) ₹51.32 लाख) इस वर्ष, जिसके परिणामस्वरूप ₹10.00 लाख का अधिक उपयोग हुआ। हालांकि, उपयोग प्रमाणपत्र के अनुसार अधिक व्यय ₹7.66 लाख था और संस्थान के रिकॉर्ड के अनुसार यह ₹8.25 लाख था।

अधिनियम 13 और अनुसूची 3 के अनुसार, संस्थान ने 2023-24 में ₹57.83 करोड़ का अनुदान प्राप्त किया (पूंजी ₹8.72 करोड़, सामान्य ₹16.91 करोड़ और वेतन ₹32.20 करोड़), जिसमें

पिछले वर्ष से ₹31.71 करोड़ का अव्ययित शेष था। कुल उपलब्ध अनुदान ₹89.54 करोड़ में से, संस्थान ने ₹69.03 करोड़ का उपयोग किया (पूंजी ₹19.01 करोड़, सामान्य ₹14.80 करोड़, वेतन ₹34.71 करोड़ और स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) ₹51.32 लाख) इस वर्ष, जिससे ₹20.51 करोड़ का अनुपयोगी अनुदान बचा (पूंजी ₹21.19 करोड़, सामान्य ₹2.02 करोड़, वेतन (-) ₹2.80 करोड़ और एसएपी ₹10.16 लाख)। संस्थान के पास 2023-24 में ₹3.83 करोड़ की आंतरिक आय (बैंक ब्याज सहित) थी।
संस्थान के तुलन पत्र में दिखाए गए अव्ययित अनुदान, उपयोग प्रमाणपत्र और संस्थान के रिकॉर्ड के बीच अंतर को मेल नहीं होता।

अ .5 संस्थान ने 2023-24 के दौरान सीएजी के लिए देय लेखा परीक्षा शुल्क के लिए कोई प्रावधान नहीं किया है।

अ .6 संस्थान द्वारा 2013-14 से 2023-24 तक के आयकर भुगतान के अनुसार, 31.03.2024 तक प्राप्त करने योग्य टीडीएस रिफंड की बकाया राशि ₹6.66 लाख थी। हालांकि, कुल टीडीएस रिफंड जो वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम (अनुसूची 11) के तहत दिखाया गया था वह ₹48,573/- था और जीपीएफ ट्रस्ट खाता कोष में ₹18,11,145/- था।

वार्षिक खातों में रिफंड प्राप्ति और आयकर रिफंड में रिफंड दावों के बीच ₹11.94 लाख का अंतर (₹18.60 - ₹6.66 लाख) मेल करना आवश्यक है।

अ .7 संस्थान के पास तीन निष्क्रिय बैंक खाते हैं (i) अनुसंधान कोष खाता संख्या 52010121775566, (ii) विदेशी योगदान कोष खाता संख्या 520101217775604 और (iii) विदेशी योगदान कोष नया खाता संख्या 520281000388772, जिनकी 31.03.2024 तक समापन शेष राशि क्रमशः ₹5.76 लाख, ₹3.41 लाख और ₹6.28 लाख है। ये खाते नवम्बर/दिसंबर 2012 से निष्क्रिय हैं, यानी 11 साल से अधिक समय से।

अ. 8 संस्थान ने कर्मचारियों के लिए पेंशन, ग्रेच्युटी और अवकाश वेतन जैसे सेवानिवृत्ति लाभों के लिए लेखा मानक 15 के अनुसार कोई प्रावधान नहीं किया है, जैसा कि पिछले एस ए आर में भी इंगीत किया गया था।

अ. 9 क्षेत्रीय केंद्रों के वार्षिक खातों के अनुसार, समेकित क्षेत्रीय केंद्रों में विभिन्न बचत बैंक खातों में बड़ी शेष राशियां पाई गई, जैसे कि:

(₹ लाखों में)

क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा	125.52
क्षेत्रीय केंद्र, सिकंदराबाद	102.86
क्षेत्रीय केंद्र, जानला	102.80
क्षेत्रीय केंद्र, अहमदाबाद	105.87
समेकित क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल	183.11

हालांकि, एसएआर 2022-23 में इसी तरह की टिप्पणियां की गई थीं, जिसमें यह उजागर किया गया था कि संस्थान के पास अव्ययित अनुदान निधियों का लाभकारी निवेश करने के लिए कोई निवेश नीति नहीं है, फिर भी संस्थान द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

अ .10 समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) भोपाल के तुलन पत्र की लेखा परीक्षा (अनुसूची 7 - वर्तमान देनदारियां और प्रावधान) से यह पाया गया कि केंद्र ने मार्च 2024 के माह के लिए ₹29,849/- के लंबित बिजली बिल भुगतान के लिए कोई प्रावधान नहीं किया है।

अ .11 सीआरसी, भोपाल ने एमपीएमकेवीवीसीएल में ₹60,280/- के रूप में जमा राशि दर्शाई थी जो कि ऋण, अग्रिम और जमा (अनुसूची 11) के तहत ₹69,348/- के बजाय, ₹9068/- का अंतर है।

अ .12 सीआरसी, भोपाल के मामले में, जैसा कि सीपीडब्ल्यूडी द्वारा प्रस्तुत फ़ॉर्म 65 के अनुसार, सीपीडब्ल्यूडी को दी गई कुल अग्रिम राशि ₹4.44 करोड़ थी, जिसमें से ₹1.61 करोड़ पूंजीगत संपत्तियों के निर्माण के लिए उपयोग किया गया था और शेष ₹2.83 करोड़ 'सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम' के रूप में वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम (अनुसूची 11) में दिखाए गए थे। हालांकि, फ़ॉर्म 65 में दिखाए गए पूंजीगत व्यय को बैलेंस शीट में स्थिर संपत्तियों (अनुसूची 8) के तहत नहीं दिखाया गया था। इसे पुनः जांचने और मेल करने की आवश्यकता है।

बी. अनुदान

अनुसूची 13 और अनुसूची 3 के अनुसार, संस्थान ने 2023-24 में ₹57.83 करोड़ का अनुदान प्राप्त किया (पूंजी ₹8.72 करोड़, सामान्य ₹16.91 करोड़ और वेतन ₹32.20 करोड़), जिसमें पिछले वर्ष से ₹31.71 करोड़ का अव्ययित शेष था। कुल उपलब्ध अनुदान ₹89.54 करोड़ में से, संस्थान ने ₹69.03 करोड़ का उपयोग किया (पूंजी ₹19.01 करोड़, सामान्य ₹14.80 करोड़, वेतन ₹34.71 करोड़ और स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) ₹51.32 लाख), जिससे ₹20.51 करोड़ का अनुपयोगी अनुदान बचा (पूंजी ₹21.19 करोड़, सामान्य ₹2.02 करोड़, वेतन (-) ₹2.80 करोड़ और एसएपी ₹10.16 लाख)। इन शेष राशियों पर ऊपर A.4 में टिप्पणी की गई है।

इसके अतिरिक्त, संस्थान ने वर्ष के दौरान (एडिप के तहत) ₹22.23 करोड़ का अनुदान प्राप्त किया था, जिसमें ₹19.89 करोड़ का अनुदान वर्ष के दौरान प्राप्त हुआ, लाभार्थियों से ₹50.30 लाख की वसूली, ₹1.37 लाख की ब्याज आय और पिछले वर्ष से ₹182.91 लाख का अव्ययित शेष था। इस राशि में से, संस्थान ने ₹19.87 करोड़ का उपयोग किया, जिससे ₹2.36 करोड़ की अव्ययित शेष राशि बची।

I. हमारे द्वारा पहले किए गए टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए, हम रिपोर्ट करते हैं कि तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाता और प्राप्ति एवं भुगतान खाता जो इस रिपोर्ट में शामिल हैं, वे लेखा पुस्तकों के साथ मेल खाते हैं।

II. हमारे विचार में और हमारे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार तथा हमें दी गई स्पष्टीकरणों के आधार पर, उक्त वित्तीय विवरण, लेखा नीतियों और खाता टिप्पणियों के साथ मिलाकर, और ऊपर उल्लिखित महत्वपूर्ण मामलों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के परिशिष्ट में

उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार सही और उचित दृश्य प्रदान करते हैं:

(अ) जहाँ तक यह तुलन पत्र से संबंधित है, 31 मार्च 2024 को अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई की स्थिति; और

(आ) जहाँ तक यह आय और व्यय खाते से संबंधित है, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की ओर से,

हस्ता/-
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षक (केंद्रीय), मुंबई

स्थान : **मुंबई**,
तिथि : **05.12. 2024**

अनुलग्नक

1.	**आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता** वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा न तो किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा किया गया और न ही मंत्रालय द्वारा। इसके अलावा, संस्थान के पास कोई आंतरिक लेखा परीक्षा मैनुअल नहीं है।
2.	**आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता** बोर्ड की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में निम्नलिखित कमियाँ हैं: • अचल संपत्तियों के अनुसार, 2018-19 से पूंजीकृत और मूल्यह्रास की गई 299.69 लाख की राशि को उलटा दिया गया और वर्ष 2023-24 के दौरान अचल संपत्तियों में वापस जोड़ दिया गया। हालाँकि, किसी भी सक्षम प्राधिकारी द्वारा उलटफेर को मंजूरी नहीं दी गई थी। इसके अलावा, नोट्स टू अकाउंट्स में कोई खुलासा नहीं किया गया था। • नोएडा, सिकंदराबाद, जानला, अहमदाबाद और भोपाल में क्षेत्रीय केंद्रों (आरसी) ने अपने बचत बैंक खातों में पड़ी अप्रयुक्त धनराशि का निवेश नहीं किया, जबकि पिछले एसएआर में इस बात का उल्लेख किया गया था।
3.	**परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन** वर्ष 2023-24 के लिए परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया है।
4.	**इन्वेंट्री के भौतिक सत्यापन प्रणाली** वर्ष 2023-24 के लिए इन्वेंट्री का भौतिक सत्यापन किया गया है।
5.	**वैधानिक बकाया के भुगतान में नियमितता** संस्थान वैधानिक बकाया के भुगतान में नियमित है।

हस्ता/-
प्रधान निदेशक लेखा परीक्षक (केंद्रीय), मुंबई

अली यावर जंग राष्ट्रीय
वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान

के. सी. मार्ग, बान्द्रा रिक्लेमेशन, बान्द्रा (पश्चिम),
मुंबई - 400 050
दूरभाष : 022 - 26400215/26400228
फैक्स : 91-22-26404170
ई - मेल : ayjnihh-mum@nic.in
वेबसाइट : http://ayjnihh.nic.in
आइ एस/आइ एस ओ 9001:2015 प्रमाणित संस्थान

Ali Yavar Jung National Institute of
Speech and Hearing Disabilities (Divyangjan)

K. C. Marg, Bandra Reclamation, Bandra (W)
Mumbai - 400 050
Tel: 2640-0215/0228/9176
Fax: 26404170
E-mail: ayjnihh-mum@nic.in
Website: http://ayjnihh.nic.in
IS/ISO 9001: 2015 Certified Organization

दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन स्वायत संस्थान
(An Autonomous body under the Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, New Delhi)

संदर्भ संख्या : Ref. No : **ए/लेखा परीक्षा/2024-25**

दिनांक : Date : **09/12/2024**

सेवा में,

उप निदेशक (सी एंड एबी),

भारतीय लेखा और लेखा विभाग,

महानिदेशक लेखा (केंद्रीय) का कार्यालय,

ऑडिट भवन, सी-25, आयकर भवन के पीछे,

बांद्रा-कुर्ला परिसर, मुंबई – 400 051।

विषय: 2023-24 के वार्षिक खातों पर पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट।

संदर्भ: पीडीए(सी)/सी व एबी/एसएआर/एवायजेएनआईएसएचडी मुंबई/23-24/736 दिनांक 05/12/2024।

महोदया,

उपरोक्त संदर्भित पत्र के संबंध में, निम्नलिखित उत्तर प्रस्तुत हैं:

ए. सामान्य टिप्पणी

ए.1 संस्थान द्वारा कंप्यूटर पर 60% और ई-पुस्तकालय की पुस्तकों पर 15% की दर से निरंतर रूप से मूल्यह्रास लिया जा रहा है। यह संस्थान की लेखांकन नीति में स्पष्ट किया गया है। लेखा परीक्षा में सुझाई गई मूल्यह्रास की संशोधित दर को वित्त वर्ष 2024-25 से लागू किया जाएगा।

ए.2 i) ₹9.00 लाख की राशि एवाईजेएनआईएसएचडी, मुंबई में स्तिथ पानी के टैंक की मरम्मत/नवीनीकरण और पेंटिंग से संबंधित है। चूंकि कार्य पूर्ण हो चुका है, इस राशि को वित्त वर्ष 2023-24 के अनुसूची-08 में स्थायी परिसंपत्तियों में जोड़ा गया है। ₹7.18 करोड़ के अन्य सभी व्यय कार्य प्रगति पर होने के कारण कैपिटल वर्क इन प्रोग्रेस (CWIP) के अंतर्गत दिखाए गए हैं। इस प्रकार, कुल व्यय ₹7.27 करोड़ (सीपीडब्ल्यूडी के फॉर्म 65 के अनुसार) के समान रहता है।

ii) ₹54.00 लाख रुपये के अंतर का समाधान सीपीडब्ल्यूडी के फॉर्म 65 के अनुसार है और संस्थान की वर्तमान संपत्ति निम्नानुसार है:

फॉर्म 65 में परिलक्षित राशि	**₹2.28 करोड़**
जोड़ें:	
28-03-2024 को जारी चेक (विव 2024-25 में समाशोधन)	₹0.26 करोड़

28-03-2024 को जारी चेक (वित्त 2024-25 में समाशोधन)	₹0.20 करोड़
सीपीडब्ल्यूडी इलेक्ट्रिकल डिवीजन को दिए अग्रिम (फॉर्म 65 में नहीं शामिल)	₹0.06 करोड़
सीपीडब्ल्यूडी को दिए अग्रिम (फॉर्म 65 में नहीं शामिल)	₹0.02 करोड़
कुल वर्तमान परिसंपत्तियां (अनुसूची-11)	**₹2.82 करोड़**

ए.3 सामान्यत: स्वीकृत लेखा सिद्धांतों अनुसूची-03 "ईयरमार्क्ड फंड" में रिकॉर्ड किया गया है। जब सीपीडब्ल्यूडी द्वारा स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण पूरा किया और इस व्यय को अनुसूची-08 में पूंजीकृत किया गया, और पूंजी अनुदान को आय और व्यय खाते के माध्यम से कॉर्पस/पूंजी खाते द्वारा रूट किया गया। 31-03-2024 तक ईयरमार्क्ड फंड में शेष पूंजी अनुदान ₹14.84 करोड़ है। यह वह राशि है, जो या तो प्रगति पर है या अभी पूरी नहीं हुई है।

लेखा परीक्षा के सुझाव के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 से पूंजी अनुदान का उपयोग सीधे कॉर्पस फंड में दर्ज किया जाएगा।

ए.4 **अनुदान**

संस्थान (मुख्यालय, आरसी, और सीआरसी सहित) के अनुसार अनुदान का विवरण **(अनुलग्नक – I)** ।

लेखा परीक्षा टिप्पणियों के अनुसार अनुसूची-3 और अनुसूची -13 से लिया गया विवरण **(अनुलग्नक-II)** ।

ए.5 सी एंड एजी के लिए देय लेखा परीक्षा शुल्क को वित्त वर्ष 2024-25 में प्रावधानित किया जाएगा।

ए.6 आयकर विभाग से ₹11.94 लाख की वापसी हेतु देय राशि का सामंजस्य किया जाएगा और इसे वित्त वर्ष 2024-25 में लेखाबद्ध किया जाएगा।

ए.7 संस्थान द्वारा हर प्रकार के विशिष्ट अनुदान के लिए अलग-अलग बैंक खाते बनाए गए हैं। चूंकि विभिन्न कारणों से इन अनुदानों का उपयोग नहीं किया गया है, इसलिए ये बैंक खाते निष्क्रिय हो गए हैं। संस्थान इन अनुदानों के उपयोग हेतु प्रयास कर रहा है। साथ ही, ग्रांटीज (अनुदान प्राप्तकर्ताओं) से निधि वापस लेने हेतु कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। चूंकि इसमें विदेशी योगदान शामिल है, इसलिए एफसीआरए के तहत अनुपालन करना आवश्यक है।

ए.8 संस्थान एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशन में कार्य करता है। यह एक व्यावसायिक संगठन नहीं है, इसलिए सभी लेखांकन मानक संस्थान पर लागू नहीं होते हैं। सेवानिवृत्ति लाभ/पेंशन को बजट अनुमान में प्रतिबिंबित किया गया है, जिसे कार्यकारी परिषद/सामान्य परिषद द्वारा वेतन भत्ते/पेंशन के तहत अनुमोदित किया गया है।

ए.9 बचत खाते में अप्रयुक्त शेष राशि का अधिकांश भाग मार्च 2024 के अंतिम सप्ताह में आरसी/सीआरसी द्वारा प्राप्त किया गया है, जिसे अप्रैल 2024 में उपयोग किया गया। संस्थान आरसी/सीआरसी को

अनुदान देते समय उनके पास पड़ी राशि और निकट भविष्य में खर्च की आवश्यकता पर विचार करता है।

संस्थान इस प्रक्रिया को और सुदृढ़ करेगा और आरसी/सीआरसी को तुरंत आवश्यक न होने वाली राशि के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट रखने का निर्देश देगा।

ए.10 मार्च माह के बिजली बिल के लिए प्रावधान वित्त वर्ष 2024-25 के खातों के अंतिम रूप में किया जाएगा।

ए.11 अनुसूची-11 में एमपीएमकेवीवीसीएल के पास जमा राशि और ऋण एवं अग्रिमों के बीच ₹9,068/- के अंतर का सामंजस्य वित्त वर्ष 2024-25 में किया जाएगा।

ए.12 सीपीडब्ल्यूडी के फॉर्म 65 के अनुसार ₹2.83 करोड़ का बकाया अनुसूची-11 (ऋण एवं अग्रिम) में सीआरसी भोपाल की वर्तमान परिसंपत्तियों से मेल खाता है। सीपीडब्ल्यूडी द्वारा पिछले वर्षों में पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए ₹1.61 करोड़ के उपयोग की समीक्षा और सामंजस्य किया जाएगा।

अनुलग्नक

1	**आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता**	. वर्ष 2023-24 के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली का कार्य बाहरी चार्टर्ड अकाउंटेंट को निविदा प्रक्रिया के अनुसार आवंटित किया गया है। हालांकि, उन्होंने लेखा परीक्षा पूरी नहीं की है। संस्थान अग्रिम कार्रवाई हेतु उनके साथ संपर्क में है। मंत्रालय को वर्ष 2023-24 के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की जानकारी दी जाएगी।
2	**आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**	• ₹99.69 लाख को स्थायी परिसंपत्तियों से हटाने का कारण: यह गलती से 2018-19 में CWIP को स्थायी परिसंपत्तियों में पूंजीकृत कर दिया गया था, जिसे वर्ष 2024-25 में ठीक किया गया है। • बचत खातों में पड़े अप्रयुक्त शेष राशि (आरसी -नोएडा, सिकंदराबाद, जानला, अहमदाबाद, भोपाल) की समीक्षा की जाएगी, और आगे अनुदान शेष राशि को ध्यान में रखते हुए वितरित किया जाएगा।
3	**परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन**	नोट किया जाता है। वर्ष 2023-24 के लिए परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया है।
4	**इंवेंट्री का भौतिक सत्यापन प्रणाली**	नोट किया जाता है। वर्ष 2023-24 के लिए इंवेंट्री का भौतिक सत्यापन किया गया है।

5	**वैधानिक देनदारियों के भुगतान में नियमितता**	नोट किया जाता है। संस्थान वैधानिक देनदारियों के भुगतान में नियमित है।

अतः उपरोक्त उत्तरों के संदर्भ में, आपसे अनुरोध है कि कृपया टिप्पणियों को हटाने की कृपा करें।

भवदीय,

हस्ता/-
(डॉ. सुमन कुमार)
निदेशक

संलग्नक: यथोक्त

वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित दीर्घविधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	संबद्धता	प्रवेश-क्षमता	वर्ष 2023-24 में दाखिल	वर्ष 2023-24 में उत्तीर्ण	चयन प्रक्रिया
	मुख्यालय, मुंबई द्वारा संचालित पाठ्यक्रम					
01	विज्ञान में स्नातकोत्तर (श्रवणविज्ञान)	एमयूएचएस, नासिक	10	10	09	अखिल भारतीय/महाराष्ट्र सीईटी प्रवेश परीक्षा
02	शिक्षा में स्नातकोत्तर - विशेष शिक्षा (श्रवण ह्रास)	मुंबई विश्वविद्यालय	23	07	05	अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा
03	श्रवणविज्ञान और वाक् भाषा विकृतिविज्ञान में स्नातक	एमयूएचएस, नासिक	43	40	29	अखिल भारतीय/एनईईटी प्रवेश परीक्षा
04	शिक्षा में स्नातक - विशेष शिक्षा (श्रवण ह्रास)	मुंबई विश्वविद्यालय	30	08	04	अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा
05	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (श्रवण दिव्यांग व्यक्तियों के लिए)	महाराष्ट्र राज्य व्यावसायिक शिक्षा एवं परीक्षा बोर्ड.	25	10	01	योग्यता के अनुसार चयन
06	ऑडिटरी वर्बल थेरपी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	मुंबई विश्वविद्यालय	20	0	6	अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा
07	भारतीय सांकेतिक भाषा दुभाषिया डिप्लोमा	आरसीआई, नई दिल्ली	15	05	0	आरसीआई प्रवेश परीक्षा
		मुख्यालय की कुल संख्या	**166**	**80**	**57**	

(कृपया अध्याय संख्या 5 मानव संसाधन विकास देखें)

	क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता द्वारा संचालित पाठ्यक्रम					
08	विज्ञान में स्नातकोत्तर (वाक् भाषा विकृति विज्ञान)	पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता	15	15	12	प्रवेश परीक्षा
09	श्रवणविज्ञान और वाक् भाषा विकृति विज्ञान में स्नातक	पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता	32	32	41	प्रवेश परीक्षा
10	शिक्षा में स्नातक - विशेष शिक्षा (श्रवण ह्रास)	पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, कोलकाता	23	17	10	प्रवेश परीक्षा
11	शिक्षा में स्नातक - विशेष शिक्षा – दूरस्थ शिक्षा (श्रवण ह्रास)	नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता	50	50	14	प्रवेश परीक्षा
12	शिक्षा में पदविका, विशेष शिक्षा (श्रवण ह्रास)	आरसीआई, नई दिल्ली	31	11	06	प्रवेश परीक्षा
13	भारतीय सांकेतिक भाषा दुभाषिया डिप्लोमा	आरसीआई, नई दिल्ली	15	02	0	प्रवेश परीक्षा
14	कंप्यूटर एप्लिकेशन में पदविका	डब्ल्यूईबीईएल इन्फोर्मेटिक्स लिमिटेड	20	20	15	मेरिट के आधार पर
		क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता की कुल संख्या	**186**	**147**	**98**	

(कृपया अध्याय संख्या 5 मानव संसाधन विकास देखें)

	क्षेत्रीय केंद्र, सिकंदराबाद द्वारा संचालित पाठ्यक्रम					
15	विज्ञान में स्नातकोत्तर (श्रवणविज्ञान)	उस्मानिया विश्वविद्यालय	13	13	12	प्रवेश परीक्षा
16	श्रवणविज्ञान और वाक् भाषा विकृति विज्ञान में स्नातक उपाधि	उस्मानिया विश्वविद्यालय	34	32	27	प्रवेश परीक्षा
17	शिक्षा में स्नातक - विशेष शिक्षा (श्रवण ह्रास)	उस्मानिया विश्वविद्यालय	30	17	04	प्रवेश परीक्षा
18	शिक्षा डिप्लोमा-विशेष शिक्षा (एचआई)	आरसीआई, नई दिल्ली	35	09	05	प्रवेश परीक्षा
		क्षेत्रीय केंद्र, सिकंदराबाद की कुल संख्या	**112**	**71**	**48**	
	क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा					
19	श्रवणविज्ञान और वाक् भाषा विकृति विज्ञान में स्नातक उपाधि	जी.जी.एस. इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय	25	22	23	जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) के माध्यम से
20	शिक्षा डिप्लोमा-विशेष शिक्षा (एचआई)	आरसीआई, नई दिल्ली	38	38	28	योग्यता परीक्षा में मेरिट के आधार पर
21	श्रवण दिव्यांगजनों के लिए कंप्यूटर एप्लिकेशन में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम	एनआईओएस	20	02	06	योग्यता परीक्षा में मेरिट के आधार पर
		क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा की कुल संख्या	**83**	**62**	**57**	

(कृपया अध्याय संख्या 5 मानव संसाधन विकास देखें)

	क्षेत्रीय केंद्र, जानला, उड़िसा द्वारा संचालित पाठ्यक्रम					
22	शिक्षा में स्नातक - विशेष शिक्षा (श्रवण ह्रास)	उत्कल विश्वविद्यालय	30	19	25	योग्यता परीक्षा में मेरिट के आधार पर
23	शिक्षा में पदविका-विशेष शिक्षा- (श्रवण ह्रास)	आरसीआई, नई दिल्ली	36	32	29	योग्यता परीक्षा में मेरिट के आधार पर
24	श्रवण, भाषा और वाक् डिप्लोमा	आरसीआई, नई दिल्ली	30	16	04	योग्यता परीक्षा में मेरिट के आधार पर
		क्षेत्रीय केंद्र, जानला की कुल संख्या	**96**	**67**	**58**	
		कुल योग	**643**	**427**	**318**	

1. आरसीआई - भारतीय पुनर्वास परिषद

2. एमयूएचएस, नासिक - महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठ, नासिक

3. एनआईओएस - राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

4. जीजीएसआईपीयू - गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

5. डब्ल्यूबीयूएचएस - पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता

** वर्ष 2023-24 के लिए दाखिल अभ्यर्थियों की जानकारी है और अंतिम कॉलम वर्ष 2023-24 में घोषित अंतिम परीक्षा परिणामों को दर्शाता है।

(कृपया अध्याय संख्या 5 मानव संसाधन विकास देखें)

परिशिष्ट - II

वर्ष 2023-2024 के दौरान आयोजित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	लक्ष्य समूह	दिनांक/अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	स्थल/प्लेटफ़ॉर्म
	अप्रैल				
1.	ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के लिए वैकल्पिक संचार तकनीकें	दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	03.04.2023	32	मुंबई
2.	वाक् एवं श्रवण पुनर्वास के लिए एवीटी	पुनर्वास पेशेवर	14.04.2023	245	ऑनलाइन
3.	विश्व आवाज़ दिवस के अवसर पर आवाज़ का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन	एएसएलपी और छात्र	16.04.2023	100	ऑनलाइन
4.	माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय: पठन कौशल	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	27.04.2023	75	आरसी, कोलकाता
5.	श्रवण दिव्यांगजनों के लिए प्रवर्धन उपकरण	श्रवण दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	28.04.2023	107	ऑनलाइन
6.	भारतीय सांकेतिक भाषा में बुनियादी प्रशिक्षण	शिक्षक	25.04.2023 से 29.04.2023	23	मुंबई
7.	स्पर्श 3.0 के चार लाइव सत्र	पुनर्वास पेशेवर	06.04.2023, 13.04.2023, 20.04.2023, 27.04.2023	115	ऑनलाइन
	मई				
8.	भारतीय सांकेतिक भाषा कौशलों में आधारभूत संप्रेषण	संस्थान के छात्र	11.05.2023, 15.05.2023, 16.05.2023	48	मुंबई
9.	एडिप के तहत कोक्लिअर इम्प्लांट वाले बच्चों में प्रारंभिक श्रवण कौशल विकसित करने के लिए मॉड्यूल पर प्रशिक्षण	देश भर में एडीआईपी द्वारा पैनलबद्ध चिकित्सक	15.05.2023 एवं 16.05.2023	83	ऑनलाइन

10.	माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय: पूर्व-गणित (प्री-मैथ्स)	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	18.05.2023	71	आरसी, कोलकाता
11.	वैश्विक सुगम्यता दिवस के अवसर पर भारत में सुगम्यता पर कानूनी रूपरेखा	छात्र, कर्मचारी और पेशेवर	18.05.2023	84	ऑनलाइन
12.	क्रॉस डिसेबिलिटी प्रारंभिक हस्तक्षेप और स्कूल तत्परता के लिए पाठ्यचर्या ढांचे पर मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम	राष्ट्रीय संस्थानों और सीआरसी के संकाय	18.05.2023 एवं 19.05.2023	27	ऑनलाइन
13.	एडिप के तहत कोक्लिअर इम्प्लांट बच्चों में प्रारंभिक श्रवण कौशल विकसित करने के लिए मॉड्यूल पर प्रशिक्षण	देश भर में एडीआईपी द्वारा पैनलबद्ध डॉक्टर	22.05.2023 एवं 23.05.2023	75	ऑनलाइन
14.	निर्देशित गतिविधियों के माध्यम से श्रवण दिव्यांग बच्चों में भाषा का विकास करना	श्रवण दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	31.05.2023	103	ऑनलाइन
15.	पुनर्वास पेशेवरों की क्षमता निर्माण और आईएसएल कौशल में आधारभूत संप्रेषण पर सीआरई	विशेष शिक्षक	29.05.2023 से 31.05.2023	30	ऑनलाइन
	जून				
16.	नासोमेट्री के नैदानिक अनुप्रयोग	छात्र, कर्मचारी और पेशेवर	04.06.2023	96	ऑनलाइन
17.	वेस्टिबुलर पुनर्वास में प्रगति	छात्र, कर्मचारी और पेशेवर	11.06.2023	87	ऑनलाइन
18.	ऑडियोलॉजिकल अपडेट 2023 पर सीआरई	एमएससी ऑडियोलॉजी छात्र और प्रशिक्षु	10.06.2023 एवं 11.06.2023	90	मुंबई
19.	माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय: प्री-मैथ्स	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	15.06.2023	74	आरसी, कोलकाता
20.	आईएसएल कौशल में आधारभूत संप्रेषण पर कार्यशाला	बीएड.एमएड.विशेष शिक्षा औरएचएसीएसई छात्र	14.06.2023 से 16.06.2023	40	मुंबई
21.	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 'वसुधैव कुटुंबकम' के लिए योग	छात्र, कर्मचारी और अभिभावक	21.06.2023	64	आरसी, कोलकाता

22.	दिव्यांगजनों के लिए योग स्वास्थ्य का मार्ग	दिव्यांग व्यक्ति	21.06.2023	35	मुंबई
23.	दिव्यांगजन बच्चों में तनाव का प्रबंधन	पुनर्वास पेशेवर और माता-पिता	23.06.2023	30	ऑनलाइन
24.	हेलेन केलर दिवस के उपलक्ष्य में शैक्षिक पुनर्वास में योगदान और भूमिका पर कार्यशाला	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	27.06.2023	50	आरसी, कोलकाता
25.	श्रवण दिव्यांग बच्चों के लिए स्कूल तैयारी	श्रवण दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	28.06.2023	113	ऑनलाइन
	जुलाई				
26.	माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय: लेखन	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	20.07.2023	71	आरसी,कोलकाता
27.	निरामय स्वास्थ्य बीमा योजना	दिव्यांग व्यक्ति और उनके अभिभावक	27.07.2023	34	मुंबई
28.	विभिन्न दिव्यांगताओं वाले बच्चों के लिए प्रारंभिक हस्तक्षेप और स्कूल की तैयारी के लिए माता-पिता के सशक्तिकरण पर सीआरई	विशेष शिक्षक	26.07.2023 से 28.07.2023	49	आरसी, सिकंदरबाद
29.	दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समर्थन	श्रवण दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	28.07.2023	84	ऑनलाइन
30.	ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के प्रबंधन के लिए गृह आधारित व्यावसायिक चिकित्सा गतिविधियाँ	दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	28.07.2023	35	मुंबई
	अगस्त				
31.	दैनिक जीवन में स्वास्थ्य पर सेमिनार - अ हेल्थी आउटसाइड स्टार्ट फ्रॉम इंसाइड	संस्थान के छात्र	09.08.2023	116	आरसी, कोलकाता
32.	एसएचडी की रोकथाम, शीघ्र पहचान और पुनर्वास"	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, आईआरसीएस के परियोजना कर्मचारी	17.08.2023	106	आरसी, कोलकाता

33.	रैगिंग विरोधी उपाय - आज की आवश्यकता	संस्थान के छात्र	18.08.2023	35	मुंबई
34.	माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय: लेखन	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	24.08.2023	70	आरसी, कोलकाता
35.	श्रवण दिव्यांगजनों के लिए प्रवर्धन उपकरण	श्रवण दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	29.08.2023	108	ऑनलाइन
	सितम्बर				
36.	6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए पोषण और स्वस्थ व्यंजनों का महत्व	दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	08.09.2023	38	मुंबई
37.	दिव्यांगजनों के लिए कल्याणकारी योजनाएं	दिव्यांग व्यक्तियों के माता-पिता और विशेष शिक्षक	13.09.2023	56	दादर,मुंबई
38.	नवजात शिशु की श्रवण जांच और श्रवण हानि की शीघ्र पहचान का महत्व	नर्सिंग स्टाफ	15.09.2023	54	आरसी, सिकंदरबाद
39.	बच्चों में आत्महत्या और आत्महत्या की रोकथाम	पुनर्वास पेशेवर और माता-पिता	15.09.2023	28	ऑनलाइन
40.	माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय: श्रवण दिव्यांग बच्चों के लिए भाषा शिक्षण	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	21.09.2023	70	आरसी, कोलकाता
41.	पूर्व-साक्षरता कौशल और व्यवहार प्रबंधन रणनीतियों का विकास	दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	26.09.2023	40	मुंबई
42.	आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम, 2016	श्रवण दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	29.09.2023	76	ऑनलाइन
	अक्टूबर				
43.	मानसिक स्वास्थ्य और दिव्यांगता	विशेष शिक्षक	07.10.2023	35	ऑनलाइन
44.	माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय: श्रवण दिव्यांग बच्चों के लिए भाषा शिक्षण	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	12.10.2023	62	आरसी, कोलकाता
45.	कॉक्लिअर इम्प्लांटेशन और उसके	श्रवण दिव्यांग बच्चों	17.10.2023	60	आरसी,जानला

	प्रबंधन को समझना	के माता-पिता			
46.	श्रवण दिव्यांग बच्चों के माता-पिता के लिए श्रवण मौखिक चिकित्सा के माध्यम से सुबोध भाषण का विकास	प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा एवं प्री स्कूल के माता-पिता	18.10.2023	50	आरसी,जानला
47.	परामर्श एवं मार्गदर्शन पर अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा एवं प्री स्कूल के बच्चों के अभिभावक, नियमित स्कूल शिक्षक, ब्लॉक संसाधन शिक्षक एवं विशेष शिक्षक	19.10.2023	70	आरसी,जानला
48.	निरामय और दिव्यांजनों के लिए अन्य सभी योजनाओं और रियायतों पर कार्यशाला	दिव्यांग व्यक्तियों के माता-पिता और विशेष शिक्षक	26.10.2023	85	गोरेगाव,मुंबई
49.	एनईपी 2020 के आलोक में प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा का महत्व	आंगनवाड़ी शिक्षक एवं अभिभावक	27.10.2023	50	आरसी, सिकंदरबाद
50.	तनाव प्रबंधन कौशल	दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	27.10.2023	42	मुंबई
51.	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों में अवधारणा निर्माण और कौशल विकास	श्रवण दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	29.10.2023	110	ऑनलाइन
52.	मीडिया के माध्यम से स्ट्रोक जागरूकता पर राष्ट्रीय कार्यक्रम: धारणाओं को आकार देना, चुनौतियों पर काबू पाना और दिव्यांगता समर्थन को बढ़ावा देना	मेडिकल, पैरा-मेडिकल, कानूनी, नर्सिंग और मीडिया के क्षेत्र से पेशेवर और छात्र	30.10.2023	81	सोलन, हिमाचल प्रदेश
53.	युवा श्रवण दिव्यांग बच्चे में पढ़ने और लिखने के कौशल का विकास	प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा एवं प्री स्कूल के अभिभावक, नियमित स्कूल शिक्षक, ब्लॉक संसाधन शिक्षक एवं विशेष शिक्षक	31.10.2023	70	आरसी,जानला
54.	श्रवण दिव्यांग बच्चों में मनो-सामाजिक समस्याओं का प्रबंधन	प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक	31.10.2023	30	आरसी,जानला

नवंबर					
55.	केंद्रीय और राज्य स्तरीय योजनाओं और रियायतों का लाभ उठाने में दिव्यांगजनों की सहायता करने में पुनर्वास पेशेवरों की भूमिका	पुनर्वास पेशेवर	03.11.2023	66	ऑनलाइन
56.	एनईपी 2020 में भाषा पर सिफारिश पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	शिक्षक, शिक्षाविद और मास्टर प्रशिक्षक	04.11.2023	25	खोर्दा
57.	दिव्यांगजनों के लिए कल्याणकारी योजनाएं, सुविधाएं और रियायतें	दिव्यांग व्यक्तियों के माता-पिता और विशेष शिक्षक	06.11.2023	68	पनवेल,रायगड़
58.	माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय: समावेशी शिक्षा के लिए श्रवण बाधित बच्चों के लिए स्कूल की तैयारी	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	23.11.2023	80	आरसी, कोलकाता
59.	आईएसएल कौशलों में आधारभूत संप्रेषण	बी.एड, एम.एड विशेष शिक्षा और एचएसीएसई छात्र	21.11.2023 से 23.11.2023	21	मुंबई
60.	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा के लिए टीएलएम का विकास और उपयोग	श्रवण दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	29.11.2023	81	ऑनलाइन
61.	बच्चों में स्क्रीन की लत	विशेष बच्चे के माता-पिता	29.11.2023	48	मुंबई
62.	एडिप पैनलबद्ध पेशेवरों के लिए पुनर्वास में नैदानिक योजना और दस्तावेज़ीकरण पर सीआरइ	एएसएलपी एवं विशेष शिक्षक (एचआई)	29.11.2023	64	ऑनलाइन
63.	बच्चों की वाणी और भाषा उत्तेजना पर मार्गदर्शन	बीएएसएलपी छात्र	29.11.2023	65	मुंबई
64.	एडिप पैनलबद्ध पेशेवरों के लिए पुनर्वास में नैदानिक योजना और दस्तावेज़ीकरण पर सीआरई	एएसएलपी एवं विशेष शिक्षक (एचआई)	30.11.2023	41	ऑनलाइन

	दिसंबर				
65.	सफलता का सशक्तिकरण: सहायता सेवाओं को बढ़ाने में विशेष शिक्षकों की भूमिका	सामान्य बी.एड. प्रशिक्षु एवं विशेष शिक्षक प्रशिक्षु	01.12.2023	41	आरसी, सिकंदरबाद
66.	अंतर्राष्ट्रीय राइफल शूटर सुश्री नताशा जोशी द्वारा प्रेरक व्याख्यान	दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	05.12.2023	55	मुंबई
67.	सहायक श्रवण उपकरणों में अत्याधुनिक प्रगति पर श्रवण प्रवर्धन रणनीतियों और प्रबंधन में अद्यतन प्रगति	एएसएलपी	07.12.2023	40	ऑनलाइन
68.	श्रवण प्रवर्धन रणनीतियों और प्रबंधन में हाल की प्रगति पर सीआरई	एएसएलपी एवं विशेष शिक्षक	06.12.2023 से 08.12.2023	40	आरसी, सिकंदरबाद
69.	एनआईओएस बोर्ड के माध्यम से उपस्थित होने वाले सीडब्ल्यूएसएन के लिए प्रक्रियाओं, रियायतों और सुविधाओं के बारे में जागरूकता	विशेष शिक्षक	08.12.2023	47	मुंबई
70.	माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय: पूर्व-पठन	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	14.12.2023	70	आरसी, कोलकाता
71.	श्रवण बाधित बच्चों में सुप्रा सेगमेंटल पहलू का विकास	श्रवण दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	18.12.2023	61	ऑनलाइन
72.	तंत्रिका संबंधी समस्या से पीड़ित व्यक्तियों के स्वास्थ्य के लिए योग	एएसएलपी	21.12.2023	54	ऑनलाइन
73.	वाचाघात के उपचार नई प्रवृत्तियां	एएसएलपी	22.12.2023	75	ऑनलाइन
	जनवरी				एवंसे
74.	समावेशी शिक्षा पर सीआरई कार्यक्रम और दिव्यांग बच्चों के लिए इसका महत्व	पुनर्वास पेशेवर	03.01.2024	112	ऑनलाइन
75.	अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सीआरई - 'सांकेतिक भाषा दुभाषियों का	आईएसएल दुभाषिए	06.01.2024 एवं	47	गोवा

	सम्मेलन'		07.01.2024		
76.	वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजनों की पहचान, रोकथाम एवं हस्तक्षेप पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम	नर्सेस	12.01.2024	25	आरसी, कोलकाता
77.	दिव्यांग बच्चों के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग और शिक्षण अधिगम सामग्री के विकास पर सीआरई	विशेष शिक्षक	17.01.2024 से 19.01.2024	43	आरसी, सिकंदरबाद
78.	श्रवण दिव्यांग एवं कम सुनने वाले व्यक्तियों की शिक्षा में कृती शोध (एक्शन रिसर्च) पर सी.आर.ई.	विशेष शिक्षक	14.01.2024 से 19.01.2024	35	मुंबई
79.	माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय: पूर्व-पठन	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	22.01.2024	80	आरसी, कोलकाता
80.	नियमित स्कूलों में समेकित (इंटीग्रेटेड) कोक्लीयर इम्प्लांट वाले बच्चों की संप्रेषण चुनौतियों का समाधान	एएसएलपी	24.01.2024	75	ऑनलाइन
81.	निरामय स्वास्थ्य बीमा योजना की दावा निपटान प्रक्रिया को समझना	पंजीकृत निरामय लाभार्थी	24.01.2024	18	मुंबई
82.	ऑटिज़्म के साथ संवेदी एकीकरण	एएसएलपी	25.01.2024	93	ऑनलाइन
83.	साइकोअकॉस्टिक	एएसएलपी	25.01.2024	76	ऑनलाइन
84.	दिव्यांगजनों के लिए कल्याणकारी योजनाएं, सुविधाएं और रियायतें	विशेष व्यक्तियों के माता-पिता और विशेष शिक्षक	25.01.2024	70	माणगाव,रायगड़
85.	श्रवण दिव्यांग बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन	श्रवण दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	30.01.2024	92	ऑनलाइन
86.	भारतीय सांकेतिक भाषा पर सीआरई	प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक , ब्लॉक स्रोत शिक्षक एवं विशेष शिक्षक	29.01.2024 से 31.01.2024	80	आरसी,जानला
फरवरी					

87.	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए आईसीटी	विशेष शिक्षक	05.02.2024	40	ऑनलाइन
88.	तंत्रिका संबंधी समस्याग्रत व्यक्तियों के लिए वैकल्पिक चिकित्सा दृष्टिकोण	एएसएलपी	07.02.2024	65	ऑनलाइन
89.	कॉक्लिअर इम्प्लांट वाले बच्चों के श्रवण मौखिक उपचार में अंतराल को भरने पर सीआरई-एडीआईपी योजना	एएसएलपी एवं विशेष शिक्षक (एचआई)	05.02.2024 से 07.02.2024	14	मुंबई
90.	बच्चों में कृमि मुक्ति और खून की कमी (एनीमिया) का अवलोकन	दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	09.02.2024	43	मुंबई
91.	संकाय विकास कार्यक्रम	महाराष्ट्र से संकायगण	12.02.2024 से 16.02.2024	15	मुंबई
92.	आजीविका कार्यक्रम पर सीआरई	पुनर्वास पेशेवर	19.02.2024 से 21.02.2024	31	जलपाईगुड़ी
93.	चक्कर आने और संतुलन संबंधी विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों के मूल्यांकन और प्रबंधन पर कार्यशाला	एमएससी ऑडिओलोजी के छात्र	19.02.2024 से 21.02.2024	10	मुंबई
94.	माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय: सह-पाठयक्रम गतिविधियाँ	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	22.02.2024	70	आरसी, कोलकाता
95.	वाक् एवं श्रवण दिव्यांगता की पहचान पर अभिमुखीकरण	आंगनवाड़ी शिक्षक	27.02.2024	51	आरसी, सिकंदरबाद
96.	श्रवण दिव्यांग बच्चों/व्यक्तियों के लिए सरकारी रियायतें और सुविधाएं	दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	29.02.2024	178	ऑनलाइन
	मार्च				
97.	बुनियादी आईएसएल संप्रेषण कौशल पर क्षमता निर्माण कार्यशाला	एसएसएम तहत समवेशी एवं विशेष शिक्षक	1 से 7, 9 से 15 एवं 16 से 22 मार्च 2024	300	मालदा
98.	विकलांगता सूचना लाइन और यूडीआईडी लाभ	प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक, ब्लॉक स्रोत शिक्षक एवं विशेष	05.03.2024	78	आरसी,जानला

		शिक्षक			
99.	आजीविका कार्यक्रम पर सीआरई	पुनर्वास पेशेवर	05.03.2024 से 07.03.2024	33	आरसी, कोलकाता
100.	बुनियादी आईएसएल संप्रेषण कौशल पर क्षमता निर्माण कार्यशाला	एसएसएम तहत समवेशी एवं विशेष शिक्षक	11.03.2024 से 15.03.2024	84	नोएडा
101.	सुलभता, डिजिटल प्रौद्योगिकी और श्रवण मौखिक थेरेपी पर सीआरई	पुनर्वास पेशेवर	21.03.2024	42	आइजोल, मिज़ोरम
102.	अनुप्रयुक्त व्यवहार विश्लेषण (एबीए)	एएसएलपी	22.03.2024	51	ऑनलाइन
103.	कर्ण-संबंधी पुनर्वास	एएसएलपी	26.03.2024	20	ऑनलाइन
104.	दिव्यांग बच्चों में व्यवहार संबंधी मामलें और गृह प्रबंधन	श्रवण दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	27.03.2024	102	ऑनलाइन
105.	यूडीआईडी कार्ड और दिव्यांग बच्चे	दिव्यांग बच्चों के माता-पिता	27.03.2024	45	मुंबई
106.	दिव्यांगजनों के मामलों पर हस्तक्षेप और प्रबंधन पर सीआरई: एक मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य	पुनर्वास पेशेवर	26.03.2024 एवं 27.03.2024	24	मुंबई
107.	माता-पिता प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय: दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ और रियायतें	विशेष बच्चों के माता-पिता और शिक्षक प्रशिक्षु	28.03.2024	62	आरसी, कोलकाता
108.	आवाज़ निर्मिति के एरोडाइनॅमिक	एएसएलपी	28.03.2024	25	ऑनलाइन
109.	कोक्लीयर इम्प्लांट टेक्नोलॉजी (IMPACT) में पेशेवर ऑडियोलॉजिस्ट के लिए परस्पर संवादात्मक मास्टर क्लास	एएसएलपी	01.12.2023 से 14.04.2024	250	ऑनलाइन
110.	सीआरसी, गोरखपुर के लिए दिव्यांग बच्चों के व्यावसायिक प्रशिक्षण में मामलें	अभिभावक	18.07.2024	50	ऑनलाइन

वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई और इसके क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा प्रदान की गई सेवाएं

क्र.सं.	सेवाएं	अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई		आरसी, नोएडा		आरसी, कोलकाता		आरसी, सिकंदराबाद		आरसी, जानला, उड़ीसा		कुल	
		22-23	23-24	22-23	23-24	22-23	23-24	22-23	23-24	22-23	23-24	22-23	23-24
1	नए मामलें	12270	10866	3615	3319	9740	8312	5269	4794	1899	1994	**32793**	**29285**
2	अनुवर्ती मामलें	38090	41356	4511	5353	35727	38697	3861	3386	1839	1561	**84028**	**90353**
3	सहायक सेवाएं	212292	252596	19260	17914	75866	85910	49323	34780	17545	13563	**374286**	**404763**
	कुल	**262652**	**304818**	**27386**	**26586**	**121333**	**132919**	**58453**	**42960**	**21283**	**17118**	**491107**	**524401**
1	ऑडियोलॉजिकल मूल्यांकन	12274	10696	5738	6549	7426	6034	8294	6026	2463	2154	**36195**	**31459**
2	एडिप लाभार्थी	3967	2967	765	563	3191	845	572	470	441	264	**8936**	**5109**
3	श्रवण यंत्र वितरण	6524	4866	1186	932	4662	1264	958	808	856	485	**14186**	**8355**
4	श्रवण यंत्र मरम्मत	2698	2448	0	0	0	0	662	313	142	88	**3502**	**2849**
5	कान के सांचे निर्मित	4038	3474	0	0	363	449	545	450	903	574	**5849**	**4947**
6	वाक् मूल्यांकन	3492	3236	2126	1042	3749	3144	1043	908	338	171	**10748**	**8501**
7	वाक् थेरेपी सत्र	6225	9933	3236	2756	16318	22092	5448	4809	727	1027	**31954**	**40617**
8	मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन	1475	5320	509	533	1171	2355	409	364	136	67	**3700**	**8639**
9	शैक्षिक मार्गदर्शन	651	719	205	164	957	655	5998	4732	1360	388	**9171**	**6658**
10	व्यावसायिक परामर्श और मार्गदर्शन	879	672	0	0	1060	1063	0	0	0	0	**1939**	**1735**
	कुल (1 से 10)	**42223**	**44331**	**13765**	**12539**	**38897**	**37901**	**23929**	**18880**	**7366**	**5218**	**126180**	**118869**

परिशिष्ट - IV

वर्ष 2023-24 के दौरान महापरिषद के सदस्य

श्री राजेश अग्रवाल — **अध्यक्ष**
सचिव, भारत सरकार
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,
पं. दीनदयाल अंत्योदय भवन,
सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड,
नई दिल्ली -110 003

श्री राजेश यादव — **सदस्य**
संयुक्त सचिव, भारत सरकार
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,
पं. दीनदयाल अंत्योदय भवन,
सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड,
नई दिल्ली -110 003

श्री किशोर सुरवड़े — **सदस्य**
डीडीजी/संयुक्त सचिव, भारत सरकार
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,
पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन,
सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड,
नई दिल्ली -110003

श्री संजय पांडे — **सदस्य**
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,
भारत सरकार
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशक **सदस्य**
भारत सरकार, श्रम मंत्रालय
श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग
नई दिल्ली - 110003

सचिव **सदस्य**
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार, मौलाना आज़ाद रोड
नई दिल्ली - 110 108

सचिव **सदस्य**
सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग
महाराष्ट्र सरकार, मंत्रालय,
मैडम कामा रोड, नरीमन पॉइंट
मुंबई - 400 032

निदेशक **सदस्य**
चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं
महाराष्ट्र सरकार, मंत्रालय,
मैडम कामा रोड, नरीमन पॉइंट
मुंबई - 400 032

संयुक्त सचिव (प्रशा.) **सदस्य**
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार, शास्त्री भवन
नई दिल्ली - 110 001

डॉ. (मेजर) निंगोमबाम जितेन सिंह **सदस्य**
पोरोमपट, जिला, इंफाल पूर्वी
मणिपुर- 795005

डॉ. दिपक अनंतराव भिसेगांवकर **सदस्य**
देवदीप, श्री वेंकटेश कॉलोनी
चेतक घोड़ा चौक के पास,
गरखेड़ा, औरंगाबाद 431005

श्री वकील प्रसाद साह **सदस्य**
फ्लैट नंबर सी-1,
अपर्णा अपार्टमेंट-III
प्लॉट नंबर सी-9,
शालीमार गार्डन एक्सटेंशन- II
साहिबाबाद, गाजियाबाद 201005

श्री ललित प्रसाद पंत **सदस्य**
32, बसंत विहार मुखानी,
हलद्वानी, नैनीताल
उत्तराखंड - 263139

श्री अवय गुप्ता **सदस्य**
115, रामपुरा, गांधीनगर
जम्मू -180 004

श्री हरिकृष्ण राय **सदस्य**
3907, पंचवटी,
12वीं मेन रोड कुमारस्वामी
लेआउट II स्टेज
बैंगलूरू- 560078

श्री कृष्ण बिहारी लाल श्रीवास्तव **सदस्य**
12, एक्सटेंशन, अनुपम नगर
जीवाजी यूनिवर्सिटी के पास,
ग्वालियर -474011।

डॉ. एस.पी. गोस्वामी **सदस्य**
प्रोफेसर एवं प्रमुख,
वाक् भाषा विकृतिविज्ञान विभाग
एआईआईएसएच,
मानसा गंगोत्री, मैसूर -570 006

श्री संजय शर्मा **सदस्य**
हाउस नं. 248, आदर्श कॉलोनी,
खेरली फाटक, कोटा
राजस्थान- 324001

श्री अखिलेंद्र कुमार **सदस्य**
53 पुराना किला, कैंट रोड,
चरन चक्की के पास,
लखनऊ - 226001

श्री लालदिक्किमी वनमाविया **सदस्य**
सी-1/1, छिंगावेंग आइजोल
मिजोरम -796 001

डॉ. राजू आरख **सदस्य सचिव**
निदेशक (स्थानापन्न)
अ.या,जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान
मुंबई - 400 050

45वीं महापरिषद बैठक 7 दिसंबर, 2023 को आयोजित की गई

परिशिष्ट -V

वर्ष 2023-24 के लिए कार्यकारिणी परिषद सदस्य

श्री राजेश यादव — **अध्यक्ष**

संयुक्त सचिव, भारत सरकार
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,
पं. दीनदयाल अंत्योदय भवन,
सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड,
नई दिल्ली -110 003

श्री संजय पांडे — **सदस्य**

संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, भारत सरकार
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,
शास्त्री भवन
नई दिल्ली -110 001

डॉ. श्रविण कुमार सिंह — **सदस्य**

ईएनटी सर्जन,
एन.1/71, ए-2, नगवा,
लंका, वाराणसी 221005

डॉ. योगेश दुबे — **सदस्य**

1, घनश्याम टावर
एम.जी. रोड
बोरीवली (ई)
मुंबई- **400066**

श्री संतराम शुक्ल — **सदस्य**

ग्राम-शहरी, पोस्ट-परवर
जिला- सुल्तानपुर- **228151**

डॉ. जे.एम. हंस — **सदस्य**

46, आनंद लोक,

सादिक नगर,
नई दिल्ली- **110049**

श्री मृत्युंजय झा **सदस्य**
निदेशक
भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण केंद्र (आईएसएलआरटीसी)
चौथी मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क
मॉड्यूल संख्या **403-405**
ओखला फेज-**III**
नई दिल्ली -**110020**

डॉ. होन्नारेड्डी एन. **सदस्य**
निदेशक
भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण केंद्र
चौथी मंजिल, एनएसआईसी बिजनेस पार्क
मॉड्यूल संख्या **403-405**
ओखला फेज-**III**
-नई दिल्ली -**110020**

डॉ. राजू आरख **सदस्य-सचिव**
निदेशक (स्थानापन्न)
अ.या,जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान
मुंबई - **400 050**

प्रतिवेदन वर्ष में आयोजित कार्यकारिणी परिषद की बैठकें

- 23 जून, 2023 को 146वीं कार्यकारिणी परिषद बैठक
- 22 नवंबर, 2023 को 147वीं कार्यकारिणी परिषद बैठक
- 07 मार्च, 2024 को 148वीं कार्यकारिणी परिषद बैठक

परिशिष्ट - VI

वर्ष 2023-24 के लिए शैक्षणिक समिति के सदस्य

डॉ. राजू आराख — **अध्यक्ष**
निदेशक (स्थानापन्न)
अ.या,जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई

डॉ. अमिताव मिश्रा — **सदस्य**
प्रोफेसर (विशेष शिक्षा)
जी-111, शिक्षा विद्यालय
इग्नू, मैदान गढ़ी
नई दिल्ली 110 068

डॉ. आशा यतिराज — **सदस्य**
प्रोफेसर- श्रवणविज्ञान
जेएसएस इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग
मैसूर

डॉ. कृष्णा उपाध्याय — **सदस्य**
सेवानिवृत्त प्रोफेसर (शोध पद्धति)
एसएनडीटी विश्वविद्यालय
मुंबई

डॉ. सुबोध सिरुर — **सदस्य**
त्वचा विशेषज्ञ/मेडिको-लीगल
सलाहकार/विशेषज्ञ
मुंबई

दो आंतरिक सदस्य अर्थात विभागाध्यक्ष-श्रवणविज्ञान, विभागाध्यक्ष-वाक् और विभागाध्यक्ष-शिक्षा रोटेशन के आधार पर हैं।

परिशिष्ट - VII

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान के कार्मिकों की संख्या

पद	एस.आई.यू. द्वारा मूल्यांकित पद (अनुशंसित पद समाप्त करने के पश्चात)	कार्यरत कार्मिक		रिक्त पद
		एसआईयू रिपोर्ट के अनुसार	वास्तविक स्थिति	
ग्रुप ए	33	19	19	14
ग्रुप बी	26	12	14	14
ग्रुप सी	114	91	97	23
योग	**173**	**122**	**130**	**51**

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/एनटी/सामान्य /पीडब्ल्यूडी कार्मिकों का विवरण

ग्रुप	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	एन टी	सामान्य	दिव्यांगजन (पीडब्लूडीज़)
ए	05	01	05	0	06	0
बी	04	0	02	0	08	0
सी	12 (1 एचएच)	05	04 (1 एचएच)	0	43	0
योग	**21**	**06**	**11**	**0**	**57**	**0**

परिशिष्ट –VIII

क्षेत्रीय केंद्र और समग्र क्षेत्रीय केंद्र

क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, प्लॉट नंबर 44-ए, ब्लॉक - सी, सेक्टर -40, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा -201301
टेलीफोन: 0120-2500474, 2500484. ई-मेल: adnrc-nihh@nic.in/ayjnihhnrc@gmail.com

क्षेत्रीय केंद्र, सिकंदराबाद

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मनोविकास नगर, बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद- 500009. टेलीफोन: 040-29554037/27750827 (एक्स.207) फैक्स:040-29554031,ईमेल: adnihhsrc@gmail.com/adsrc-nihh@nic.in

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, एन.आई.ओ.एच. कैंपस, बी. टी. रोड, बॉन हुगली, कोलकाता- 700090
टेलीफोन: 033-25310507/25311427, ई-मेल: ercnihh@nic.in/aderc-nihh@nic.in/ ercofayjnihh@gmail.com

क्षेत्रीय केंद्र, जानला

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, एट- ओगलापाड़ा, पोस्ट- जानला, जिला-खुर्दा - 752054, उड़िसा, टेलीफ़ैक्स: 0674-2460141, ई-मेल :ayjnihhbbsr@yahoo.com/adtctd-nihh@nic.in

सीआरसी, भोपाल

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र
पुनर्वास भवन, खजूरीकलां रोड, पोस्ट - पिपलानी, भोपाल - 462022, टेलीफोन: 0755-2685950/51 फैक्स- 0755-2685949, ईमेल : crcbhopal-nihh@nic.in

सीआरसी, अहमदाबाद

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र
भिक्षु गृह परिसर, जी.आई.डी.सी., ओधव, अहमदाबाद - 382415, टेलीफोन: 079-22870544
ईमेल :crcabad@gmail.com/crcahmd-nihh@nic.in

सीआरसी, नागपुर

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र
क्रीड़ा प्रबोधिनी हॉल, यशवंत स्टेडियम, धनतोली, नागपुर - 440012, फोन 0712-2445439/9890763885.
ईमेल- crcnagpur21@gmail.com. वेब: www.crcnagpur.in

सीआरसी, छतरपुर

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र
पुराना तहसील भवन, महालंगेट, छतरपुर - 471001,
फोन 07682-298339, ईमेल: crcchhatapur.gmail.com

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं.

AYJNISHD(D)

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान

(दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,

भारत सरकार, नई दिल्ली का स्वायत्त निकाय),

के. सी. मार्ग, बांद्रा रिक्लेमेशन, बांद्रा (प.), मुंबई - 400 050, फोन: 022-26422638/26400215/0226,

ई-मेल: ayjnihh-mum@nic.in, वेबसाइट: https://ayjnishd.nic.in,

आईएस/आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित संस्थान